{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 28 नवम्बर 2025
मार्गशीर्ष शुक्ल 08 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 66
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	85,720.38
निफ्टी	-	26,215.55
सोना	-	1,27,750
चांदी	-	1,73,000
डॉलर	-	89.37

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

28 वकीलों के खिलाफ चार्जशीट रद्द

चेन्नई। मद्रास हाई कोर्ट ने 19 फरवरी 2009 को हुई पुलिस-वकील हिंसा से जुड़े मामले में 28 वकीलों के खिलाफ दायर चार्जशीट रद्द कर दी। जस्टिस एम. निर्मल कुमार ने गुरुवार को 27 वकीलों की याचिकाओं को स्वीकार करते हुए सीबीआई द्वारा उनके खिलाफ दायर चार्जशीट को रद्द कर दिया। सुब्रमण्यम स्वामी पर यह हमला 19 फरवरी 2009 को हुआ था। इस दौरान स्वामी नटराज मंदिर के सरकारी अधिग्रहण को चुनौती देने वाले मामले में पक्षकार बनने के लिए कोर्ट में उपस्थित हुए थे। इसी दौरान लिट्टे समर्थक वकीलों के एक समूह ने उन्हें तमिलों का गद्दार बताते हुए जजों को सामने ही उन पर सड़े अंडे फेंके थे।

मेडिकल कॉलेज स्कैम में 10 राज्यों में रेड

रायपुर। छत्तीसगढ़ समेत 10 राज्यों में प्रवर्तन निदेशालय ने 15 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की है। मेडिकल कॉलेज स्कैम मामले में यह कार्रवाई की गई है। दिल्ली से ईडी की टीम रायपुर पहुंची हुई है। प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में जांच कर रही है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भी रेड मारी गई है। यह कार्रवाई केंद्रीय जांच ब्यूरो की 30 जून को दर्ज की गई एक एफआईआर से जुड़ी है। इस केस में 3 डॉक्टर्स समेत 6 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई थी। एफआईआर में आरोप है कि नेशनल मेडिकल कमीशन के कुछ अधिकारी और अन्य सरकारी कर्मचारी रिश्वत लेकर मेडिकल कॉलेजों को इंस्पेक्शन से जुड़ी गोपनीय जानकारी लीक करते थे।

रील बनाने पर माफिया के बेटे पर एफआईआर

प्रयागराज। प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे अबान अहमद (20) पर पहला मुकदमा दर्ज हुआ है। भडक़ाऊ रील को लेकर धूमनगंज थाने में केस दर्ज किया गया। रील के बैकग्राउंड में एक गाना लगाया गया। गाने के बोल हैं कि सामने वाले को हमसे क्या मिलेगा, ये उसकी औकात बताएगी... हम दिल भी रखते हैं और असलहा भी...हम कुत्तों की तरह पीछे से वार नहीं करते, सामने से फाड़ देते हैं... तूफान और हम जब भी आते हैं, मां कसम... फाड़ के जाते हैं।

कुछ ना कहना

आवरण कथा

डॉ.विपिन बिहारी शांडिल्य
स्थानीय संपादक

28 नवम्बर 1933 की तारीख इतिहास मे दर्ज है! इसी दिन महात्मा गांधी का बालाघाट जिले में आगमन हुआ था

बापू का आगमन! आइये, उस दिन को फिर से देखें!!

यह गांधी के बालाघाट आने का बयानबेवां साल है ! 92 बरस पहले ब्रिटिश शासन काल में उस युगपुरुष का आज ही के दिन 28 नवंबर 1933 को उस संत के पाँव इस धरा पर पड़े थे. वे आंदोलन के दिन थे! अपार उत्साह था! उत्सव था हर गाँव तहसील और जिला मुख्यालय में !!

आज महात्मा गांधी के बालाघाट दौरे के बयानबे साल पूरे हो गए. लगभग एक सदी! इसी दिन ब्रिटिश भारत में एक महान संत इन ग़लियों, सड़कों चौराहों पर चलकर गुजरा था.गांधी के बालाघाट आगमन की पटकथा कुम्हारीकला गाँव के लक्ष्मण कालबेले के आमरण अनशन से लिखी गयी थी. अगर वे अनशन पर ज़िदपूर्वक नहीं बैठते तो शायद ही कभी गांधीजी के पाँव बालाघाट की धरा पर पड़ते! बहुत कम लोगों को पता है कि लक्ष्मण कालबेले स्वतंत्रता आंदोलन के सिपाही नहीं थे. वे महात्मा गांधी के अनन्य भक्त थे! उपासक जैसा! मानों गांधी उनके लिए भगवान हों! यह गांधीजी को भी ज्ञात था इसी कारण से उस दौर के जंगल, बीहड़ और साधन विहीन इस जिले के दौरे पर गांधी जी पहुंचे थे. यह किसी चमत्कार से कम नहीं था. कांग्रेस के उस दौर के कार्यकर्तता चकित थे. उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था कि महात्मा गांधी लांजी और बालाघाट के दौरे पर आ रहें हैं!

उनके वर्धा से जब गोंदिया के आमगाँव के लिए निकले तब वर्धा के उनके मानस पुत्र सेठ जमनालाल बज़ाज़ को चिंता हुई कि गांधीजी कैसे बालाघाट पहुंचेंगे? तब उन्होंने अपनी अर्धांगिनी यशोधरा बजाज को कार लेकर गोंदिया के निकट स्टेशन आमगांव भेजा. गांधीजी आमगाँव में उतरे और यशोधरा की कार से कारंजा होते हुए लांजी पहुंचे।

बालाघाट जिले का जनमानस तब चकित था. अविस्मरणीय! यह महात्मा गांधी के सेवाग्राम आश्रम के दौर का कालखंड था. गांधीजी मध्य भारत के सातवे दौरे पर निकल चुके थे। अनशनरत लक्ष्मण कालबेले अवाक थे. उनकी मुराद पूरी हो चुकी थी. गांधीजी ने उन्हें दूध पिलाकर अनशन तुड़वाया. लक्ष्मण कालबेले की मांग पर गांधीजी ने लांजी में छुआछुत के ख़िलाफ अपील की. अलख जगाई. कहा -उन्हें भी अपने अपने गाँव के कुओं से पानी भरने दो।

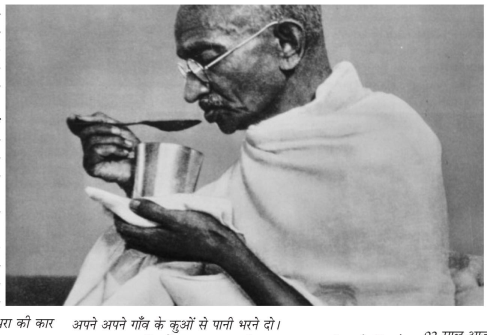

इस तरह हरिजनोंद्धार का महान संकल्प पूरा हुआ. लंजकाई मंदिर के पास बना गांधी मंच आज भी उस घटना की याद दिलाता है.

फिर गांधी जी भानेगाँव, मोहझरी, किरनापुर, रजेगाँव, सालेटेका के रास्ते बालाघाट पहुंचे. रास्ते भर लोगों का हुजूम था! अबाल, वृद्ध, नर - नारी! गांधीजी बालाघाट पहुँच चुके थे! उस दिन बालाघाट में मानों कोई त्यौहार, उत्सव जैसा माहौल था।

आमगांव- से चलकर बाघ नदी को पार कर कारंजा गाँव और लांजी.फिर भानेगाँव, मोहझरी, हिर्री, किरनापुर और रजेगांव, सालेटेका और बालाघाट. मार्ग वही था! इस यात्रा को बापू ने हरिजन दौरा नाम दिया था. मध्यप्रदेश में यह सातवां दौरा था.

आज उसकी जब चर्चा चली है, तो बड़े बुजुर्गों से सुनी अनेक बातें याद आ जाती हैं. हम लोग बालाघाट जिले के पुश्तैनी बाशिंदे हैं. और मेरे दादा, पर दादा छत्तीसगढ़ के बेमेतरा के पास एक गाँव के निवासी थे।

लक्ष्मण पटेल कालबेले को बालाघाट जिले में महात्मा गांधी को बुलाने का सारा श्रेय जाता है।

मध्यप्रदेश का बालाघाट जिला भौगोलिक दृष्टि से उत्तर भारत में

सतपुड़ा पर्वतमालाओं के दक्षिण में विस्तार लिए हुए है. यहाँ पर उपनिवेशी शासन के दिनों में गोरे साहबों की कोठियां नहीं थी. वरन वे लोग छोटे किसानों को अपने पटेल बनाकर रखते थे. और सरकार का काम ऐसे ही चल जाता था।

बालाघाट में हरिजन उद्धार के लिए आये गाँधी जी को 92 साल आज पूरे हो गए. आज के ही दिन 22 नवंबर 1933 को महात्मा गांधी लाँजी के निकट एक गाँव कुम्हारी कला के पटेल लक्ष्मण कालबेले के आमरण अनशन को समाप्त करवाने के लिए रायपुर बिलासपुर के अपने दौरे को खत्म कर जबलपुर के रास्ते जाने के क्रम में आये थे।

(पृष्ठ 6 भी देखें)

खाद के लिए दो दिन लाइन में खड़ी रही महिला...ठंड, भूख-प्यास और थकान से कमजोर होने के कारण बिगड़ी तबीयत...रात को उल्टी के बाद दम तोड़ा

भुरिया बाई को खाद तो नहीं, मौत मिल गई

भोपाल/ गुना। गुना जिले के बमोरी विधानसभा क्षेत्र में खाद वितरण में अव्यवस्था की अफरा-तफरी बुधवार रात एक दर्दनाक मोड़ ले गई। कुशेपुर गांव की आदिवासी महिला किसान भुरिया बाई की मौत ने पूरे जिले को झकझोर दिया है। दो दिनों से बागेरी खाद केंद्र पर लाइन में लगी भुरिया बाई ठंड, भूख-प्यास और थकान से कमजोर हो गई थीं। अचानक तबीयत बिगडऩे पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों का कहना है कि लंबी कतार और ठंड में इंतजार ने उनकी हालत खराब कर दी। घटना के बाद प्रशासन हरकत में आया। कलेक्टर किशोर कन्याल ने बताया कि महिला की मौत ब्लड शुगर लेवल बढऩे और स्वास्थ्य खराब होने के कारण हुई। उन्होंने किसानों से अपील की कि जिले में खाद की पर्याप्त आपूर्ति है, इसलिए अनावश्यक भीड़ न लगाएं।

मृतका बागेरी डबल लॉक गोदाम पर खाद लेने के लिए लाइन में लग रही थी। परिजनों के अनुसार, वह दो दिनों से खाद के इंतजार में लाइन में खड़ी थी। दिनभर लाइन में रहने के बाद वह रात में वहीं आराम कर रही थी। इसी दौरान उसकी तबीयत बिगड़ी। उसे लगातार उल्टियां हुईं। परिजन उसे गुना जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने वहां उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार अब अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा है। सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी गांव पहुंचे। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने बताया कि सूचना मिली कि महिला खाद की लाइन में लगी थी। उसे वॉमिटिंग हुई, जिसके बाद उसे गुना के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसकी मौत हो गई।

किसान ठंड में लाइन में खड़े, जिम्मेदारी कौन लेगा

इस मामले पर बमोरी से कांग्रेस विधायक ऋषि अग्रवाल ने कहा कि कल रात में मैं खुद बागेरी वितरण केंद्र पर गया था। बड़ी संख्या में किसान वहां लाइन में लगे हुए हैं। भीड़ बहुत हो रही थी। ठंड में खुले आसमान के नीचे किसान रुके हुए हैं। प्रशासन दावा कर रहा है कि पर्याप्त खाद है, तो फिर किसानों को खाद क्यों नहीं मिल रहा है। एक सहरिया महिला की मौत हो गई है। इसकी जिम्मेवारी कौन लेगा, प्रशासन लेगा या सरकार लेगी? एक तरफ सरकार जन मन की बात कर रही है। एक तरफ सरकार बात करती है कि घर-घर खाद पहुंचाएंगे। और आज इसकी मौत हुई है तो इसकी जिम्मेवारी कौन लेगा। इधर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी गुना दौरे पर हैं और बुधवार को बमोरी इलाके में मौजूद थे। उन्हें मामले की जानकारी मिली तो कलेक्टर और पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया को तुरंत कुशेपुर भेजा गया।

जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी- सिंधिया

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि एक बहन की आकस्मिक मृत्यु अत्यंत पीड़ादायक है। परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए सुधार सुनिश्चित किए जाएंगे। सिंधिया ने जिम्मेदार अमले पर कार्रवाई और पूरी जांच कराने के निर्देश भी दिए।

इनका कहना

-महिला खाद के लिए बागेरी केंद्र पर थी। गतरात्रि महिला को उल्टियां होने लगी, तो उसे शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार महिला को 450 शुगर थी। उसके पति को भी टीबी की बीमारी है। फिलहाल स्वजनों को 5000 रुपये की अंत्येष्टि राशि एवं 10000 रुपये की राशि रेडक्रास से उपलब्ध कराई गई है। वहीं दो लाख रुपये का प्रकरण तैयार किया गया है।

- किशोरकुमार कन्याल, कलेक्टर गुना

-प्रशासन भले ही खाद की कमी न होने का दावा कर रहा हो, लेकिन हकीकत इससे परे है। क्योंकि, बागेरी केंद्र पर अन्नदाता दो से तीन दिन से खाद के लिए कतार में लग रहा है, तो दर्द मौसम में खुले आसमान तले रात भी गुजारने मजबूर है। खाद की कतार में लगी महिला की मौत का जिम्मेदार कौन होगा। खाद वितरण प्रणाली पूरी तरह ध्वस्त है और खाद की कालाबाजारी हो रही है।

- ऋषि अग्रवाल, कांग्रेस विधायक, बमोरी

अश्लील कंटेट पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, बोला- किसी को तो लेनी होगी जिम्मेदारी

-केंद्र को 4 हफ्ते में नियम बनाने को कहा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सोशल मीडिया, ऑनलाइन शो और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बढ़ते अश्लील या आपत्तिजनक कंटेंट पर कड़ी टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि इंटरनेट पर डाले जाने वाले एडल्ट या अश्लील कंटेंट की जिम्मेदारी किसी न किसी को लेनी ही होगी, क्योंकि जब तक ऐसे पोस्ट को रोका जाता है, तब तक लाखों लोग इसे देख चुके होते हैं। अदालत ने केंद्र सरकार को आदेश दिया कि वह चार हफ्तों के भीतर कठोर रेगुलेशन तैयार करे, जो एससी/एसटी एक्ट जितने सख्त हों। कोर्ट ने यह टिप्पणी ऑनलाइन कंटेंट से जुड़े दो अलग-अलग मामलों (अश्लील कंटेंट विवाद और दिव्यांगों के अपमान) की सुनवाई के दौरान की।

अश्लील कंटेंट विवाद : रैना और रणवीर पर कई एफआईआर

इंडियाज़ गॉट लेटेंट शो का एक फरवरी में प्रसारित एपिसोड चर्चा में है, जिसमें स्टैंड-अप कॉमेडियन समय रैना और अन्य कलाकारों ने कथित रूप से महिलाओं और पेरेंट्स के बारे में अशोभनीय टिप्पणियां की थीं। इस एपिसोड के बाद समय रैना, रणवीर अलाहबादिया और अन्य के खिलाफ देश के कई राज्यों में एफआईआर दर्ज हुईं। रणवीर अलाहबादिया ने इन्हीं एफआईआर को रद्द करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट ने किसी तरह की राहत देने से इनकार किया, लेकिन केंद्र को सख्त कानून बनाने का निर्देश दिया ताकि भविष्य में ऐसा कंटेंट रोकने के लिए स्पष्ट और मजबूत तंत्र मौजूद हो।

दिव्यांगों का मजाक उड़ाने का मामला

इसी शो में समय रैना पर दिव्यांगों विशेषकर नेत्रहीन लोगों का मजाक उड़ाने का आरोप भी लगा था। एसएमए फाउंडेशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने समय रैना, विपुल गोयल, बलराज सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तंवर को निर्देश दिया कि वे अपने शो में दिव्यांग व्यक्तियों की प्रेरक सफलता की कहानियां दिखाएं, जिससे उनके लिए फंड जुटाया जा सके। इस पर कॉमेडियन्स ने कोर्ट को आश्वासन दिया कि वे हर महीने ऐसे दो शो करेंगे और दिव्यांग व्यक्तियों के लिए फंड एकत्र करेंगे।

सीजेआई ने फटकारा : बहुत सावधान रहना होगा

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने समय रैना को चेतावनी देते हुए कहा कि उन्हें और उनकी टीम को भविष्य में बेहद सावधान रहना होगा। सीजेआई ने कहा कि कोर्ट को यह भी जानकारी है कि मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचने के बाद समय ने कनाडा में एक शो के दौरान टिप्पणी की थी कि इस विवाद से उनके वकीलों की फीस निकल आई। सीजेआई ने कहा, आप चाहे देश में हों या विदेश में, आपकी टिप्पणियों पर सभी की नजर रहती है।

26 लाख वोटर गायब! मतदाता सूची पर चुनाव आयोग का खुलासा, ममता बनर्जी ने उठाए सवाल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मौजूदा मतदाता सूची में करीब 26 लाख मतदाताओं के नाम 2002-2006 के बीच तैयार पुरानी सूचियों से मेल नहीं खा रहे हैं। निर्वाचन आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के तहत जब नए फॉर्मों की मैपिंग पुराने रिकॉर्ड से की गई, तो इतनी बड़ी संख्या में विसंगति सामने आई। अभी तक राज्य में छह करोड़ से ज्यादा गणना प्रपत्र पोर्टल पर अपलोड हो चुके हैं, लेकिन 26 लाख नाम अभी भी पुराने डेटा से मैच नहीं कर पा रहे हैं। इस खुलासे ने राजनीतिक तापमान और बढ़ा दिया है। मंगलवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नॉर्थ 24 परगना के बोंगांव में एसआईआर के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया। बोंगांव से ठाकुरनगर तक तीन किलोमीटर लंबा विरोध मार्च निकालते हुए उन्होंने चुनाव आयोग को भाजपा का कमीशन करार दिया। ममता ने सवाल उठाया कि क्या वोटर लिस्ट अब भाजपा दफ्तर से बन रही है? उन्होंने इसे 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले बंगाल के असली मतदाताओं को वोट देने से रोकने की सुनियोजित साजिश बताया। तृणमूल सुप्रीमो ने कहा कि एसआईआर को बंगाल में चुनिंदा तरीके से और दबाव डालकर लागू किया जा रहा है, जबकि भाजपा शासित असम में अगले साल चुनाव होने के बावजूद वहां यह अभियान नहीं चल रहा।

देश का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट तैयार

300 किलो तक के सैटेलाइट अंतरिक्ष में ले जाएगा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भारत के पहले प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 को दुनिया के सामने रखा। इस रॉकेट की ऊंचाई 26 मीटर यानी करीब 85 फीट है। रॉकेट को प्राइवेट स्पेस कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस ने बनाया है। इस रॉकेट को 2026 में लॉन्च किया जाएगा। यह अपने साथ 300 किग्रा सैटेलाइट ले जाने में सक्षम है।

पीएम मोदी ने रॉकेट के अलावा कंपनी के नए इनफिनिटी कैंपस का भी इनॉगरेशन किया। इस कैंपस में कई लॉन्च व्हीकल के डिजाइन, डेवलपमेंट, इंटीग्रेशन और टेस्टिंग का काम किया जाएगा। कैंपस तेलंगाना के हैदराबाद में बना है। कंपनी का हेड ऑफिस भी यहीं है। स्काईरूट एयरोस्पेस कंपनी की स्थापना पवन चंदना और भरत ढाका ने 2018 में की थी। यह दोनों आईआईटी पासआउट हैं और इसरो के पूर्व साइंटिस्ट रह चुके हैं।

हमारी युवाशक्ति नई ऊंचाइयों को छू रही

पीएम मोदी ने इस दौरान अपने संबोधन में कहा कि आज देश का अंतरिक्ष क्षेत्र एक अभूतपूर्व अवसर का साक्षी बन रहा है। आज भारत के स्पेस इको सिस्टम में निजी सेक्टर बड़ी उड़ान भर रहा है। स्काइरूट इन्फिनिटी कैंपस भारत की नई सोच, नवाचार और युवा शक्ति को दर्शाता है। साथ ही यह सरकार के अंतरिक्ष क्षेत्र में किए गए सुधारों को भी नतीजा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी युवाशक्ति की नवाचार, जोखिम लेने की क्षमता और उद्यमशीलता नई बुलंदी को छू रही है। भारत के प्राइवेट सेक्टर का अंतरिक्ष टैलेंट पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना रहा है। आज वैश्विक निवेश के लिए भारत का अंतरिक्ष सेक्टर एक लुभावनी जगह बन रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 300 से ज्यादा अंतरिक्ष स्टार्टअप नई उम्मीद दिखा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के शुरुआती दौर, जब रॉकेट साइकिल पर ले जाए जाते थे, और अब भारत के सबसे विश्वसनीय लॉन्च व्हीकल बनकर उभरने का जिक्र किया।

मेडिकल कॉलेजों में भ्रष्टाचार

मप्र,दिल्ली,यूपी समेत 10 राज्यों में ईडी की छापेमारी

-रिश्वत के बल पर हासिल की गोपनीय निरीक्षण रिपोर्ट

नई दिल्ली। मेडिकल शिक्षा क्षेत्र में कथित भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों की जांच के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को देशभर में बड़ी कार्रवाई की। ईडी ने दिल्ली और मध्य प्रदेश समेत उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, गुजरात, राजस्थान, बिहार कुल 10 राज्यों में 15 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई उन आरोपों के मद्देनज़र की गई है, जिनमें कहा गया है कि सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देकर मेडिकल कॉलेजों से जुड़ी गोपनीय निरीक्षण रिपोर्ट हासिल की जाती थी और इसके आधार पर अनियमित तरीके से मान्यता दिलाने की कोशिश होती थी।

सूत्रों के मुताबिक, ईडी की यह पूरी कार्रवाई सीबीआई द्वारा 30 जून 2025 को दर्ज एफआईआर (संख्या आरसी2182025ए0014) पर आधारित है। एफआईआर में आरोप है कि कुछ सरकारी अधिकारी, जिनमें राष्ट्रीय मेडिकल कमीशन (एनएमसी) से जुड़े कर्मी भी शामिल हैं, निरीक्षण संबंधी गोपनीय जानकारी को रिश्वत के बदले दलालों और मेडिकल कॉलेजों के प्रबंधन तक पहुंचा रहे थे। यही जानकारी बाद में निरीक्षण मानदंडों में हेरफेर करने और कॉलेजों को अकादमिक कोर्स शुरू कराने की मंजूरी दिलवाने में इस्तेमाल की जाती थी।

ईडी ने जिन परिसरों पर छापे मारे हैं, उनमें सात मेडिकल कॉलेजों से जुड़े ठिकाने भी शामिल हैं। इसके अलावा कई निजी व्यक्तियों के ठिकानों की तलाशी ली गई, जिन्हें एफआईआर में आरोपी बताया गया है और जिन पर इस कथित धन लेन-देन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आरोप है। अधिकारियों के अनुसार, शुरुआती जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि एक संगठित नेटवर्क के जरिए गोपनीय दस्तावेजों का आदान-प्रदान और कथित रिश्वत का लेन-देन किया जा रहा था। अब जांच एजेंसी का फोकस न केवल संस्थागत परिसरों पर, बल्कि उन निजी स्थलों पर भी है, जहां से अवैध रूप से अर्जित धन या डिजिटल साक्ष्य मिलने की संभावना है। जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि रिश्वत की रकम किस चैनल से प्रवाहित हुई और किस तरह मेडिकल कॉलेजों को लाभ पहुंचाया गया। ईडी अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि अब तक मिल रहे दस्तावेज़ और डिजिटल डाटा कई और महत्वपूर्ण खुलासों की ओर इशारा कर रहे हैं।

सूत्रों का कहना है कि कार्रवाई का उद्देश्य इस कथित भ्रष्टाचार तंत्र की जड़ तक पहुंचना है, जिससे न केवल मेडिकल शिक्षा क्षेत्र में पारदर्शिता स्थापित की जा सके, बल्कि यह भी सुनिश्चित हो कि कोई संस्थान अनुचित लाभ न उठा सके। अधिकारियों के मुताबिक, आने वाले दिनों में छापेमारी से जुड़े और भी महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं, जो पूरे मामले की तस्वीर और साफ़ करेंगे।

बेहतर खेल सुविधाओं का दुर्भाग्य झेल रहे बालाघाट के खिलाड़ी

एक अदद खेल मैदान के लिए तरस रहे खिलाड़ी, सुविधाओं के अभाव में कर रहे अभ्यास,खिलाड़ियों ने सुनाई दास्तान!!

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

केवल पढ़ाई लिखाई, या रंगमंच ही नहीं ,बल्कि अन्य विधाओं के साथ-साथ खेलों में भी बालाघाट जिला संपूर्ण मध्य प्रदेश में अग्रणी रहा है। जहां विभिन्न खेल विधाओं के खिलाड़ियों ने ना केवल बालाघाट जिला बल्कि राज्य, राष्ट्र व अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी अपने खेल का प्रदर्शन कर जिले का नाम रौशन किया है।इसके अलावा जिले के खिलाड़ी विभिन्न खेलों में आए दिनो चयनित होकर पुरस्कार मेडल प्राप्त कर रहे हैं। लेकिन इसे दुर्भाग्य कहा जाए या फिर जिम्मेदारों की उदासीनता की जिले के खिलाड़ियों के लिए ना तो पर्याप्त खेल मैदान की व्यवस्था है और ना ही पर्याप्त संसाधन।बावजूद इसके भी खिलाड़ी आए दिनों अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ा रहे हैं। इधर कई वर्षो से खेल के क्षेत्र में देखी जा रही अव्यवस्था अब भी कायम है।जिसका एक नजारा मुलना स्टेडियम परिसर के पिछ्ले भाग में बनाए गए व्हालीवाल ग्राउंड में देखने को मिला।जहा राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी बनने का सपना सजोए खिलाड़ी सुविधाओं के अभाव में खेल का अभ्यास करते हुए दिखाई दिए।

खोखला साबित हो रहा खिलाड़ियों को मिला आश्वासन

जिले में खेल और खिलाड़ियों को सुविधा देने की बात करने वाले नेताओं के वादे, खोखले साबित हो रहे है। बात करें व्हालीवाल की तो, महिने पहले डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एकेडमी के सम्मान समारोह में पहुंचे सांसद भारती पारधी, पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन, नपाध्यक्ष भारती ठाकुर और जिम्मेदारों ने व्हालीवाल खेल मैदान, बनाने की बात कही थी लेकिन उनकी बातें, खेल मैदान में समस्याओं से जूझते खिलाड़ियों की बात कोरी साबित होती नजर आती है।खिलाड़ियों ने बताया कि उस सम्मान समारोह में 2 दिन के भीतर उनके ग्राउंड में मिट्टी डालकर उसे खेलने योग्य बनाने और खेल के संसाधन उपलब्ध कराने का आवश्वासन दिया गया था।इस बात को करीब 2 माह होते आ गया लेकिन जनप्रतिनिधियों से मिला आश्वासन अब तक पूरा नही हुआ है।जिसको लेकर खिलाड़ियों ने अपनी नाराजगी भी जताई है।

केवल ग्राउंड ही नही अन्य समस्याए भी है- सादाब

रात्रि कालीन मैच खेल रहे खिलाड़ी शादाब ने बताया कि यहां ग्राउंड की काफी ज्यादा समस्या है,यहां के ग्राउंड में मिट्टी ही नहीं है, जगह-जगह पत्थर है ,पानी की भी समस्या है, लाइट भी बराबर नहीं मिलती, यहां की प्रैक्टिस के बाद जब स्टेट खेलने जाओ तो वहां टर्फ का ग्राउंड मिलता है टर्फ में प्रैक्टिस नहीं होने के चलते मैच खेलने में भी काफी परेशानी होती है। प्रेक्टिस करने के लिए ढंग का ग्राउंड भी नहीं है समस्या सिर्फ खेल मैदान की नहीं बल्कि अन्य संसाधनों की भी है।

मैदान के लिए मिट्टी भी नहीं मिली- आरती

कम उम्र से व्हालीवाल खेलते हुए कॉलेज का प्रतिनिधित्व करने वाली खिलाड़ी आरती सिंह ने बताया कि कक्षा 8वीं-9 वीं से ही उन्होंने वॉलीबॉल खेलना शुरू कर दिया था। पहले नगर पालिका के ग्राउंड में खेलते थे,लेकिन वहां हॉकी मैदान बन गया है इसीलिए वहां से वॉलीबॉल ग्राउंड हटा दिया गया इसके पूर्व उनका चयन राज्य स्त्रीय प्रतियोगिता में हुआ था।लेकिन जब वे ग्वालियर पहुंची तो वहां टर्फ मैदान खेलने के लिए मिला,टर्फ की प्रैक्टिस नहीं है इसीलिए मैच खेलने में काफी परेशानी हुई। उन्होंने बताया कि अभी पूर्व मंत्री ने आश्वासन दिया था कि दो दिनों के भीतर खेल मैदान के लिए मिट्टी की व्यवस्था कर दी जाएगी। लेकिन वह आश्वासन आज तक पूरा नहीं हुआ।यहां सुसज्जित ग्राउंड तो दूर की बात, मिट्टी का ग्राउंड भी नसीब नहीं हो रहा है।कंकर पत्थर में अभ्यास करना पड़ रहा है।

मैदान के साथ साथ संसाधन भी नही है-प्रेरणा

स्टेट प्लेयर प्रेरणा मेंढेकर ने बताया कि पूर्व मंत्री को हमने, खेल मैदान को लेकर समस्या बताई थी। जिस पर उन्होंने आश्वस्त किया था कि खेल मैदान और संसाधन की कोई कमी नहीं होगी, लेकिन महिनों बाद भी ना तो मैदान के हालत बदले और ना ही किया गया वादा पूरा हुआ। यहां ढंग का मैदान भी नहीं है, लाइट की समस्या बनी हुई है ,ग्राउंड में पत्थर है ,हमेशा धूल उड़ती रहती है, पानी की भी समस्या है, धूल के चलते यहां खिलाड़ियों की तबीयत खराब हो रही है। बाहर जाओ तो टर्फ मैदान मिलता है यहां मिट्टी का ग्राउंड है इसीलिए दिक्कतें होती हैं।इसके अलावा खेल युवक कल्याण से हमें पर्याप्त मात्रा में वॉलीबॉल भी नहीं मिलती, हमारी मांग है कि हमें मैदान के साथ-साथ संसाधन भी उपलब्ध कराया जाए।

बेहतर खेल मैदान मिले तो खिलाड़ी बढ़ेगें-मोहसिन कुरैशी

कोच मोहसीन कुरैशी, ने बताया कि वे 8 साल से लेकर 25 साल तक के खिलाड़ियों को व्हालीवॉल की कोचिंग दे रहे है लेकिन वह भी खेल मैदान और सुविधाएं नहीं मिलने से परेशान है। जिले में व्हालीवॉल के बेहतरीन खिलाड़ी है, इसी मैदान से खैरलांजी के आदित्य गभने ने इंडिया टीम में शामिल होकर जिले का प्रतिनिधित्व किया और आज वह जॉब कर रहा है लेकिन मैदान में मिट्टी, सिंचाई, लाईट और अन्य सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से खिलाड़ियों को जर्क सहना पड़ रहा है, जिससे उन्हें घुटने और कमर दर्द के साथ उड़ती धूल के कारण अस्थमा जैसी शिकायतें हो रही है। हमारी मांग है कि खिलाड़ियों के लिए बेहतर खेल मैदान बने तो जिले के खिलाड़ी भी आगे बड़ सकते है।

उम्र के अंतिम पड़ाव में घीसट रही जिंदगी ?

आदिवासी बुजुर्ग महिला को नही मिल रहा शासकीय योजना का लाभ, रहने एवं खाने पीने के लिए मोहताज आदिवासी बुजुर्ग महिला

पद्मेश न्यूज ।लामता। तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम चरेगांव में बुजुर्ग आदिवासी महिला तारा बाई उइके को शासकीय योजना का लाभ नही मिल पा रही है।जहां पीएम आवास ,पेंशन सहित अन्य योजनाओं का लाभ ना मिलने से रहने एवं खाने पीने के लिए मोहताज है।जिसकी अब तक जिम्मेदारो द्वारा सुध नही ली गई है।जिसके चलते आदिवासी बुजुर्ग महिला की उर्म के अंतिम प ?ाव में मुस्किल में जिंदगी गुजर रही है।बताया गया कि बुजुर्ग आदिवासी महिला तारा बाई उइके ग्राम पंचायत चरेगांव की निवासी हैँ जो लगभग 50 वर्षो से मेहनत मजदूरी करके झोपडे में निवास कर रही हैँ, इसके बावजूद इस वृद्ध महिला को सरकार द्वारा दिये जाने वाले किसी भी शासकीय योजना का लाभ नही मिल रहा हैँ, इस महिला को ना ही विधवा पेंशन, ना ही वृद्ध पेंशन मिल रहा हैँ ना ही प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला हैँ।इसलिए आज भी वृद्ध बुजुर्ग महिला झोपडी में निवास करने मजबूर हैँ।

लकवा ग्रस्त महिला की आज तक नही हुई सुनवाई

ग्रामीणों ने बताया कि तारा बाई लगभग 65 वर्ष कि हैँ जो लकवा से ग्रसित हो चुकी हैँ जिस कारण चल फिर भी नही सकती हैँ,और खाना भी अपने हाथो से नही खा पाती हैँ, उसका पुत्र जो रोज मेहनत मजदूरी करने के लिए चला जाता हैँ।आसपास के लोगो को बुजुर्ग महिला खाने पीने के लिए आवाज देती रहती है।वही मकान ना होने से झोपड़ी में महिला ठंड से ठीठुरती रहती हैँ।आवेदन करने पर भी उसे आज तक योजनाओं का लाभ नही मिल पाया है।

हमारी कही सुनवाई नही हो रही है- श्रवण

वार्ड नं 15 निवासी बुजुर्ग आदिवासी महिला तारा बाई उइके के पुत्र श्रवण उइके ने बताया कि उनकी माँ लकवाग्रस्त है, जो स्वयं से चलफिर भी नही सकती, स्वयं से खाना भी नही खा सकती,झोपड़ी में ही पड़ी रहती है।हमे आज तक शासन प्रशासन की कोई भी योजना का लाभ नही मिला है।पीएम आवास के लिए भी आवेदन कर चुके है पर लिस्ट में नाम नही आया।विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन भी नही मिल रही है ।पीएम आवास का लाभ भी नही मिल रहा है। पंचायत वाले बोलते हैं की मार्च में पीएम आवास का लाभ मिलेगा।

पड़ोसियों से खाना मांगती रहती है- आनंदा मेश्राम

बुजुर्ग महिला की पड़ोसी आनंदा मेश्राम ने बताया कि बाजू में एक झोपड़ी है जिसमें ताराबाई निवास करती है।उसका एक लड़का है जो मजदूरी के लिए चला जाता है, वह खाना पड़ोस में मांगती है,खाने के लिए रोती रहती है उसे लकवा मार दिया है स्वयं से चल फिर भी नहीं पाती और ना ही स्वयं से खाना खा पाती है। ग्राम पंचायत वालों को बताएं तो वह भी सुनवाई नहीं करते, कम से कम उसे वृद्धा पेंशन विधवा पेंशन और पीएम आवास का लाभ मिलना चाहिए।

योजना का लाभ देना मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी- मीना बिसेन

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान ग्राम पंचायत चरेगांव की सरपंच श्रीमती मीना बिसेन ने बताया कि वर्ष 2011 के सर्वे सूची में तारा बाई का नाम पी एम आवास सूची में नही था, उसका नाम जोड़ा गया हैँ, जैसे उसका नाम सूची में आता हैँ वैसे ही उनको प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिया जावेगा। यह मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी।

3 दिन से लापता शख्स की मिली लाश

पद्मेश न्यूज ।कटंगी। कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम समतपुरी के एक खेत में क्षत-विक्षत लाश मिलने से आस-पास के ग्रामीण इलाकों में हड़कंप मच गया।

शव की शिनाख्त ग्राम बासी निवासी मनोज पिता काशीराम पटले के रूप में की गई जो 03 दिन पहले अपने घर से खेत जाने की बात कहकर घर से निकले थे और गायब हो गए थे। परिजन और पुलिस उनकी तलाश कर रहे थे। इस बीच गुरुवार की सुबह करीब 08 बजे समतपुरी की सीमा में बने खेत में उनका शव कुएं में तैरते हुए देखा गया। मिली जानकारी अनुसार मनोज खेत में कृषि कार्य करने के लिए गए हुए थे। खेत पड़ोसी की कुप में पानी लेने के लिए गया हुआ था जहां डूबने से उसकी मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक घटना वाले दिन भी कुप के आस-पास उनकी तलाश की गई लेकिन पता नहीं चला आज उनका शव देखा गया। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव बरामद करने के बाद पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

आवश्यकता है
तंदुरी मिस्त्री-01 पद, वेतन- 15000/-
सप्लायर- 02 पद, वेतन-12000/-
कुक-01 पद, वेतन-15000/-
सावजी भोजनालय
दुर्गा चौक गर्रा, बालाघाट
7999310495, 7089840002

क्रैश बैरियर से टकराई बाइक तीन लोग घायल

पद्मेश न्यूज ।कटंगी। कटंगी से बोनकट्टा मुख्य सड़क मार्ग पर हरदोली रोड़ के ठीक पास में भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां पर तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे लगे क्रैश बैरियर से जाकर टकरा गई।

जिससे बाइक में सवार तीन लोग घायल हुए है। जिसमें तीनों की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती करवाया गया है। सड़क हादसा बुधवार की रात्रि करीब साढ़े 10 बजे के आस-पास हुआ है। सड़क हादसे के बाद घायलों को सरकारी अस्पताल कटंगी लाकर भर्ती करवाया गया। मिली जानकारी अनुसार सड़क हादसे में उमेश पिता दशराम उइके उम्र 24 वर्ष निवासी मिरगपुर, नितिन पिता भाउलाल मसराम उम्र 27 वर्ष निवासी पिपरवानी, और घनश्याम पिता रेवाराम सहारे उम्र 23 वर्ष घायल हुए है। बताया जा रहा है तीनों ने अत्यधिक मात्रा में शराब का सेवन कर रखा था। संभवत इसी कारण से उनकी बाइक क्रैश बैरियर से जाकर टकरा कई।

बनेरा में दो बाइक के बीच भिंडत

कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम बनेरा में बुधवार की रात करीब साढ़े 10 बजे के आस-पास दो बाइक के बीच आपस में भिंडत हो गई हादसे में पिता-पुत्र घायल हुए है। मिली जानकारी अनुसार बनेरा में सोसायटी के पास हुए हादसे में कोसमी निवासी पिता-पुत्र की बाइक को अज्ञात बाइक चालक ने टक्कर मार दी। जिसके बाद बाइक चालक मौके से फरार हो गया। हादसे में कोसमी निवासी रूपचंद पिता भूरेलाल पंचबाहे और पुष्कर पिता रूपचंद पंचबाहे घायल हुए है। जिन्हें रात्रि में ही सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। पुष्कर ने बताया कि वह पौनियां से अपने गांव कोसमी के तरफ लौट रहे थे अज्ञात बाइक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। उनके पिता को अधिक चोट आई है।

दो मोटरसाइकिल के बीच हुई भिड़ंत में 1 की मौत 5 घायल

1 का जिला अस्पताल में तो, बाकी का बिरसा में चल रहा उपचारे बिरसा थाना क्षेत्र के मोहगांव की घटना

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम मोहगांव के समीप दो मोटरसाइकिल के बीच हुई आपसी भिड़ंत में 01 युवक की मौत हो गई, तो वही इसी घटना में दोनों मोटरसाइकिल में सवार 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक का नाम थाना मलाजखंड नेवरगांव निवासी 20 वर्षीय प्रकाश पिता तीरथ सिंह उइके बताया गया है।तो वही दूसरी मोटरसाइकिल में सवार थाना गढ़ी ग्राम घिरी निवासी 9 वर्षीय युवराज मरकाम का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।इसके अलावा दोनों मोटरसाइकिल में सवार 1महिला सहित अन्य 04 लोगों का बिरसा के अस्पताल में उपचार जारी है।

पैसे निकालना गुदमा गए थे मां बेटे, उधर तेरहवीं के कार्यक्रम से लौट रहा था मरकामपरिवार

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना मलाजखंड ग्राम मोहगांव निवासी तीरथ सिंह उइके खेती किसानी का काम करते हैं, जबकि उनका पुत्र प्रकाश उइके,ग्राम पौनी स्थित शासकीय आईटीआई में पढ़ाई करता था। बताया गया कि प्रकाश उईके अपनी 45 वर्षीय माँ कुंती बाई उइके के साथ बैंक से पैसे निकालने के लिए गुदमा गया हुआ था। जहां प्रकाश मोटरसाइकिल चला रहा था, जबकि उनकी मां कुंती बाई पीछे बैठी थी। जानकारी के मुताबिक वे पैसे निकाल कर अपने गांव वापस जा रहे थे, तभी मोहगांव बाजार के पास सामने से आ रही कुँवरसिंह मरकाम की मोटरसाइकिल के साथ उनकी भिड़ंत हो गई। बताया गया कि थाना गढ़ी ग्राम घिरी निवासी कुंवर सिंह मरकाम खेती किसानी का काम करते हैं। जो कि अपनी पत्नी मोतीन बाई मरकाम, नाती चंद्रभान और युवराज मरकाम के साथ तेरहवीं के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अरंडी टोला गए हुए थे।जो एक ही मोटरसाइकिल में सवार होकर वापस अपने गांव घिरी जा रहे थे, तभी मोहगांव बाजार के पास प्रकाश उउइके की मोटरसाइकिल के साथ उनकी सीधी भिड़ंत हो गई ।इस हादसे में दोनों मोटरसाइकिल में सवार सभी 6 लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए बिरसा अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्रकाश उईके और दूसरी मोटरसाइकिल में सवार बालक युवराज मरकाम की गंभीर हालत को देखते हुए, प्राथमिक उपचार के बाद वहां के चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रिफर कर दिया। जहां जिला अस्पताल लाने पर प्रकाश उइके की उपचार के दौरान मौत हो गई। तो वहीं 9 वर्षीय बालक युवराज मरकाम का गम्भीर अवस्था मे जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

कार्यालय समन्वयक प्राचार्य शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट
संस्था कोड 781001 डाइस कोड 23450122047 दूरभाष क्रमांक 07632-240205
ई-मेल-hsse&celbalaghat@gmail.com

क्रमांक/रद्दी विक्रय/निविदा/2025/94 बालाघाट दिनाँक 27.11.2025

निविदा सूचना

क्रमांक	निविदा नम्बर	कार्य का नाम
01	01	हाईस्कूल व हायर सेकेण्डरी स्कूल बोर्ड परीक्षा वर्ष 2025 की मूल्यांकित उत्तरपुस्तिकायों का अपलेखन व विक्रय।

01. कोरे निविदा आवेदन फार्म रु. 300/- (रुपये तीन सौ मात्र) नगद जमा कर विद्यालय से दिनाँक 01.12.2025 से 08.12.2025 तक 11 बजे से दोपहर 02 बजे तक कार्यालयीन कार्य दिवसो में प्राप्त किये जा सकते है तथा पूर्णत: भरे हुये आवश्यक दस्तावेज संलग्न किये हुये निविदा आवेदन पत्र सील बंद लिफाफे में दिनाँक 09.12.2025 को दोपहर 02 बजे तक जमा किये जावेंगे।

02. रद्दी (कतरन करके ले जाने हेतु) विक्रय की शर्ते निविदा फार्म के साथ उल्लेखित है।

03. निविदायें दिनांक 09/12/2025 समय 04:00 बजे अपरान्ह में समिति के सदस्यों के समक्ष खोली जावेंगी।

समन्वयक प्राचार्य
शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय
बालाघाट

आवश्यकता है
• पारस कंपनी में मार्केटिंग हेतु-01 पद
(वेतन- 20000.00+)
• फोन कॉल हेतु - 01 पद
(वेतन-6000.00+)
• पाइप शोरूम कार्य हेतु युवक-02 पद
(वेतन - 10000.00+)
• पाइप शोरूम कार्य हेतु युवती-02 पद
(वेतन - 7000.00+)
नोट-अनुभवी को प्राथमिकता
दुकान का समय प्रातः 10 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक
आदिनाथ इंटरप्राइजेज
श्याम टॉकीज के पीछे, इतवारी गंज, बालाघाट
9424766066

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य हेतु चपरासी युवकी की आवश्यकता है
बालाघाट एवं आसपास के रहने वाली ही
संपर्क करें
वेतन - 12000+
मिलने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल मेन रोड बालाघाट (मप्र)मो. 9201340520

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

सांदीपनि विद्यालय में शिक्षक ने सात छात्रों के साथ की अमानवीय मारपीट

घटना के बाद हड़कंप, विधायक मुंजारे पहुंची विद्यालय, मारपीट करने वाले शिक्षक के निलंबन की मांग

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज।बालाघाट।

बालाघाट शहर के सबसे बड़े संदीपनी विद्यालय में कक्षा छठवीं के सात छात्रों के साथ शिक्षक द्वारा की गई मारपीट का मामला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया। घटना से नाराज़ परिजन बच्चों को साथ लेकर सीधे बालाघाट विधायक के पास पहुंचे और लिखित शिकायत सौंपी। शिकायत मिलते ही विधायक विद्यालय पहुंचीं और प्रधानाध्यापक तथा संबंधित शिक्षकों से सख्त पूछताछ की। शिक्षकों ने स्वीकार किया कि कक्षा में शोर होने पर छात्रों को मारा गया था। हैरानी की बात यह रही कि घटना की जानकारी प्राचार्य को तक नहीं दी गई, और उन्हें मामले का पता परिजनों की शिकायत के बाद चला।

शहर में छात्रों पर शिक्षकों द्वारा प्रताड़ना की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ठीक एक दिन पहले बूढ़ी क्षेत्र के एक निजी विद्यालय में होमवर्क पूरा न करने पर छात्र से मारपीट का मामला सामने आया था, और इसी बीच शहर के सबसे बड़े संदीपनी विद्यालय में एक और गंभीर घटना उजागर हो गई है। आरोप है कि 26 नवंबर दोपहर लंच के बाद इंग्लिश शिक्षक रामप्रसाद रहांगडाले वर्ग - 2 ने कक्षा छठवीं के सात छात्रों के साथ मारपीट की। परिजनों के अनुसार कक्षा के बाहर हो रहे शोर को लेकर शिक्षक ने बच्चों पर हाथ छोड़ दिए और कुछ छात्रों का गला दबाने तक की कोशिश की। मारपीट के बाद बच्चे दो घंटे तक कक्षा में रोते रहे और कुछ की तबीयत भी बिगड़ गई। घटना के बावजूद स्कूल के कुछ शिक्षकों ने मामले को दबाने की कोशिश की और प्राचार्य को इसकी जानकारी नहीं दी। अगली सुबह जब छात्र स्कूल जाने से मना करने लगे, तब परिजनों को पूरी घटना का पता चला। इसके बाद परिजन सीधे बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे के पास पहुंचे और लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद विधायक तुरंत विद्यालय पहुंचीं और इंग्लिश शिक्षक, प्रधानाध्यापक चित्रा बोपचे तथा प्राचार्य को कड़े शब्दों में फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि संदीपनी विद्यालय की प्रदेशस्तरीय प्रतिष्ठा है और ऐसी घटनाएं संस्थान की छवि को धूमिल करती हैं। विधायक ने दोषी शिक्षक के खिलाफ तत्काल निलंबन की मांग भी की है।

शिक्षक ने बच्चों को हाथों से बहुत मारा है - जामिन बैग

वार्ड नंबर 10 रजा नगर निवासी जामिन बैग ने बताया कि उनका बेटा और बेटी संदीपनी विद्यालय में अध्ययनरत हैं। उन्होंने कहा, कल स्कूल में शिक्षक द्वारा मारपीट की घटना के बाद मेरा बेटा स्कूल जाने से मना कर रहा था। जब मैंने उससे कारण पूछा तो उसने बताया कि स्कूल के एक शिक्षक ने उसे हाथों से बहुत मारा है और वह अब स्कूल नहीं जाना चाहता। बाद में जब मैंने अपनी बेटी से पूछा तो पूरी घटना का पता चला। हम चाहते हैं कि स्कूल में इस प्रकार मारपीट की घटनाएँ दोबारा न हों।

इस घटना की कोई जानकारी नहीं है - युवराज रहांगडाले

घटना पर प्रतिक्रिया जानने के लिए जब विद्यालय प्राचार्य युवराज रहांगडाले से बात की गई तो उन्होंने कैमरे के सामने फिलहाल कुछ भी कहने से इंकार कर दिया। अनौपचारिक चर्चा में उन्होंने बताया कि उन्हें इस घटना की कोई जानकारी नहीं थी और पूरे मामले की जानकारी उन्हें आज ही मिली है। प्राचार्य ने कहा कि वह पहले संपूर्ण घटना की जांच कर तथ्य जुटाएंगे, उसके बाद ही इस विषय पर आधिकारिक रूप से कुछ कहेंगे।

सात बच्चों के साथ हुई मारपीट

संदीपनी विद्यालय में मारपीट प्रकरण के दौरान बालाघाट विधायक के स्कूल पहुंचने पर कक्षा छठवीं के सात छात्रों ने खुद पूरी घटना सुनाई। छात्रों ने बताया कि 26 नवंबर को लंच के बाद कक्षा के बाहर आठवीं के छात्रों द्वारा शोर किया जा रहा था, लेकिन इसका गुस्सा इंग्लिश शिक्षक रामप्रसाद रहांगडाले ने छठवीं के बच्चों पर उतार दिया। बच्चों के अनुसार शिक्षक ने उन्हें जोर-जोर से मारा और कुछ का गला दबाने तक की कोशिश की। छात्रों ने स्पष्ट किया कि संबंधित शिक्षक उनकी कक्षा के नहीं हैं, बल्कि अन्य कक्षाओं को पढ़ाते हैं। जिन छात्रों के नाम विधायक के सामने बताए गए, उनमें पुनीत लिल्हारे, ओजस्वी मिश्रा, विहान, शौर्य, हिमांशु, अर्णव तथा एक अन्य छात्र शामिल हैं।

शिक्षक पर तुरंत निलंबन की कार्रवाई की जाए - अनुभा मुंजारे

संदीपनी विद्यालय में छात्रों की पिटाई प्रकरण पर बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि बच्चों के साथ मारपीट किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि माता-पिता अपने बच्चों को शिक्षा के लिए स्कूल भेजते हैं, हिंसा के लिए नहीं। विधायक ने बताया कि वे पूरे मामले की शिकायत जिला प्रशासन और प्रभारी मंत्री के समक्ष प्रस्तुत करेंगी तथा दोषी शिक्षक पर तुरंत निलंबन की कार्रवाई की मांग की है।

पुरानी रंजिश के चलते, खेत मे लगी धान हुई चोरी

पीड़ितों ने कलेक्ट्रेट में ज्ञापन सौपकर, इंसाफ की लगाई गुहार

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। पुरानी रंजिश के चलते, खेत मे लगी हुई धान चोरी किए जाने का एक मामला समाने आया है ।जिसमे खैरलांजी तहसील के ग्राम पांजरा निवासी सेवकराम देवाधारी और दायवन्ती बाई ने गांव के व्यक्ति पर धान चोरी का आरोप लगते हुए, मामले में इंसाफ दिए जाने की गुहार लगाई है ।जिन्होंने कलेक्ट्रेट में ज्ञापन सौपते हुए, फसल चोरी करने वाले व्यक्ति पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है। पीड़ित सेवकराम देवाधारी और दायवन्ती बाई ने आरोप लगाया है कि गांव के ही एक व्यक्ति ने पुरानी दुश्मनी के चलते उनके खेत में खड़ी धान की फसल काटकर चोरी कर ली ।उन्होंने बताया कि खेत में धान की रोपाई, गुड़ाई, निंदाई से लेकर खाद-पानी तक पूरा मेहनत और खर्चा किया था। जब फसल तैयार होकर कटाई के लिए खड़ी थी, तभी आरोपी ने मौका पाकर धान की फसल काट ली ।हमने स्थानीय थाने में भी शिकायत दर्ज कराई है लेकिन आरोपी पर कोई कार्यवाही नही की गई है।

महीनों की मेहनत चोरी हो गई

सेवकराम देवाधारी और दायवन्ती बाई ने आगे बताया कि यह सिर्फ फसल की चोरी नहीं बल्कि मेहनत की लूट और मानसिक प्रताड़ना है ।हमारी महीनों की मेहनत पर पानी फेर दिया गया। धान चोरी होने से हमे आर्थिक नुकसान नुकसान के साथ साथ मानसिक प्रताड़ना भी झेलनी पड़ रही हैं ।हमारी मांग है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई कर हमें इंसाफ दिया जाए।

कोतवाली पुलिस ने चोरी के 3 मामलों में लोमड़ी को किया गिरफ्तार

लोमड़ी के विरुद्ध 11 चोरी के अपराध पूर्व से है पंजीबद्ध ,सूने घरों की रैकी कर लोमड़ी करता था चोरी

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। हाल ही में शहर में कुछ मकान के ताले तोड़कर चोरी की घटना सामने आई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आदतन अपराधी रिहान खान उर्फ लोमड़ी को गिरफ्तार कर लिया है। नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिंह ने कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान जानकारी दी कि रिहान खान का आपराधिक इतिहास काफी लंबा है और उसके खिलाफ लगभग 11 प्रकरण पूर्व से पंजीबद्ध हैं। चोरी की घटना सामने आने पर पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया।

स्थानीय पुलिस कंट्रोलरूम में प्रेस वार्ता के दौरान नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले में लंबित चोरी की घटनाओं के खुलासे, चोरी हुये माल की बरामदगी और अज्ञात आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए समस्त थाना प्रभारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए थे।इन निर्देशों के पालन में जिले में घटित पूर्व की चोरी की घटनाओं का लगातार खुलासा किया जा रहा है। सीएसपी ने बताया कि इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली पुलिस ने तीन अलग-अलग चोरी के मामलों में आरोपी की गिरफ्तारी कर चोरी गया माल बरामद किया। थाना कोतवाली ने सरस्वती नगर, रजा नगर और भटेरा चौकी क्षेत्र के सूने घरों में घटित चोरी की तीन घटनाओं का सफलतापूर्वक खुलासा किया। पीड़ित रंजीत कुमरे के सरस्वती नगर स्थित घर से सोने के जेवरात और नगदी चोरी होने पर धारा 305(ए), 331(4) ब्नहस के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। दूसरी चोरी में अजीज कुरैशी के रजा नगर, बालाघाट स्थित घर से नगदी राशि और रेडमी कंपनी का एंड्रॉयड मोबाइल चोरी होने पर धारा 747/25 पंजीबद्ध किया गया। तीसरी चोरी में संदीप पाचे के भटेरा चौकी क्षेत्र स्थित घर से सोने-चांदी के जेवरात और नगदी चोरी होने पर धारा 754/25 दर्ज किया गया। विवेचना एवं तकनीकी विश्लेषण के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि इन तीनों वारदातों को एक ही आरोपी, रेहान खान उर्फ लोमड़ी ने अंजाम दिया। आरोपी सूने घरों की रैकी कर ताले तोड़कर चोरी करता था। थाना कोतवाली की विशेष टीम ने चोरी गए माल-मशरूका और अज्ञात चोर की जानकारी जुटाने के लिए सीसीटीवी फुटेज और विश्वसनीय मुखबिरों की सहायता ली। अज्ञात आरोपी के हुलिए की पहचान होने पर टीम ने 26 नवम्बर को संदेही रेहान खान उर्फ लोमड़ी, पिता आबिद खान, उम्र 19 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 10, मटन मार्केट, बालाघाट को पकड़कर पूछताछ की। जिसने चोरी करना कबूल किया ।

इस प्रकार करता था चोरी

रेहान खान उर्फ लोमड़ी, शहर के विभिन्न वार्डों में घूमकर रैकी करता था। जिन मकानों में शाम से देर रात तक ताला लगा मिलता था और घर सूना होता था, वह मौके का फायदा उठाकर ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम देता था। बीते दिनों हुई चोरी में रेहान के पास से लगभग 1,00,000 रूपये मूल्य का मशरूका प्राप्त हुआ है, जिसमें 20,500 रूपये नगद, 02 सोने के मंगलसूत्र के पेंडल, 03 सोने के मनी, सोने के लौंग के टुकड़े, 03 चांदी की अंगूठियां, 01 जोड़ी चांदी की पायल, 01 रेडमी कंपनी का एंड्रॉयड मोबाइल तथा 01 विवो कंपनी का एंड्रॉयड मोबाइल शामिल हैं। आरोपी रेहान खान के विरुद्ध थाना कोतवाली बालाघाट में संपत्ति संबंधी 10 अपराध तथा थाना बिरसा संपत्ति संबंधी 01 अपराध, कुल 11 अपराध पंजीबद्ध हैं।

केंद्रीय पेंशनर्स के अनुरूप दी जाए राज्य कर्मचारियों को पेंशन

प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन ने कलेक्ट्रेट में सौपा ज्ञापन, जुलाई 2025 से 3 प्रतिशत राहत राशि देने की लगाई गुहार

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। पेंशनर्स एसोसिएशन की वर्षों से कई मांगे लंबित है जिन पर शासन प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है ।ऐसा आरोप लगाते हुए प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन जिला इकाई बालाघाट द्वारा कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपा गया है ।जिसमें उन्होंने वर्षों से लंबित मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य के पुर्नगठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) को तत्काल हटाकर वर्षो से लंबित महंगाई, राहत व एरियस का तत्काल पूर्ण भुगतान किए जाने की मांग की है ।जिन्होंने प्रमुख रूप से केंद्रीय पेंशनर्स कर्मचारियों के अनुरूप राज्य कर्मचारियों को भी बढ़कर पेंशन का भुगतान करने और जुलाई 2023 से 3 प्रतिशत राहत राशि दिए जाने की गुहार लगाई है ।इस दौरान जिला प्रांतीय संगठन एवं कार्यकारी अध्यक्ष एस एस गंगेले, एम.सी पटले, आर.एस.बैस, के.एल. लिल्हारे, दशाराम पटले, रामप्रसाद नगपुरे, बाजीराव अहाके, दयानन्द बिसेन, ब्रजलाल बिसेन, डी.सी. डाहरवाल आर.पी.मिश्रा, शिवेंद्र कुमार बिसेन, सुरेश कुमार डोहरे, हेमचंद चौधरी, और एस.आर. कटरे सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

3 प्रतिशत कम मिल रही राहत राशि

मध्यप्रदेश के पेंशनर्स, नियमित केंद्रीय कर्मचारियों को मिल रहे 55 प्रतिशत महंगाई राहत राशि से 3 प्रतिशत कम महंगाई राहत राशि मिलने से परेशान है। पेंशनरों का कहना है कि इससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। जिसकी मुख्य वजह मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य के पुर्नगठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) है जिसे वगत 15-16 वर्षो से विलोपित करने की मांग कर रहे है ।प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन ने, अधिनियम की इस धारा के कारण महंगाई भत्ता राहत में हो रहे नुकसान की ओर सरकार का ध्यानाकर्षण करवाते हुए उक्त धारा को तत्काल विलोपित करने की मांग की है ।पेंशनर पदाधिकारियो ने बताया कि यूपी से अलग होकर बने उत्तराखंड, बिहार से अलग होकर बने झारखंड और आंध्रप्रदेश से अलग होकर बने तेलंगाना राज्य में, ऐसी कोई धारा नहीं है, केवल मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के बीच ही ऐसा है, जिसके कारण दोनो ही राज्यो के पेंशनरों को नुकसान हो रहा है ।आज इसे 25 वर्ष हो गए बावजूद इसके भी अभी तक इस धारा को नही हटाया गया है।

हम अपने हक की लड़ाई लड़ रहे है

पदाधिकारियो ने बताया कि प्रदेश शासन के सेवानिवृत पेंशनरों को वर्तमान मे 55 प्रतिशत महँगाई राहत मिल रही है हाल ही मे 2 प्रतिशत महँगाई राहत 8 माह के विलम्ब से प्रदेश के पेंशनरों को दी गई। प्रदेश के पेंशनर और परिवार पेंशनर का लगातार आर्थिक शोषण हो रहा है जबकि सम्पूर्ण भारत राज्य के पेंशनरों को केन्द्र के समान मँहगाई राहत की घोषणा होती रहती है लेकिन मप्र और छग राज्य सत्कार हमेशा पेंशनरों के साथ जुलाई 2019 से असमानता का व्यवहार कर रही है ।केंद्र के सामान महंगाई राहत राशि व एरियर का भुगतान नही किया जा रहा है ।हमारी मांग है कि यह आर्थिक शोषण बंद किया जाए, 1 जुलाई 2019 से जून 2025 तक कि महँगाई राहत, अवशेष राशि जुलाई 2025 से महँगाई राहत 3 प्रतिशत की बढ़ौतरी, केन्द्रीय पेंशनरों के समान कर 58 प्रतिशत महंगाई राहत राशि दी जाए। ताकि अन्य प्रदेश जैसे राजस्थान गुजरात महाराष्ट्र और अन्य प्रदेशो की श्रेणी में मध्यप्रदेश अपना स्थान बना सके ।समय पर पेंशनरो को वित्तिय राहत प्रदान की जाए ।उन्होंने बताया कि प्रमुख पेंशनर एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल चर्चा के माध्यम से समसस्याओ के निराकरण मे विश्वास रखता है ।चर्चा के लिए सीएम से समय मांगा जा रहा है लेकिन सीएम समय नही दे रहे है ।हमारी मांग है कि प्रतिनिधि मंडल को चर्चा का समय दिया जाय ताकि वर्षों से लंबित समस्याओ का चर्चा के माध्यम से निराकरण का मार्ग प्रशस्त किया जा सके ।

कीटनाशक के सेवन से व्यक्ति की मौत, कारण अज्ञात

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। वारासिवनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम नेवरगांव (ला) में कीटनाशक का सेवन करने से एक व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई ।मृतक का नाम ग्राम नेवरगांव (ला)निवासी 56 वर्षीय ओरीलाल पिता किशनलाल बोपचे बताया गया है ।मृतक द्वारा कीटनाशक का सेवन कर आत्महत्या किए जाने की बात परिजनों द्वारा कही जा रही है ।लेकिन उसने ऐसा क्यों किया फिलहाल यह स्पष्ठ नही हो पाया है ।उधर अस्पताल चौकी पुलिस ने मृतक ओरीलाल के शव का गुरुवार को जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है ।वही मामले की जांच के लिए डायरी वारासिवनी थाना पहुचाई गई है ।जिसके आधार पर वारासिवनी पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

घटना के वक्त घर पर अकेला था ओरीलाल

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेवरगांव ला निवासी ओरीलाल बोपचे की पत्नि व दो पुत्र, सुनील एवं महेन्द्र बोपचे है जो सभी साथ में रहते थे ।बताया गया कि 26 नवम्बर को ओरीलाल दोपहर में घर में अकेला था ।जबकि परिजन खेत गये हुये थे ।ओरीलाल ने घर में रखी कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया। जब परिजन खेत से घर लौटे तो ओरीलाल उल्टी कर रहा था जिससे जहरीली दवा की गंध आ रही थी ।ओरीलाल की हालत गंभीर होने पर परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां प्राथमिक उपचार कर हालत गंभीर होने से रिफर कर दिया गया। जिससे परिजन शहर के निजी अस्पताल में लेकर गये लेकिन वहां से भी डॉक्टर ने उनकी स्थिति गंभीर देखते हुये वापस जिला अस्पताल ले जाने सलाह दी। जिला अस्पताल में उपचार दौरान गुरूवार की अलसुबह ओरीलाल ने दम तोड़ दिया।

कारण अज्ञात

उधर चिकित्सको से मर्ग तहरीर मिलने पर अस्पताल चौकी पुलिस ने पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी कर शव को अपने कब्जे में लिया ।वही परिजनों के ब्यान दर्ज कर, मर्ग कार्यवाही के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है ।हालांकि ओरीलाल ने कीटनाशक का सेवन कर आत्महत्या क्यो की फिलहाल यह स्पष्ठ नही हो पाया है।

3 दिसंबर को धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये सहित विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलित होगें किसान

किसान सम्मेलन का हुआ आयोजन, किसानों ने सरकार पर वादाखिलाफी का लगाया आरोप, आंदोलन की बनाई रणनीति

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित लॉन में किसान संघ के तत्वाधान में गुरूवार को किसान सम्मेलन कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह किसान सम्मेलन कार्यक्रम किसान संघ के पदाधिकारी एवं किसानों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। आयोजित किसान सम्मेलन में उपस्थित किसानों ने अपने-अपने विचार रखते हुए कहा कि विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव के पूर्व भाजपा सरकार ने धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये, गेंहू का समर्थन मूल्य 2700 रूपये एवं कृषि कार्य के लिए 24 घंटे बिजली देने की घोषणा की थी और केन्द्र एवं प्रदेश में भाजपा की सरकार बन चुकी है। जिनके करीब तीन साल के कार्यकाल होने लगे है लेकिन अब तक अपनी घोषणा को पुरी नही कर पाई है। इस तरह से सरकार के द्वारा किसानों के साथ वादाखिलाफी की गई है जिससे किसानों में सरकार के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। जबकि सरकार को अपने वादे को पूरा करना चाहिए था, लेकिन अब तक नही किया है और 1 दिसंबर से पुराने ही समर्थन मूल्य में धान खरीदी प्रारंभ होना है। ऐसी स्थिति में किसानों को प्रति क्विंटल 700 रूपये का नुकसान होगा इसलिए सरकार से मांग है कि धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये करें। वहीं कृषि कार्य के लिए 24 घंटे बिजली प्रदाय करना चाहिए तभी किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। लेकिन सरकार के द्वारा किसानों की मांगों की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है इसलिए किसान संघ के द्वारा धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये, गेंहू का समर्थन मूल्य 2700 रूपये, कृषि कार्य के लिए 24 घंटे बिजली, रबी धान की फसल के लिए बांधों एवं नहरों से पानी उपलब्ध करवाने, खेत सडक योजना लागू करने की मांग को लेकर 3 दिसंबर को लालबर्रा में किसानों के द्वारा विशाल आंदोलन किये जाने की बात कही गई है। इस तरह से 3 दिसंबर को जायज मांगों को पूरा करवाने के लिए किसान संघ के द्वारा आंदोलन किया जायेगा। वहीं क्षेत्रीय किसानों से आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील किसान संघ ने की है।

4 प्रमुख मांगों को लेकर सरकार से आर-पार की लड़ाई

किसान सम्मेलन कार्यक्रम में प्रमुख चार मांगों पर विचार-विमर्श किया गया। जिसमें धान का समर्थन मूल्य बढ़ाकर 3100 रूपये प्रति क्विंटल किये जाने की मांग, 24 घंटे बिजली कृषि कार्य के लिए सहित अन्य मांगों शामिल है। किसानों का कहना है कि बढ़ती लागत और महंगाई को देखते हुए वर्तमान समर्थन मूल्य अपर्याप्त है ऐसी स्थिति में किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत नही हो पायेगी एवं किसान कर्ज के बोझ दबते रहेगा। साथ ही रबी में धान की फसल के लिए बांधों एवं नहरों से पानी उपलब्ध करवाने, खेत सड़क योजना लागू कर खेतों तक पहुंचने वाले मार्ग का निर्माण करवाने की भी मांग शामिल है। इन सभी मांगों को पूरा करवाने के लिए किसान संघ के द्वारा 3 दिसंबर को लालबर्रा में आंदोलन किया जायेगा। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित किसान संघ के पदाधिकारियों ने क्षेत्रभर के किसानों को इस सम्मेलन के माध्यम से संगठित होकर अपनी जायज मांगों को सरकार से पूरा करवाने के लिए एकजुट होकर 3 दिसंबर को लालबर्रा में होने वाले आंदोलन कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है ताकि सरकार तक किसानों की आवाज पहुंच सके। इस अवसर पर बड़ी संख्या में किसानगण उपस्थित रहे।

सरकार अपने वादे को करें पूरा - डुलेन्द्र

जिला पंचायत सभापति, किसान डुलेन्द्र ठाकरे ने कहा कि चुनाव के पूर्व सरकार ने किसानों से वादा किया था कि केन्द्र एवं प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी तो धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये, गेंहू का 2700 रूपये एवं 24 घंटे बिजली कृषि कार्य के लिए देगें । लेकिन सरकार के तीन वर्ष के कार्यकाल होने लगे है किन्तु सरकार ने अपने वादे को पूरा नही कर पाई है जिससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है और इन्ही मांगों को पूरा करवाने के लिए हम सभी किसानों को संगठित होकर लड़ाई लड़ने की आवश्यकता है। तभी किसानों की मांग पूरी हो पायेगी क्योंकि कांग्रेस एवं भाजपा के बड़े नेता व सरकार कुछ नही कर पा रही है उसके लिए किसानों को ही आगे आना पड़ेगा। श्री ठाकरे ने कहा कि कलेक्टर महोदय ने बैठक में रबी में धान की फसल के लिए पानी नही देने की बात को रखा है। जबकि इस बैठक में हमारे सांसद-विधायक के रूप में प्रतिनिधि बैठे थे ओर ग्रामीण अंचलों से भी प्रतिनिधि गये हुए थे। उन्हे इस बात को बोलना था कि इस वर्ष रबी सीजन में धान की फसल लगकर रहेगी। लेकिन किसी भी प्रतिनिधि ने इस बात को कलेक्टर महोदय के समक्ष नही रख पाये, जबकि बालाघाट जिले में सर्वाधिक धान की फसल होती है। धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये दिये जाने सहित अन्य मांगों को लेकर 3 दिसंबर को किसानों के द्वारा आंदोलन किया जायेगा।

मोहगांव ध. में महात्मा ज्योतिबा फूले की पुण्यतिथि समारोह एवं सामाजिक सम्मेलन कार्यक्रम आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. ग्राम पंचायत मोहगांव ध. के बाजार चौक महात्मा फूले मंच में माली फूलमाली समाज सेवा संगठन के तत्वाधान में 28 नवंबर को प्रात: 9 बजे से महात्मा ज्योतिबा फूले की पुण्यतिथि समारोह एवं सामाजिक सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। माली फूलमाली समाज सेवा संगठन मोहगांव ध. के कार्यक्रम संयोजक चतुर्भुज बनकर ने बताया कि 28 नवंबर को महात्मा फूले मंच, बाजार चौक मोहगांव ध. में महात्मा ज्योतिबा फूले की पुण्यतिथि समारोह एवं सामाजिक सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रात: 9 बजे महात्मा ज्योतिबा फूले एवं सावित्रीबाई फूले जी की वंदना/माल्यार्पण, प्रात: 11 बजे से फूले जी के जीवन पर आधरित काव्य, गीत प्रस्तुती, शाम 4 बजे से अतिथियों, सामाजिक बंधुओं एवं प्रतिष्ठित नागरिकों का उद्बोधन, शाम 6 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रारंभ होगा। उक्त कार्यक्रम बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य, माली फूलमाली समाज सेवा संगठन जिलाध्यक्ष एलसी लांजेवार की अध्यक्षता एवं जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार, जनपद सदस्य धनेन्द्र नगपुरे, सरपंच श्रीमती हिरकन पवन नगपुरे, उपसरपंच रूपलाल नगपुरे, माली फूलमाली समाज लालबर्रा अध्यक्ष दादूजी नंदरधने, जिला उपाध्यक्ष नामदेव राउत, श्रीमती आशाबाई देशकर, श्रीमती सुनीता नेरकर के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर ग्रामीणजन एवं स्वजातीय बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील माली फूलमाली समाज सेवा संगठन अध्यक्ष दीक्षय नेरकर, उपाध्यक्ष अमित डोंगरवार, सचिव नितेश बनकर, सहसचिव जागेश बनकर, कोषाध्यक्ष धरम देशकर, समिति सदस्य अंकित भेदे, किशन लांजेवार, महिला समिति अध्यक्ष श्रीमती रानू बागड़े, उपाध्यक्ष श्रीमती पूर्वन्ता बनकर, सचिव श्रीमती महेश्वरी बनकर, सहसचिव श्रीमती अश्विनी (आशु) डोंगरवार, कोषाध्यक्ष श्रीमती सुनीता बनकर, समिति सदस्य ज्योति राउत, श्रीमती इंदु देशकर एवं संयोजक चतुर्भुज बनकर ने की है।

बेहरई में कृषि जागरूकता शिविर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बेहरई के पंचायत भवन में बुधवार को कृषि जागरूकता शिविर कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल, नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा सहित विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस कृषि जागरूकता शिविर कार्यक्रम में एसडीएम श्री जायसवाल, नायब तहसीलदार श्री मिश्रा के द्वारा किसानों को रबी में धान की फसल न लगाकर कम पानी वाली फसलें लगाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही यह भी बताया गया कि गत वर्ष रबी सीजन में जल एवं बिजली की समस्या ने किसानों की आर्थिक एवं मानसिक स्थिति को काफी आहत किया है। इसलिए इस वर्ष इस बात को ध्यान में रखते हुए फसलों का निर्धारण सुनिश्चित करना है। वहीं कार्यपालन अभियंता के द्वारा विभागों में चल रही सभी योजनाएं जैसे पीएम सूर्य घर योजना सहित अन्य योजनाओं के बारे में किसानों को जानकारी दी गई। वहीं अन्य विभागों के अधिकारियों के द्वारा अपने-अपने विभाग की जानकारी से किसानों को अवगत करवाकर किस तरह से लाभ लेकर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करना है उसके बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर दिलीप टेम्भरे सरपंच प्रतिनिधि, रामप्रसाद बघेले स्थाई पटेल, नेतलाल ठाकरे पूर्व कृषि मंडी लालबर्रा उपाध्यक्ष, सी एल पटले शिक्षक, उर्मिला शेन्डे कृषि विस्तार अधिकारी, आत्मा विभाग से सतीष, आंचल खोब्रागढ़े, घनश्याम भौतेकर, प्रीति पदराम, रेखा सिंह, रिचा बिन्दे, कृषि सीआरपी से माया पटले, शारदा नगपुरे, ललिता बावने, नेमेश्वरी कटरे, ग्राम रक्षक प्रफुल मेश्राम, दिशा खोब्रागढ़े एवं बिजली विभाग, सिंचाई विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं कृषकगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सांदीपनी स्कूल में मनाया गया भारतीय संविधान दिवस

प्रश्नमंच, भाषण एवं अन्य प्रतियोगिता का हुआ आयोजन, संविधान की उद्देशिका का किया गया वाचन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल लालबर्रा में बुधवार को भारतीय संविधान दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम स्कूल के प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती एवं संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। भारतीय संविधान के निर्माण की 76 वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रश्नमंच, भाषण सहित अन्य कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। साथ ही संविधान की उद्देशिका का वाचन व राष्ट्रगान भी किया गया। वहीं आयोजित प्रश्नमंच में सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों को पेन वितरित किये गये। वहीं भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को संविधान पढ़ने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर स्कूल प्राचार्य एवं शिक्षकों के द्वारा विद्यार्थियों को संविधान के महत्व के बारे में बताये हुए कहा कि भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर जिन्हे नौ भाषाओं का ज्ञान, 32 डिग्रिया प्राप्त थी। जो देश के प्रथम कानून मंत्री रहे। जिन्होने सभी के लिए समता मूलक समाज की स्थापना कर सभी महिलाओं हेतु अनेक कानून प्रावधान किये है। जिनमें प्रमुख रूप से आईपीसी की धारा 354, 498 - अ, 376, 304 ब, 366, 509 अनुछेद में महत्वपूर्ण 14, 15, 21, 39 ब, 42 आदि को लिखकर सुरक्षा व बराबरी का अधिकार दिया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने भारतरत्न बोधिसत्व डॉ. भीमराव अंबेडकर के ज्ञान व त्याग को जाना एवं समझा है। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

लोगों की सेहत सुधारने वाला ओपन जिम खुद वेंटिलेटर पर टूटी-फुटी मशीने एवं अव्यवस्था के बीच व्यायाम कर रहे लोग

खिलाड़ियों एवं स्थानीयजनों ने देख-रेख एवं साफ-सफाई करवाये जाने की प्रशासन से की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। बच्चों, खिलाड़ी, स्कूली छात्र-छात्राओं व लोगों को स्वस्थ एवं तंदुरूस्त रखने के लिए सांदीपनी स्कूल लालबर्रा के खेल मैदान स्थित जनपद शिक्षा केन्द्र के बाजू में ओपन जिम बनाया गया है। जहां लाखों रूपयों की लागत से जिम के उपकरण लगाये गये है परन्तु देख-रेख के अभाव में उपकरण खराब होने के साथ ही सीमेंट के लगाये गये गट्टू क्षतिग्रस्त होने लगे है। वहीं यह ओपन जिम असामाजिक तत्वों (शराबियों) का अड्डा बन चुका है। जहां रोजाना रात्रि में असामाजिक तत्वों के द्वारा शराब पीने के साथ ही गंदगी फैलाई जा रही है। साथ ही आसपास झाड़ियां उग चुकी है एवं गंदगी का अंबार लगा हुआ है। ऐसी स्थिति में प्रतिदिन सुबह-शाम के समय जिम में एक्सरसाइज करने आने वाले बच्चों, खिलाड़ियों एवं नगरवासियों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और वे टूटी-फुटी मशीने एवं अव्यवस्था के बीच व्यायाम करने मजबूर है। इस तरह से लोगों की सेहत सुधारने वाला ओपन जिम खुद वेंटिलेटर पर दिखाई पड़ रहा है परन्तु प्रशासन के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे लाखों रूपये के उपकरण खराब हो सकते है। जबकि सुबह एवं शाम के समय व्यायाम करने आने वाले लोगों एवं खिलाड़ियों के द्वारा लंबे समय से प्रशासन से ओपन जिम स्थल की साफ-सफाई कर रात्रि के समय शराब पीकर गंदगी करने वाले असामाजिक तत्वों पर कार्यवाही करने एवं सीसीटीव्ही कैमरे लगाने की मांग कर रहे है। लेकिन प्रशासन के द्वारा इस ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे स्थानीयजनों एवं खिलाड़ियों में आक्रोश व्याप्त है।

ओपन जिम के पार्टस देख-रेख के अभाव में हो रहे खराब

आपकों बता दें कि नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल लालबर्रा परिसर जनपद शिक्षा केन्द्र के समीप विगत वर्ष पूर्व लाखों रूपयों की लागत से ओपन जिम खोला गया है। जिसके माध्यम से स्थानीयजन एवं खिलाड़ी प्रात: एवं शाम के समय सैर करने आते है। जिनके द्वारा जिम के माध्यम से व्यायाम कर अपने आप को फिट रखने के लिए व्यायाम करते है। लेकिन देख-रेख के अभाव में ओपन जिम के कुछ पार्टस क्षतिग्रस्त होने लगे है, गट्टू निकलने लगा है। साथ ही ओपन जिम स्थल में विगत दिनों से असामाजिक तत्वों के द्वारा रात्रि के समय शराब पीकर शराब की बोतल, पानी की पन्नी सहित अन्य सामग्री का उपयोग कर गंदगी की जा रही है। वहीं ओपन जिम के समीप कक्षा 1 से 5 तक की कक्षाएं संचालित की जाती है। जबकि इस स्कूल में छोटे-छोटे बच्चें शिक्षा अध्ययन करते है परन्तु इस तरह से असामाजिक तत्वों के द्वारा गंदे व्यसन का सेवन कर बोतलों को स्कूल के आसपास व ओपन जिम में रखने से बच्चों पर गलत प्रभाव पड़ने के साथ ही वे इस कांच की बोतल से चोटिल भी हो सकते है। असामाजिक तत्वों की इन हरकतों से सुबह-शाम व्यायाम करने वाले खिलाड़ियों, स्थानीयजनों, पुलिस एवं अन्य विभागों की फिजिकल तैयारी करने वालें युवा एवं विद्यार्थियों को भी खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे लोगों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। वहीं स्कूल के बच्चें, खिलाड़ी, स्थानीयजनों एवं जागरूक नागरिकों ने स्थानीय प्रशासन से ओपन जिम के खराब हो रहे उपकरण को सुधारने, नियमित रूप से साफ-सफाई किये जाने, पुलिस प्रशासन से रात्रि गस्त कर असामाजिक तत्वों को पकड़कर सख्त कार्यवाही करने, सीसीटीव्ही कैमरे लगाने एवं आसपास जाली लगाने की मांग की है ताकि लाखों रूपये से तैयार किये गये ओपन जिम सुरक्षित रह सके और लोगों को उसका लाभ मिल सके।

उपकरण होने लगे है खराब - प्रकाश

प्रकाश वैद्य ने बताया कि नगर मुख्यालय के जनपद शिक्षा केन्द्र के समीप ओपन जिम का निर्माण विगत वर्ष पूर्व लाखों रूपयों की लागत से किया गया है। जहां स्कूल के बच्चें, खिलाड़ी एवं नगरवासी सुबह-शाम व्यायाम करने आते है, लेकिन देख-रेख के अभाव में ओपन जिम के उपकरण टूट-फुट चुके है। साथ ही असामाजिक तत्व रात्रि के समय शराब पीकर गंदगी कर रहे है जिससे सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्री वैद्य ने बताया कि ओपन जिम में लगे गट्टू भी निकलने लगे है लेकिन प्रशासन के द्वारा इस ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। इस तरह से जनसुविधा के लिए बनाया गया ओपन जिम अब पूरी तरह से असुविधा में बदल चुका है इसलिए प्रशासन से मांग है कि देख-रेख कर नियमित रूप से साफ-सफाई करवाये ताकि जिस मंशा से ओपन जिम का निर्माण किया गया है उसका लाभ सभी को मिल सके।

रात्रि गस्त कर असामाजिक तत्वों पर कार्यवाही करें पुलिस प्रशासन - सतीष

सतीष खोलपिटने ने बताया कि लोगों एवं खिलाड़ियों को स्वस्थ एवं तंदुरूस्त रखने की मंशा से ओपन जिम का निर्माण किया गया है , लेकिन देख-रेख नही होने के कारण जिम के उपकरण टूट-फूट गये हैं। वहीं रात्रि के समय असामाजिक तत्व शराब पीकर गंदगी कर देते है जो गलत है। जबकि ओपन जिम के समीप में बच्चों की कक्षाएं लगती है और जनपद शिक्षा केन्द्र भी स्थित है उसके बाद भी इस ओपन जिम की दुर्दशा की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। प्रशासन से मांग है कि ओपन जिम के जो उपकरण क्षतिग्रस्त हो चुके है उसका मरम्मत कार्य, नियमित रूप से साफ-सफाई करवाये एवं पुलिस प्रशासन रात्रि गस्त कर असामाजिक तत्वों पर कार्यवाही करें।

खैरलांजी में राज्य स्तरीय संविधान दिवस समारोह संपन्न

हर्षोल्लास के साथ विभिन्न कार्यक्रम हुए आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

खैरलांजी जनपद पंचायत के प्रांगण में वीरांगना रानी अवंती बाई प्रतिमा स्थल पर २६ नवंबर को संविधान फाउंडेशन बालाघाट खैरलाँजी के तत्वाधान में राज्य स्तरीय संविधान दिवस समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वारासिवनी विधायक विवेक पटेल, कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी के मुख्य आतिथ्य ,संस्थापक प्रवीण मेश्राम की अध्यक्षता एवं अमित फूलमारी ,गुनाराम बघेले ,रविकांता बोरकर, ए पी तिवारी ,राजकुमार गेड़ाम, हर्षित रेड्डी के विशेष आतिथिय में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित जनों के द्वारा डॉक्टर बी आर आंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान सुबह संविधान रैली कार्यक्रम स्थल से निकली गई जिसने पूरे नगर का भ्रमण कर कार्यक्रम स्थल पहुंची। इस दौरान रैली में आर्केस्ट्रा बोधिसत्व प्रस्तुति टीम प्रकाश सागर के द्वारा दी गई। वहीं रैली के उपरांत शाम को भोजन दान कार्यक्रम किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर लाभ लिया। तत्पश्चात धम्म प्रबोधन कार्यक्रम प्रारंभ किया गया जिसमें अतिथियों का स्वागत किया गया। जिसमें उपस्थित जनों के द्वारा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय संविधान के निर्माण निर्माण के दौरान होने वाले कार्य और वर्तमान तक विभिन्न अनुच्छेद में हुए संशोधन सहित विभिन्न प्रकार की जानकारियां विस्तार पूर्वक दी गई। इसके बाद दुय्यम कव्वाली का आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्रीय प्रबोधनकार नागपुर महाराष्ट्र से पधारे सुप्रसिद्ध भिमेश भारती एवं टीवी सिंगर मुंबई लातूर से सुप्रसिद्ध धम्मदीक्षा वाहुले के द्वारा प्रस्तुति दी गई। इस दौरान डॉ बी आर आंबेडकर तथागत गौतम बुद्ध एवं संविधान को लेकर बनाई गई कव्वालियों की शानदार और मनमोहक प्रस्तुतियां

बारी बारी से देर रात तक दी जाती रही। इस दौरान बड़ी संख्या में खैरलांजी सहित जिले के ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने उपस्थिति दर्ज करा कर कार्यक्रम का आनंद लिया। इस अवसर पर आयोजन समिति अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे ,दुर्गाप्रसाद लिल्हारे ,भारत शिवहरे, योगेश सुलकिया ,खुमेश डोंगरे ,भीमप्रकाश बोरकर, नितेश गजभिये, कमाल डोंगरे, थानसिंह नगपुरे ,प्रफुल रंगारे, मनोज बेलेकर ,अनिल अग्ने ,संजीव मेश्राम ,अंकित खोब्रागडे ,हरेन्द्र बागडे ,सत्यातील गौडाने ,प्रफुल्ल नगपुरे ,सुभाष क्षीरसागर, गिरीश नगपुरे सहित अन्य बौद्ध उपासक /उपासिकायें गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

हम सभी को सविधान पढ़ने का काम करना चाहिए-रामकुमार

समिति अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे ने बताया कि आप सभी बुद्धिजीवी व्यक्ति है सभी को सविधान पढ़ने का काम करना चाहिए। उसमें अधिकार दिए हुए हैं कुछ नेता लोग भी है जो संविधान दिखाते हैं पढ़ते नहीं है। डॉ बी आर आंबेडकर ने संविधान में महिलाओं को पुरुषों के बराबर आरक्षण दिया है। पिता की संपत्ति नौकरी सभी जगह आरक्षण है और संविधान का ही असर है कि हम आज अच्छा खा रहे हैं पहन रहे हैं। हर किसी को संविधान की जानकारियां होनी चाहिए।

संविधान दिवस सभी समुदाय के साथ मनाते है-प्रवीण

संस्थापक प्रवीण मेश्राम ने कहां की संविधान दिवस २०१४ से मनाया जा रहा है। यह खुशी का विषय है और इस प्रकार कार्यक्रम करने का उद्देश्य लोगों को २६ नवंबर का महत्व बताना है। जागरूक करना है और ऐसे कार्यक्रम करना है जो चिन्हित हो। आज बालाघाट जिले के कोने कोने में संविधान दिवस मनाया जाता है। सभी समुदाय के साथ मनाते हैं और मुझे खुशी हुई कि रामकुमार नगपुरे ने यह कार्यक्रम की जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाई यह हम सभी का कार्यक्रम है।

बाबा साहब ने सभी को जोड़ने वाला संविधान बनाया-विवेक

विधायक विवेक पटेल ने कहा कि १९४९ को संविधान बना अंग्रेजों को लगता था देश बनेगा चलेगा नहीं कई धर्म भाषा रियासत थी। परंतु बाबा साहब ने सभी को जोड़ने वाला संविधान बनाया यह हमारे देश की आत्मा है। जिसने हमारी आधारशिला को मजबूत किया हमारा प्रयास होना चाहिए कि संविधान की रक्षा करें उसमें संवैधानिक अधिकार दिए हुए हैं। आशा करते हैं कि जो संवैधानिक संस्थाएं हैं वह निष्पक्ष बनी रहे तभी देश विकसित भारत की तरफ बढ़ेगा युवाओं को व्हाट्सएप से निकलकर किताबें पढ़नी चाहिए।

हमारा संविधान विश्व में सबसे बड़ा है -गौरव

कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि संविधान में १९७६ को एक संशोधन हुआ। उस समय आपातकाल लगा हुआ था यह संशोधन संविधान की प्रस्तावना में हुआ जिसने १९५० के संविधान जो बाबा साहब का था उसकी प्रस्तावना को बदल कर रख दिया। इसमें नये शब्द १९७६ मे सोशलिस्ट सेक्युलर जोड़ दिये गये। तो हम चाहते हैं कि हर कोई संविधान पड़े ताकि उस पर चर्चा कर सके। परंतु कई बार कार्यक्रमों में देखने में आता है की चर्चा वह होती है जो संविधान में है ही नहीं। हमारा संविधान विश्व में सबसे बड़ा है इसने हर व्यक्ति को विभिन्न प्रकार के अधिकार कर्तव्य दिये हैं।

रमाबाई बुद्ध विहार में संविधान दिवस मनाया गया

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। रमाबाई बुद्ध विहार वार्ड नंबर ४ में २६ नवंबर २०२५ दिन बुधवार को बड़े ही हर्ष एवं उल्लास के साथ ७६ वॉ संविधान दिवस मनाया गया । सर्वप्रथम भारतीय संविधान के रचयिता डॉक्टर भीमराव रामजी आंबेडकर की आदम कद प्रतिमा के सामने मोमबत्ती अगरबत्ती प्रज्वलित कर एवं पुष्प हार पहना कर प्रतिमा का स्वागत सत्कार कर गगन भेदी जय भीम के नारे बाबा साहब आंबेडकर अमर रहे अमर रहे। जब तक सूरज चांद रहेगा बाबा तेरा नाम रहेगा, भारतीय संविधान के निर्माता बाबा साहब आंबेडकर संविधान दिवस अमर हो अमर हो आदि नारे लगाए गए एवं ध्वजारोहण किया गया। पश्चात बुद्ध विहार में तथागत सम्यक समबुद्ध की प्रतिमाओं के सामने भी मोमबत्ती अगरबत्ती प्रज्वलित कर पुष्प मालाओं से स्वागत सत्कार किया गया। पश्चात डॉक्टर आर के डोंगरे ने सामूहिक पूजा वंदना करवाई । तथा भारतीय संविधान की प्रस्तावना या उद्देशिका का वाचन कर सभी ने दोहराया। पश्चात जिला बौद्ध संघ के संरक्षक जे एस चौरे ,जी आर डोंगरे ,रुक्मणी रंगारे,वंदना दुफारे,हीरा मेश्राम, आर के डोंगरे ,रमाबाई बुद्ध विहार समिति के अध्यक्ष आनंद बंसोड़ आदि ने अपने विचार गीत एवं उद्बोधन के माध्यम से रखें ।और कहा कि संविधान लागू होने के पहले खासकर महिलाओं ,दलितों ,अछूतों को बहुत ही नीचा समझकर दबाया कुचला एवं दुर्व्यवहार किया जाता था ।और उन पर अन्याय,अत्याचार किया जाता था। उसे हमारे बाबा ने भारतीय संविधान में सब को समान अधिकार देकर समता ,स्वतंत्रता ,बंधुत्व ,न्याय का ध्यान रखते हुए संविधान की रचना की। जिसे २ वर्ष ११ माह १८ दिन में पूरा किया गया । भारतीय संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉक्टर बी आर आंबेडकर थे ।२६ नवंबर १९४९ को भारतीय संविधान तैयार कर देश को सौंप दिया गया था। परंतु उसे २६ जनवरी १९५० से लागू किया गया। तब से हर वर्ष २६ नवंबर को संविधान दिवस बड़े ही हर्ष एवं उल्लास के साथ सभी स्थानों पर मनाया जा रहा है। इस अवसर पर बिहार समिति के अध्यक्ष आनंद बंसोड़ के द्वारा तथागत भगवान बुद्ध एवं डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की फ ोटो भेंट की गई ।इसे सफल बनाने में पी डी रंगारे ,अर्चना आर के खोब्रागड़े, प्रीति वासनिक, संगीता शिंदे ,जे सी मेश्राम ,मंजूषा चौहान, ममता बंसोड़ ,कंचन बंसोड़ ,लीला भावातेकर आदि का विशेष सराहनीय योगदान रहा।

झरिया समाज संगठन की सामाजिक बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर ४ रेलवे स्टेशन रोड़ स्थित झरिया मोहल्ले में झरिया समाज संगठन के तत्वाधान में संगठन के ८ वें स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम समाज के वरिष्ठ एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें ८ वां स्थापना दिवस बडे धूम धाम हर्षोल्लास के साथ मनाकर झरिया समाज महिला मंडल का गठन किया गया। इस दौरान समाज उत्थान और समाज में व्याप्त कुरीतियों पर सामूहिक चर्चा की गई। वहीं अधिक से अधिक लोगों को अपने बालक बालिकाओं को शिक्षित करने के लिए प्रेरित किया गया। ताकि वह उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने अधिकारों को जान सके वर्तमान में शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है, इसी से समाज की प्रगति का पता चलता है। हर व्यक्ति को शिक्षित बनना आवश्यक हो गया है व्यक्ति शिक्षित होकर अच्छी नौकरी प्राप्त करता है और यदि नौकरी

प्राप्त नहीं हुई तो वह जिम्मेदार नागरिक तो बन ही जाता है इसलिए शिक्षा बहुत जरूरी है। वहीं वर्तमान युग टेक्निकल का है जिसके लिए हर माता पिता अपने बच्चों को तकनीकी शिक्षा प्राप्त करवायें। समाज में कई प्रकार की गतिविधियां संचालित होती है उसमें बढ़ चढ़कर भाग ले और जब तक हम अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं होंगे तब तक समाज का विकास नहीं हो सकता है। हमें अपना उत्थान करने के साथ अपने समाज के लोगों का भी उत्थान करना अति जरुरी है। वहीं विभिन्न प्रकार के विषय पर भी विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष ओमकार दास चौबे, श्रीमती सुषमा झारिया, कौशल्या झारिया, उमा गोलेन्द्र, ममता झारिया, यामिनी चौबे ,ओमेश्वरी गोलेन्द्र, बैशाली झारिया, रीनू ,सावित्री ,अनिता झारिया, दुर्गा झारिया, आरती चौबे, रंजन खण्डेलकर ,देविका झारिया सहित बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु मौजूद रहे।

शासकीय एस एस पी महाविद्यालय में संविधान दिवस मनाया गया

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय एस एस पी महाविद्यालय में २६ नवबंर २०२५ को भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, राजनीति विज्ञान विभाग एवं विधि विभाग के संयुक्त तत्वाधान में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मॉ सरस्वती एवं संविधान शिल्पकार डॉ. भीमराव आंबेडकर के छाया चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर किया गया। दीप प्रज्वलन कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. एस एस गेड़ाम, ,वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. सरिता कोल्हेकर, डॉ. तृप्ती सोनवे, डॉ. रक्षा निकोसे, कृष्णा पराते, वी के सिंह, नरेन्द्र कुमार डोंगरे, डॉ. त्रिरत्नश गजभिये की उपस्थिति मे संम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम प्रभारी के द्वारा संविधान की उद्देशिका का वाचन डॉ. सरिता कोल्हेकर के द्वारा किया गया। तत्पश्चात भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के त्रेमासिक कॅलेण्डर के निर्देशानुसार भारतीय संविधान पर केन्द्रित प्रश्नमंत्र प्रतियोगिता एवं भारतीय संविधान के अन्तर्गत मौलिक अधिकार विषय पर स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का अयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कृष्णा पराते, नरेन्द्र कुमार डोंगरे, त्रिरत्नेष गजभिये, वी के सिंह ने भारतीय संविधान के स्वरूप और उसकी वर्तमान प्रासंगिकता तथा संविधान के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों पर चर्चा की। डॉ. कोल्हेकर ने भारतीय संविधान के लाभदायक पहलुओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के संयोजक श्रीमती सरिता नागवंशी एवं सहसंयोजक डॉ. विनोद गजभिये ने कार्यक्रम का सुचारू संचालन किया। इस दौरान मोनीश इड़पाचे, दोमदत्त सिंह, श्रीमती सविता सेनवार, मनोज गजभिये, श्रीमती हर्षिता मेश्राम, श्रीमती टीना रहांगडाले, श्रीमती मोनीका सोनी, संतोष गोखले, तपेश चौरे, सुनिल कुमार चौरे उपस्थित रहे।

संभाग स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में महाविद्यालय के ९ छात्रों का हुआ चयन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संभाग स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन पी एम श्री एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिवनी मे २८ नवबंर २०२५ से किया जा रहा है। जिसे हेतु शासकीय एस एस पी महाविद्यालय वारासिवनी के ९ छात्रों का चयन हुआ है । जिसमें मधुर डोंगरे ,राहुल वैध ,वंश कुमार ,शुभम नगपुरे ,आयुष बिसेन,रोहित धुर्वे ,अंकित कुमार, विजय धार्मिक,संस्कार लिल्हारे का चयन हुआ है। ज्ञात हो की

सभी का चयन जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता बालाघाट में उच्च प्रदर्शन के आधार पर किया गया है । महाविद्यालय के लिए हर्ष का विषय हैं की जिले की टीम में महाविद्यालय के ९ सदस्य का चयन हुआ हैं। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में उच्च प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं का चयन राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता एवं पश्चिम क्षेत्र विश्वविद्यालय प्रतियोगिता हेतु किया जाएगा। सभी के चयन महाविद्यालय

महाविद्यालय प्राचार्य डॉ एस एस गेडाम,क्रीडा अधिकारी विकास साहू सहित अन्य उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

राज्य शिक्षा केन्द्र में माध्यमिक शिक्षक राजेश भीमटे के प्रयास को मिला स्थान

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी। सी एम राइज़ शिक्षक व्यावसायिक उन्नयन कार्यक्रम अंतर्गत शिक्षकों हेतु विभिन्न प्रशिक्षण एवं डिजिटल कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। शिक्षकों के द्वारा इनमें अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए अपनी सीख को सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी क्रम में विभिन्न जिलों के शिक्षकों के प्रशिक्षण से संबंधित अनुभव एवं कक्षा कक्ष में क्रियान्वित की गई गतिविधियों को हमारे शिक्षक हमारे प्रेरणास्त्रोतष् पुस्तिका के १० वें संस्करण में संकलित किया गया है। साथ ही उन जिलों के प्रयासों का भी संकलन इस पुस्तिका में है जिन्होंने शिक्षकों के प्रयासों को जिला स्तर पर मंच प्रदान किया है। इस क्रम में माध्यमिक विद्यालय खुर्सीपार के माध्यमिक शिक्षक और मास्टर ट्रेनर राजेश भीमटे के प्रयास को भी स्थान मिला है। नवाचार के प्रति उनकी लगन शीलता और कक्षाओं में उनके क्रि यान्वयन को राज्य शिक्षा केन्द्र की टीम के द्वारा सराहना की गई थी जिसके बाद उक्त पुस्तिका में उन्हें स्थान मिला। उन्हें कक्षा कक्ष में विभिन्न प्रविधियों को लागू करने की सीख के लिए उनके प्रयास की सराहना की गई। जिससे कि ब्लॉक की सभी शालाओं में इसे क्रियान्वित किया जा सके। शिक्षक प्रशिक्षण कक्ष राज्य शिक्षा केन्द्र ने आशा करते हुए अपेक्षा की है कि उक्त अनुभव सभी को प्रेरित करेगा और हमारे शैक्षणिक प्रयासों को सुदृढ़ करने में सहयोग करेंगे। इस संस्करण को प्रदेश के सभी शिक्षकों के साथ साझा करने की सलाह दी गई। जिससे कि इस प्रयोग को सफलता मिलती रहे और नये नवाचार के लिए शिक्षक निरंतर प्रयासरत भी रहे।

५७ लीटर कच्ची शराब के साथ संत उईके गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। आबकारी विभाग व्रत कटंगी अंतर्गत ग्राम बनेरा से आबकारी विभाग के द्वारा ५७ लीटर कच्ची शराब संतलाल उइके के कब्जे से बरामद कर मामले में अपराध दर्ज कर न्यायालय के माध्यम से जेल भेज दिया गया। इस संबंध में व्रत प्रभारी संदीप श्रीवास ने बताया कि हमारे द्वारा कस्बा भ्रमण किया जा रहा था। तब मुखबिर से सूचना मिली कि संतलाल पिता सयद लाल उइके उम्र ३८ वर्ष के द्वारा कच्ची हाथ भट्टी महुआ शराब का अवैध निर्माण विक्रय संग्रहण एवं परिवहन किया जा रहा है। जिस पर कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन जिला आबकारी अधिकारी अजीत एक्का के मार्गदर्शन में अवैध मदिरा संग्रहण की सूचना पर

आबकारी वृत के द्वारा ग्राम बनेरा निवासी संत उइके के रिहायशी घर में दबिश दी गई। जहां ५७ लीटर हाथभट्टी मदिरा बरामद कर म. प्र. आबकारी अधिनियम १९१५ संशोधित २००० की धारा ३४ (१) क एवं ३४ (२) /४२ के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जहां से न्यायालय ने उन्हें जेल भेज दिया। इस कार्यवाही में वृत प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक संदीप श्रीवास, मुख्य आरक्षक द्वारसिंह उइके, आरक्षक टीकाराम शरणागत का सराहनीय योगदान रहा।

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

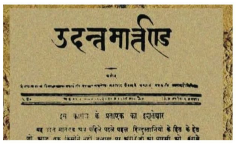

पिछले एक वर्ष में भारत और चीन के बीच संबंधों के लिहाज से काफी कुछ सकारात्मक हुआ है और द्विपक्षीय रिश्ते पटरी पर लौटते भी दिख रहे हैं, लेकिन शंघाई एयरपोर्ट पर हुई घटना चीन के साथ रिश्तों में सतर्क रहने की जरूरत को रेखांकित करती है।

मैत्रीपूर्ण पहलों के बीच संदेह

ऐसे वक्त में, जब चीन और भारत के रिश्ते वर्षों बाद पटरी पर लौटते दिख रहे हैं, तब शंघाई एयरपोर्ट पर चीन के अधिकारियों का एक भारतीय महिला को अनुचित ढंग से रोकना और फिर चीनी प्रवक्ता द्वारा अरुणाचल प्रदेश को चीन का अंग बताना कूटनीतिक शिष्टाचार और अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा के नियमों का उल्लंघन तो है ही, इससे चीन के साथ रिश्तों में सतर्क रहने की जरूरत भी रेखांकित होती है। पेमा वांगजोम थोंगडोक नाम की महिला, जो पिछले कई वर्षों से ब्रिटेन में रह रही है, जापान जाने के लिए शंघाई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से गुजर रही थी। उसके पास वैध भारतीय पासपोर्ट भी था, इसके बावजूद चीनी अधिकारियों ने उसके साथ बदसलूकी की, जिसकी वजह यह थी कि उसका जन्म ऐसे राज्य में हुआ, जो 1914 के शिमला समझौते से लेकर आज तक भारत का अभिन्न हिस्सा है, जबकि चीन इस पर अनुचित रूप से अपना दावा जताता है। उल्लेखनीय है कि दोनों

देशों के बीच करीब साढ़े तीन हजार किलोमीटर लंबी सीमा है, जिस पर मौजूद कुछ क्षेत्रों को लेकर विवाद तनाव की वजह बनता रहा है। अंतरराष्ट्रीय मानचित्र अरुणाचल प्रदेश को भारत का हिस्सा मानते हैं, लेकिन चीन इसे दक्षिणी तिब्बत बताता आया है। चीन का व्यवहार नया नहीं है। वह छोटे-छोटे कदमों से पड़ोसियों की संप्रभुता को चुनौती देता रहता है। चाहे भूटान के क्षेत्र में गांव बसाना हो या नेपाल के साथ मिलकर भारतीय क्षेत्र को उसके नक्शे में दिखाना या फिर पीओके क्षेत्र में चीन की महत्वाकांक्षी सीपीईसी परियोजना, वह भारत के लिए असहज करने वाली स्थितियां पैदा करता रहा है। इसके अतिरिक्त, वह वर्षों से अरुणाचल के नागरिकों को स्टेपल्ड वीजा देता रहा है, जो दोनों देशों के लिए एक संवेदनशील मुद्दा बन चुका है। गौरतलब है कि दोनों देशों के बीच कुछ महीने पहले हुई विशेष प्रतिनिधि वार्ता में कई बिंदुओं पर सहमति बनी थी, तो कोर कमांडर स्तरीय वार्ता में भी सद्भावपूर्ण बातचीत हुई थी। पर अब ऐसी हरकतें विश्वास बहाली के उपायों को चोट पहुंचा

सकती हैं। ऐसे में, विदेश मंत्रालय का यह कहना उचित ही है कि चीन इस निर्विवाद सच्चाई से मुंह नहीं मोड़ सकता कि अरुणाचल भारत का अभिन्न अंग है। पिछले एक वर्ष में भारत व चीन के बीच संबंधों के लिहाज से काफी कुछ सकारात्मक हुआ है, जिनमें सीधी हवाई सेवा शुरू होना और सीमा पर तनाव कम करने के लिए गश्त व्यवस्था पर सहमति महत्वपूर्ण हैं। करीब तीन महीने पहले दिल्ली आए चीनी विदेश मंत्री ने भी कहा था कि दोनों पड़ोसियों को एक-दूसरे के लिए खतरे के बजाय साझीदार के रूप में देखना चाहिए। लेकिन, इन मैत्रीपूर्ण पहलों के बीच शंघाई एयरपोर्ट जैसी घटनाएं चीन की मंशा पर संदेह ही पैदा करती हैं।

(पृष्ठ 1 से आगे)

आज बालाघाट जिले में बापू के आगमन के बयानबे साल पूर्ण

विशेष -

गांधीजी के पदचाप के साक्षी बालाघाट के गाँव, डगर, सड़कें!!

महाकोशल का ऐतिहासिक हरिजन दौरा और बालाघाट जिले का सौभाग्य

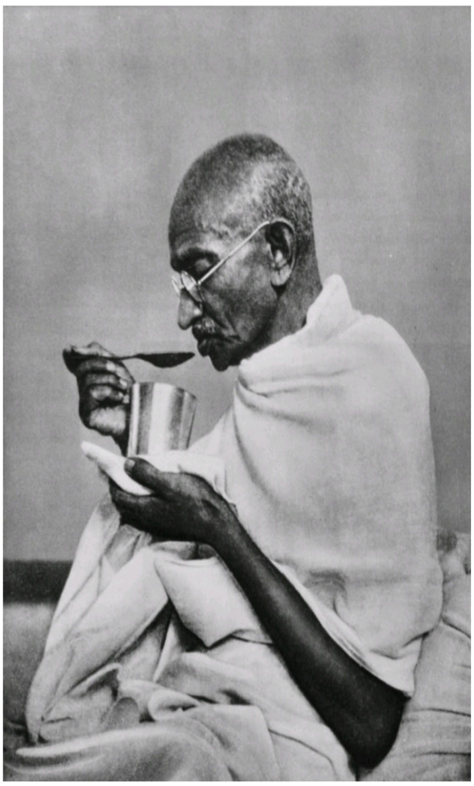

महात्मा गांधी ने अस्पृश्यता की समस्या को दूर करने के उद्देश्य से 7 नवम्बर 1933 को वर्धा से, जहां साबरमती आश्रम छोड़ने के बाद उन्होंने सेवाग्राम की स्थापना की थी, उनका ऐतिहासिक हरिजन दौरा आरम्भ हुआ। यह दौरा महाकोशल के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इसके अंतर्गत वे क्षेत्र के सुदूर छोटे-छोटे गांवों में गये और जनता तक हरिजनोद्धार का संदेश प्रसारित किया। 9 जुलाई 1934 तक नौ माह तक वह देश का दौरा करते रहे। इस दौरान उन्होंने 20000 कि.मी. की यात्रा तय की। इस दौरे की दो विशेष बातें रहीं, एक तो यह कि इस दौरे में गांधी जी हरिजनों के लिये जो कोष एकत्रित कर रहे थे, उसमें सारे देश के समान राज्य की जनता ने भी मुक्त हस्त से दान दिया। महिलाओं ने अपने आभूषण उतार कर उनके हाथ में रख दिये, निर्धनों के पास जो कुछ था वही उन्होंने गांधी जी को दे दिया और इन चीजों को नीलाम कराकर धन एकत्रित किया।

दूसरी बात यह थी कि छुआछूत के विरुद्ध गांधी जी ने जो आंदोलन छेड़ा था, उनका कुछ सनातनों लोग विरोध कर रहे थे और उन्होंने कुछ लोगों को गांधी जी के पीछे लगा रखा था। गांधी जी ने उन्हें हर तरह से समझाने की कोशिश की किन्तु शीघ्र ही स्पष्ट हो गया कि जनमत उसके साथ नहीं है। आखिर कुछ स्थानों के बाद से लोग स्वयं ही निराश होकर लौट गये।

महाकोशल में हरिजन सेवक संघ की स्थापना

मध्य प्रांत में गांधी जी के इस दौरे को व्यवस्था का सूत्र मुख्यत: रविशंकर शुक्ल और व्यौहार राजेन्द्र सिंह के हाथ में था। महाकोशल क्षेत्र में हरिजन सेवक संघ की स्थापना जबलपुर में की गई। अखिल भारतीय हरिजन सेवा संघ के मंत्री अमृतलाल ठक्कर ने व्यौहार राजेन्द्र सिंह को प्रांत में संगठन करने का कार्य सौंपा। नरसिंह दास अग्रवाल ने मंत्री का कार्य स्वीकार किया। कार्य प्रारम्भ किये हुये लगभग एक वर्ष हो गया थी। इसी बोच किये गये कार्यों का सिंहावलोकन करने के लिए गांधी जी ने 24 सितम्बर 1933 की तिथि निश्चित की। इसके अनुसार हरिजनों ने आत्म शुद्धि करना तथा सवर्ण हिन्दूओं ने हरिजन सेवा के द्वारा अपने पूर्व पापों का प्रायश्क्षित करने का वचन दिया था।

इनके लिये निम्नलिखित कार्यक्रम थे -

1. अब तक के कार्य की रिपोर्ट उक्त तिथिके पूर्व हो भेजने की व्यवस्था करें। जिसमें निम्नलिखित बातों का उल्लेख रहे

अ. सेवा संघ सदस्यों की संख्या.

ब. वसूल किये हुये चंदे तथा उसका हिसाब

स. कितने मंदिर या कुंए हरिजनों के लिये खोले गये

द कितने विद्यार्थियों की शिक्षा का प्रबंध किया गया, कितनो रात्रि शालायें खोली गई ?

कितनी विशेष सभायें, भजत कीर्तिन, उत्सव आदि किये गये ?

2. सफाई, दवा दारु, स्वास्थ्य सुधार तथा मदिरा निषेध आदि के लिये क्या किया गया ?

ल. स्थानीय संस्थाओं से क्या सहयोग मिला ?

व. कार्य को कठिनाइयां क्या हैं?

ब. आगे का कार्यक्रम क्या है?

2. इसके अतिरिक्त गांधी जी की यह आशा थी कि सब स्थानों पर सभाएं आदि करके लोगों को इस कार्य करने के लिए प्रेरित किया जाये।। साथ ही दान संग्रह करने का विशेष प्रबंध किया जाये। हरिजनों को देवदर्शन कराने का विशेष आयोजन किया जाये।

बालाघाट में अभूतपूर्व उत्साह था

महाकोशल क्षेत्र में पहली बार महात्मा गांधी 28 नवम्बर 1933 को बालाघाट पहुंचे। अन्म स्थानों के समान ही उनके स्वागत के लिए बालाघाट शहर तथा उनके आसपास गांवों में काफी भीड़ एकत्रित हुई। गांधी जी संबसे पहले हरिजन मोहल्ले में गये। तत्पश्चात उन्होंने महिलाओं के समूह को संबोधित किया। दोपहर को लगभग एक बजे इस सभा में धन संग्रह हुआ। जहां महिलाओं ने श्रद्धापूर्वक यथाशक्ति गांधी जी की झोली को भरा। जिले में उनकी यात्रा की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह रही कि गांधी जी समयाभाव के कारण बालाघाट से सीधे सिवनी जाना चाहते थे। तब लांजी के लक्ष्मण पटेल ने उन्हें लांजी आने का अनुरोध किया क्रिन्तु गांधी जी ने जाने के लिए मनाही कर दी। इस पर लक्ष्मण पटेल ने भूख हड़ताल कर दी और गांधी जी को लांजी एवं किरनापुर जाना पड़ा और उनका भव्य स्वागत किया गया और लक्ष्मण पटेल ने अपनी भूख हड़ताल समास कर दी।

महात्मा गांधी के बालाघाट आगमन की पृष्ठभूमि

पहली बार गांधीजी 28 मार्च 1918 को मध्य प्रांत के इंदौर आए थे और यह मध्य प्रांत की उनकी पहली यात्रा थी। इंदौर आने से पूर्व चंपारण, खेड़ा और अहमदाबाद में गांधीजी के आंदोलनों को बेहद लोकप्रियता मिली थी। मध्य प्रांत यात्रा के बाद ही भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में गांधी युग का सूत्रपात हुआ जो 1919 के बाद का काल माना जाता है। गांधी जब इंदौर आए तब दक्षिण अफ्रीका में उनका कार्य पूर्ण हो चुका था। वे 21 वर्षों तक अफ्रीका में रहकर लौटे थे। मध्य प्रांत यात्रा के साथ और उसके बाद ही उनके मन में यह बात जम चुकी थी कि अब भारत में रहकर ही भारत की आजादी के लिए संघर्ष करना है। दूसरा मध्य प्रांत यात्रा तक वे पूरे देश में महात्मा के रूप में स्वीकार किए जा चुके थे। उनकी असाधारण और विलक्षण अहिंसक शक्ति के बारे में पूरा देश आश्वस्त हो चुका था। तीसरी बात यह कि बापू के मध्य प्रांत आने से पूर्व ही प्रथम विश्वयुद्ध समास हो चुका था और इसलिए लोग हिंसा मुक्त समाज चाहते थे। ये तीन संदर्भ मध्य प्रांत यात्रा से जुड़े हैं। महात्मा गांधी इंदौर में हिंदी साहित्य सम्मेलन के सभापति के रूप में पधारे थे। इंदौर में उनकी तीन दिवसीय यात्रा थी। महात्मा गांधी ने हिंदी साहित्य सम्मेलन में जिन मुद्दों को उठाया था वे हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने व दक्षिण में, विशेष रूप से तमिलभाषियों में हिंदी के प्रचार-प्रसार से संबंधित थे। जब गांधीजी 28 मार्च को इंदौर पहुंचे थे तो जनता पलक-पावड़े बिछाकर उनकी प्रतीक्षा कर रही थी। हजारों की संख्या में स्वयंसेवक व दर्शनार्थी गांधीजी की प्रतीक्षा में थे।

गांधीजी हमेशा रेल के तीसरे दर्जे के डिब्बे में यात्रा करते थे। उनका यह मानना था कि यदि भारत को पहचानना हो तो तृतीय श्रेणी में ही यात्रा करना चाहिए। जब गांधीजी स्टेशन पर उतरे तो लोग उनकी सादगी को देखकर हतप्रभ रह गए। हमेशा मध्य प्रांत आगमन की एक और खूबी यह थी कि लोगों ने गांधीजी के मना करने के बावजूद उनकी बग्री के घोड़ों को अलग कर दिया और खुद उनकी बग्री खींची।

महात्मा गांधी का बालाघाट जिले का दौरा

28 नवम्बर 1933 बालाघाट जिले के लिये एक ऐतिहासिक दिन है। महात्मा गांधीजी भारत के दौरे पर निकले थे और विदर्भ के भण्डारा जिला पार कर गोंदिया होते हुये बालाघाट आने वाले थे। लांजी के कुम्हारीकला गाँव के कट्टर कांग्रेसी लक्ष्मण पटेल कालबेले की हार्दिक इच्छा थी कि गांधीजी लांजी होते हुये बालाघाट जायें। वे आमरण अनशन पर बैठ गये और उन्होंने व्रत ले लिया कि उनका उपवास महात्मा गांधीजी के हाथो ही टूटेगा। इस खबर से गांधी जी विचलित हो गये और अपना निर्धारित मार्ग बदलकर रेल मार्ग से गोंदिया-आमगांव आये और से कार द्वारा लांजी होते हुये बालाघाट पहुंचे। लांजी में उन्होंने लक्ष्मण पटेल का उपवास तुड़वाया ।

गांधी वर्धा से गोंदिया होते हुए कोलकाता जा रहे थे।किन्तु वे बिलासपुर और रायपुर जाकर वहाँ से मध्य भारत की ओर बढ़ गयी.उनकी यात्रा हरिजन उद्धार आंदोलन के उद्देश्य थी। काफी व्यस्त कार्यक्रम था। गांधी जी को क्षण भर की भी फुर्सत नहीं थी। लांजी क्षेत्र की जनता महात्मा गांधी की एक झलक पाने को लालायित थी । ग्राम कुम्हारी कला में एक कृषक परिवार में श्री नंदराम कालबेले के घर जन्मे श्री लक्ष्मण कालबेले ने महात्मा गांधी जी से लांजी पधारने का अनुरोध किया था। गांधी जी ने समय की गंभीरता का हवाला देकर उन्हें सप्रेम विदा किया किंतु श्री लक्ष्मण पटेल कालबेले पक्के हठधर्मिता मे थे। वे लांजी आकर अनशन पर बैठ गए। 21 दिनों तक निर्जला उपवास रखा जब यह सूचना गांधी जी को मिली उन्होंने अपना पूर्व निर्धारित कार्यक्रम बदला। सुबह लांजी आए एवं अपने हाथों से उन्हें दूध पिला कर उन्होंने श्री लक्ष्मण पढ़ेल कालबेले की प्रबल इच्छा को साकार किया। श्री लक्ष्मण पटेल जी कॉलबेले बचपन से ही महात्मा गांधी के अनुयायी थे। वे परम देश भक्त थे। उन्होंने हरिजनों को सदैव गले लगाया। वे उनके साथ उठते बैठते खाते पीते थे। उनके लिए ग्राम में पानी की व्यवस्था सवर्णों के कुओं से की थी। वह सवर्णों के कुएं से अपने हाथ से पानी हरिजनों को भरवाते थे। अंग्रेजों के खिलाफ आवाज बुलंद करने तथा ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ जनजागरण करने के कारण वे अनेक बार जेल गए। उन्होंने अपना तन मन धन सब कुछ देश को समर्पित कर दिया था। आजादी के पश्चात किरनापुर क्षेत्र के ग्राम आली टोला का जंगल उन्होंने सरकार को दान स्वरूप दिया। निष्काम भाव के सहृदय देश भक्त थे। महात्मा गांधी जी ने अनेक कष्ट सहन करते हुए लांजी सरीखे छोटे से वन ग्राम में आमगांव स्टेशन से यशोधरा बजाज परिवार के कार से लांजी आकर यहां की जनता को कृतार्थ किया था। गांधीजी के लांजी आने पर जो कार्य जनहित में खासकर हरिजनों के लिए हुए उनमें से एक लांजी ग्राम में 3 कुआं और कुम्हारीकला में एक खाजगी कुआं हरिजनों के लिए खोले गए। दूसरा लांजी ग्राम में तीन मंदिर और कोटेश्वर धाम का एक प्रसिद्ध मंदिर हरिजनों के लिए खोले गए थे तब से आज तक वहां पर हजारों भक्तों का तांता लगा रहता है.. जहां पर लांजी में गांधी जी की सभा हुई थी उसी स्थान पर मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग, स्वराज संस्थान संचालनालय भोपाल एवं जिला प्रशासन की तरफ से एक बोर्ड लगाया गया है जो वह भी बहुत जगह से क्षतिग्रस्त हो चुका है.. उनकी स्मृति भौ गायब होती दिख रही है।

आगमन की प्रतीक्षा में जन समुदाय

लांजी से बालाघाट मार्ग पर 61 किलोमीटर के रास्ते में मोहझरी गाँव, भानेगांव गाँव, हिर्री गाँव, किरनापुर गाँव, रजेगांव गाँव, खारा गाँव, मोहगांव गाँव., सालेटेका गाँव, खुरसोडी गाँव तथा सरेखा गाँव में हजारों की भीड़ ने उनका स्वागत किया। रास्ते भर स्वागत द्वार बनाये गये थे। बालाघाट के प्रवेश द्वार पर हजारों महिला-पुरुषों ने जयजयनाद कर गांधीजी की अगवानी की। शहर भर में उनके मार्ग पर तोरण पताकाएँ, देशी बर्तनों के द्वार, तिरंगे झण्डों की तोरणें बनाई गयी थी ।

बापू नारायणराव केलकर के निवास स्थान में ठहरे थे

बालाघाट के इतवारी बाजार में धान के भरे बोरों का ऊँचा मंच सभामन्च के लिये बनाया गया जहां से गांधीजी ने आम जनता को सम्बोधित किया। वे हनुमाने चौक के पास श्री नारायणराव केलकर के निवास स्थान में ठहरे थे और महिलाओं को सम्बोधित कर देश के लिये दान करने की अपील भी की थी। सैकड़ों महिलाओं ने अपने जेवर उतारकर दिये। महिलाओं ने संगठित हो शहर में घूमकर राष्ट्रीय गीत गाया। गांधीजी ने जनता को %स्वतंत्रता संग्राम के लिये आव्हान की अपील की। बालाघाट के (मेहतर मोहल्ला) हरिजन कालोनी में जाकर उनसे भेंट की और सवर्ण हिन्दुओं को हरिजनों को अछूत न मानने की अपील की। सारा मोहल्ला एक मेले की तरह हरिजनों ने सजाया और महिलाये बच्चे और प्रौढ़ सब गांधीजी को घेरे थे. मानों कोई अवतार उनके सामने हो। नारायणराव केलकर, चिन्तामण राव केलकर, रामचंद इन्द्रापवार, काशीराम मोहरीकर, तुलसीराम, बद्रीनारायण, रायदुर्गाप्रसाद आदि तात्कालीन कांग्रेसी नेता उनके आगमन के समय थे। उनके प्रबन्धन में बतौर युवा स्वयं सेवक के रूप मे फणीन्द्रनाथ गोस्वामी, मोतीलाल जैन, सुप्रसन्न केलकर, बसंतराव केलकर, राधाकिशन अग्रवाल थे जो खादी की पेन्ट् कमीज पहने अपने सैकड़ों युवा साथियों के साथ व्यवस्था में संलग्म थे। मिस्टर एस.सी. कोमरी (आईसीएस) उस समय बालाघाट जिले के डिप्टीकमिश्नर थे।

वारासिवनी लालबर्रा होकर सिवनी गए

इस यात्रा के दौरान महात्मा गांधीजी के दर्शन के लिये कनकी से ही सैकड़ों महिलायें और पुरुष आये थे। शहर में 50 हजार से अधिक लोग इकट्ठे हुये थे। गांधी जी वारासिवनी, लालबर्रा होते हुये सिवनी गये। रास्ते भर उनकी मोटर कार हजारों की भीड़ में से गुजरती गयी और सारे रास्ते तिरगे झण्डे, तोरण पताकाओं से सजे थे। तब महात्मा गांधी की जय -जयनाद से सारा जिला गूंज उठा था। उसी दिन लगभग 8 बजे रात्रि गांधी जो सिवनी पहुंचे। उनके स्वागत के लिये सिवनी में दीपोत्सव मनाया गया। कई मीलदूर से आकर हजारों नागरिकों ने गांधी जी की आगवानी की। अपार जनसमूह ने उनका स्वागत व दर्शन किया। तत्पश्चात रात्रि विश्राम हेतु दुर्गाशंकर मेहता के निवास स्थान पर गये। दूसरे दिन प्रात: काल सिवनी की ऐतिहासिक सार्वजनिक सभा में इस प्रकार विचार प्रगट किया। आज हिन्दू और हिन्दू धर्म दोनों ही कसौटी पर है। यदि वे सच्चे न उतरे तो दोंनों ही नष्ट हो जायेंगे। यह मैं बहुत ही नम्रतापूर्वक कहता हूं कि संसार में किसी जगह धर्म के नाम पर और जन्म से ही अस्पृश्यता नहीं मानी जाती बुद्धि या हृदय कोई भी इसका समर्थन नहीं कर सकते। शास्त्रों में इसका समर्थन नहीं मिलता। विद्वान पंडितों ने इस बात की ताईद की है। मैं जबरदस्ती हरिजनो को मंदिर में प्रवेश नहीं कराना चाहता। मैं तो चाहता हूं कि वे स्वच्छता को अपनायें तथा मांस, मदिरा का त्यागकर के स्वयं ही मंदिर प्रवेशके लिए जनता का समर्थन प्राप्त करें। धर्म में कोई बरजोरी का कोई काम नहीं। मैं तो करोड़ों के हृदय में परिवर्तन करना चाहता हूं। हरिजन सेवक संघ का विशेष कार्य है। पर वह उतना ही सफल होगा जितना कार्यकर्ताओं में पवित्रता होगी। धर्म जागृति केवल तपस्मा और पवित्रता से ही उत्पन्न हो सकती है। यदि हम अपने हृदय को पवित्र न करेंगे तो जनता के हृदय को कैसे बदल सकते हैं। गांधी जी को प्रेरणा से सिवनी में हरिजनों की मंदिर प्रवेश करवाया गया। इस कार्य में जी. डी. जटार, सुन्दरलाल मिश्रा, द्वारिका सिंह, कुंजबिहारी लाल खरे आदि सक्रिय थे।

(शोध ग्रन्थ, इतिहास ग्रंथो की प्रमाणिकता के आधार पर)

इंदौर बाजार भाव

इंदौर ।एजेंसी। मॉग के चलते गुरूवार को अनाज मंडी में चना सुधार पर रहा। मसूर में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में भाव बने रहे। तिलहनों में व्यापार अच्छा रहा। किराना बाजार में नारियलों में बाजार बने रहे। हरि इलायची में सुर्खी रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में लेवाली के चलते भावों में सुधार आया। मसूर में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में बाजार बने रहे। तिलहनों में सोयाबीन में पूछपरख से भावों में सुधार का रूख रहा। उधर, किराना जिंसों में नारियलों में आवक सीमित रही। हरि इलायची में पूछपरख से बाजार सुर्खी पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4150-4180, खोपरा गोला 320-390, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-240, जायफल 715-785, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1650-1975, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2750-2900, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 520-575, काजू (240) 885-925, काजू (320) 850-861, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-3000, (160) 2900-3000, (200) 3200-3400, (250) 3500-3700

तेल- सींगदाना 1430-1450, मुम्बई 1460, राजकोट तेलिया 2430, सोया साल्वेंट 1170-1175, सोया रिफाइंड 1235-1240, कपास्या 1230, धूलिया 1235, कड़ी 1240,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1475-1500, मुम्बई पाम 1245, मुम्बई सोया 1270,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2260, देवास-उज्जैन 2260, खंडवा-बुरहानपुर 2150, अकोला 3500 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4400-4500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5800-5850, एवरेज 5000-5200, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6400-6500, हल्की 6200-6300, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर ।एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। चॉंदी में बाजार सुधार के रहे। सोने में गिरावट रही। भाव इस प्रकार रहे -

चॉंदी (9999) 163300, चॉंदी (99) 163000, टंच 162200, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 126800,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 16 पैसे की गिरावट के साथ ही 89.40 पर बंद हुआ। गत दिवस भारतीय रुपया दो पेसे की गिरावट के साथ ही 89.24 पर बंद हुआ। गत दिवसस अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाज़ार में रुपया 89.24 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती मिनटों में 89.26 तक कमजोर हुआ। हालांकि विदेशी पूंजी के निरंतर प्रवाह और शेयर बाज़ार में मजबूती के कारण रुपये को सहारा मिला और यह संभलकर 89.20 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह पिछले दिन की तुलना में दो पैसे की बढ़त है, जब मंगलवार को रुपया 89.22 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर इंडेक्स 0.02 फीसदी गिरकर 99.56 फीसदी पर आ गया।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल एशियाई और अन्य बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 110.87 अंक करीब 0.13 फीसदी बढ़कर 85,720.38 पर बंद हुआ। सत्र के दौरान ये 86,055.86 का नये शीर्ष स्तर पर पहुंचा था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 10.25 अंक की हल्की बढ़त के साथ 26,215.55 पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के दौरान यह अपने पुराने शीर्ष स्तर 26,277 को तोड़कर 26,310.45 के नये उच्च स्तर पर पहुंचा। आज निफ्टी बैंक भी 59,866.60 के नये उच्च स्तर पर पहुंचा। यह कारोबार के अंत में 209.25 अंक करीब 0.35 फीसदी की तेजी के साथ 59,737.30 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, ब ज ा ज फिनसर्व, एचयूएल, एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, एलएंडटी, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, सन फार्मा और एनटीपीसी गेनर्स

थे। मारुति सुजुकी, इटरनल (जोमैटो), अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआई, टाटा स्टील, टीसीएस, टेक महिंद्रा, ट्रेंट, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, बीईएल, एक्सिस बैंक और एमएंडएम के शेयर गिरे। वहीं लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में मिश्रित कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 51 अंक की हल्की तेजी के साथ 61,113 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 95 अंक फिसलकर 17,876 पर बंद हुआ। सेक्टोरल आधार पर ऑटो, पीएसयू बैंक, मेटल, रियल्टी, एनर्जी, इन्फ्रा, कमोडिटीज, कंजप्शन और पीएसई बढ़त पर बंद हुए। वहीं, प्राइवेट बैंक, आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, एफएमसीजी औ सर्विसेज के शेयर नीचे आये। आज कारोबारी सत्र उतार-चढ़ाव भरा रहा। दिन के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी ने नया उच्चतम स्तर बनाया पर इसके बाद बाजार नीचे आने लगा। वहीं इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत बढ़त पर हुथी। शुरुआती कारोबार में वित्तीय सेवा, धातु और वाहन क्षेत्र में खरीदारी दर्ज की गयी। सुबह सेंसेक्स 268.37 अंक उछलकर 85,877.88 स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 72.40 अंक बढ़कर 26,277.70 स्तर पर था।

30 नवंबर तक ये जरुरी काम कर लें...केंद्र सरकार के वे कर्मचारी

नई दिल्ली ।एजेंसी। केंद्र सरकार के वे कर्मचारी जो नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) से यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) में स्विच होना चाहते हैं, उन्हें 30 नवंबर तक अपना विकल्प चुनना जरुरी है। अंतिम तारीख अब कुछ ही दिनों में आने वाली है, इसकारण वित्त मंत्रालय ने सभी पात्र कर्मचारियों और सेवानिवृत्त लोगों से निर्धारित समय सीमा से पहले आवेदन दाखिल करने की अपील की है। वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि जो भी कर्मचारी या पेंशनर यूपीएस के तहत मिलने वाले लाभ पाना चाहते हैं, वे 30 नवंबर 2025 से पहले अपना अनुरोध अवश्य जमा करें। यूपीएस यानी यूनिफाइड पेंशन स्कीम, जिसे जनवरी 2025 में अधिसूचित किया था, केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए एनपीएस का एक नया विकल्प है। इस 1 अप्रैल 2025 से लागू किया गया है। यूपीएस की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह महंगाई से जुड़ी हुई गारंटीड पेंशन प्रदान करता है। यह एक कॉन्ट्रिब्यूटरी स्कीम है, जिसमें कर्मचारी को अपने बेसिक पे + डीए का 10 प्रतिशत योगदान देना होगा, जबकि नियोक्ता यानी केंद्र सरकार 18.5 प्रतिशत योगदान देगी। यह व्यवस्था एनपीएस की तुलना में अधिक स्थिर और पूर्वानुमेय पेंशन का वादा करती है।

विशाखापत्तनम में बनेगा एआई सक्षम 1 गीगावॉट कर आधुनिक डेटा सेंटर

नई दिल्ली ।एजेंसी। ब्रुकफील्ड, रिलायंस इंडस्ट्रीज और डिजिटल रियल्टी के संयुक्त उद्यमक्क डिजिटल कनेक्शन ने गुरुवार को आंध्रप्रदेश के विशाखापत्तनम में एआई सक्षम 1 गीगावॉट वाला अति आधुनिक डेटा सेंटर बनाने की घोषणा की। इस पर 2030 तक पांच साल की अवधि में करीब 11 अरब डॉलर का निवेश होगा। इससे ठीक एक महीने पहले गूगल ने विशाखापत्तनम में 15 अरब डॉलर के निवेश से वैश्विक स्तर का एआई संचालित डेटा सेंटर बनाने की योजनाओं के बारे में बताया था। गूगल का अमेरिका के बाहर यह अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह डेटा सेंटर 400 एकड़ भू-क्षेत्र पर फैला होगा। 14 नवंबर को रिलायंस ने घोषणा की थी कि वह पूरी तरह से मॉड्यूलर, भविष्य के लिहाज से तैयार 1 गीगावॉट का एआई डेटा सेंटर बनाएगी और यह दुनिया के सबसे आधुनिक ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स (जीपीयू), टेंसर प्रोसेसिंग यूनिट्स (टीपीयू) और एआई प्रोसेसर को होस्ट करने के लिहाज से बनाया जाएगा। इस समझौते पर विशाखापत्तनम में सीआईआई पार्टनरशिप समिट 2025 के पहले दिन सीएम चंद्रबाबू नायडू, आईटी और उद्योग मंत्री नारा लोकेश तथा रिलायंस इंडस्ट्रीज के कार्यकारी निदेशक पीएमएस प्रसाद की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए थे। कंपनी के मुताबिक उसके डेटा सेंटर एआई वर्कलोड की निरंतर मदद के लिए बनाए गए हैं, जो हाइपरस्केलर और उद्यमों को भविष्य के लिहाज से तैयार सिस्टम, दमदार सबस्टेशन, प्रचुर बिजली और रैक डेंसिटी के साथ अगले दशक के नवाचारों को संचालित करने में मदद करेंगे। कंपनी एआई युक्त विशेष उद्देश्य से बनाए गए डेटा सेंटर के जरिए भारत का अगली पीढ़ी का बुनियादी ढांचा बना रही है, जो बेजोड़ प्रदर्शन, अधिक स्तर की क्षमता और पर्यावरण अनुकूल क्षमता के लिहाज से डिजाइन किए गए हैं। उसका चेन्नई में पहले से ही एक परिसर है। दूसरा मुंबई के चांदीवली इलाके में बनाया जा रहा है। कंपनी ने बयान में कहा कि भारत के विकसित भारत 2047 के सपने के अनुरूप डिजिटल कनेक्शन नवाचार, प्रभाव और निरंतर वृद्धि को बढ़ावा देने तथा भारत का भरोसेमंद डिजिटल बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने की दिशा में नई संभावनाओं को सामने ला रही है।

मेष- आज का दिन धन प्राप्ति के मामले में दिन बढ़िया रहने वाला है। आपको अकस्मात लाभ मिलेगा, जो आपको खुशी देगा और आप अपने कामों को पूरी मेहनत से करेंगे, जिससे आपको एक अच्छा मुकाम भी हासिल होगा। संतान के करियर को लेकर आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी। परिवार में बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद आप पर बना रहेगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए भागदौड़ भरा रहने वाला है। आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। आपको यदि काम को लेकर कोई मित्र सलाह दें, तो उस पर आप थोड़ा सोच समझकर ही अमल करें। परिवार में किसी नये मेहमान का आगमन हो सकता है। आपकी कोई बात बनते-बनते बिगड़ सकती है। आपको अपनी शारीरिक समस्याओं पर पूरा ध्यान देना होगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए बढ़ते खर्च पर ध्यान देने के लिए रहेगा। जीवनसाथी की सलाह आपके लिए कारगर सिद्ध होगी। आप किसी नए काम में हाथ आजमाने की सोचेंगे। कोई वाहन खरीदने की इच्छा आपकी पूरी हो सकती है, लेकिन आप किसी से मांग कर वाहन ना चलाएं। परिवार में आप जरूरत से ज्यादा खर्चों को बढ़ा सकते हैं, जो आपकी टेंशनों को बढ़ाएंगे। आपको किसी पुरानी गलती से आपको सबक लेना होगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए वाणी और व्यवहार में संयम बनाए रखने के लिए रहेगा। आपकी कला व कौशल में निखार आएगा। परिवार में किसी शुभ व मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आपको छुटपुट लाभ की योजनाओं पर ध्यान देना होगा। सामाजिक व राजनीतिक कामों में आपकी काफी रुचि रहेगी। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए अपने कामों पर ध्यान देने के लिए रहेगा। आपकी अपने किसी सहयोगी से बेवजह लड़ाई झगड़ा होने की संभावना है। विद्यार्थी यदि किसी प्रतियोगिता में भाग लेंगे, तो उसमें सफलता अवश्य मिलेगी। आप किसी शुभ व मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। यदि आपने पहले कोई इन्वेस्टमेंट किया था, तो उससे आपको अच्छा धन लाभ मिलने की संभावना है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए बिजनेस के मामले में अच्छा रहने वाला है। किसी डील को लेकर पार्टनरशिप होगी। आप अपनी इन्कम को बढ़ाने के सोर्सो पर भी पूरा ध्यान देंगे। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा। यदि आपको कोई आंखों से संबंधित समस्या है, तो उसको लेकर लापरवाही बिल्कुल ना करें।

तुला- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा, इसलिए आपको अपने आलस्य को त्यागकर आगे बढ़ना होगा। कोई कानूनी मामला यदि आप कोई टेंशन दे रहा था, तो वह भी दूर होगा। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे। आपके कुछ नए कामों को गति मिलेगी। संतान की तरक्की में आ रही बाधा दूर होगी। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों को पहचान कर चलना होगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए चिंताग्रस्त रहने वाला है। परिवार के सदस्यों में यदि किसी बात को लेकर मनमुटाव चल रहा था, तो वह भी दूर होगा। आपकी कुछ नया करने की इच्छा जागृत हो सकती हैं। आपको अपने किसी लेनदेन से संबंधित मामले को मिल बैठकर निपटना होगा। दोस्तों के साथ आप कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे।

धनु- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपके कामों को लेकर एक नई पहचान मिलेगी। बिजनेस में भी आप अपनी योजनाओ में कोई बदलाव करेंगे। आप जीवनसाथी को शॉपिंग पर लेकर जा सकते हैं। वाहनों के प्रयोग से थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है। आपका कोई पुराना मित्र आपसे लंबे समय बाद किसी वाद विवाद को लेकर मनमुटाव खड़ा कर सकता है।

मकर- आज का दिन आपके लिए असमंजस भरा रहने वाला है। आपको कामकाज पर पूरा ध्यान देना होगा। कोई सरकारी काम समय से पूरा होगा, जो आपको खुशी देगा। आपको अपने खर्चो को थोड़ा कंट्रोल करके चलना होगा। आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह ना बोलें। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं।

कुंभ- आज का दिन राजनीति में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपके धन-धान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको अनजान लोगों से दूरी बनाकर रखनी होगी। कार्यक्षेत्र में आप किसी काम को समय से पहले पूरा करके देंगे, जिससे आपके बॉस भी काफी खुश रहेंगे। घर में यदि कोई काम लंबे समय से अटका हुआ था, तो उसके भी पूरे होने की संभावना है। माता-पिता के आशीर्वाद से रुका हुआ काम पूरा होगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आप किसी नए काम की शुरुआत करेंगे, तो वह भी आपके लिए अच्छी रहेगी। आपका बिजनेस पहले से बेहतर होगा और परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा भी दूर होगी। धन को लेकर यदि कोई समस्या आपको परेशान कर रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ समय व्यतीत करेंगे।

शब्दजाल - 8093

शब्द जाल में महाराष्ट्र के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अ	क	मु	ग	ल	ए	अ	ला	तु	र	व
द	ह	ल	प्रे	व	बु	स	द	ह	कां	ड़
र	स	म	म	दी	छ	ल	आ	र्म	ख	क
इं	स	ल	द	दि	वा	स	ढ	ल	श	क
डि	आ	दो	ग	न	ज	ना	प	णा	झ	ड़
य	ना	द	र	दि	ग	उ	र	ण	दे	क
ती	व	ग	मी	या	प	र	भ	नां	व	को
सां	एं	ऊ	पु	द	ब	क	णी	ए	श	ल्हा
क	ग	ल	प	र	गी	स	री	औ	प	पु
क	ग	ली	प	लि	जी	त	ऐ	ओ	प	र
क	अ	म	रा	व	ती	स	व	र्धा	प	म

अहमदनगर, अमरावती, नागपुर, वर्धा, बुलढाणा,लातुर, नांदेड़, कोल्हापुर, सांगली, परभणी

शब्दजाल - 8092 का हल

अ	क	ल	व	दे	ह	रा	दू	न	ल	क
र	ल्मो	ल	रु	व	जी	ग	द	इ	ट	ली
ग	स	ड्ड	ल	द्र	छ	पु	चं	पा	व	त
क	ढ़	ज	य	पु	प्र	न	प	न	ल	उ
क	क	वा	ग	श्री	ल	या	तू	ग	झ	ध
जी	क	ल	ल	ह	झ	पू	ग	ण	घ	म
उ	आ	नै	नी	ता	ल	ल	श	र	ला	सिं
के	त्त	दा	ई	धा	ब	क	फ	लो	श	ह
च	बा	र	न	ब्रा	जी	ल	री	ग	प	न
मो	पा	ल	का	व	ह	रि	द्वा	र	प	ग
ली	क	ल	प	शी	न	रा	बा	द	प	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

28 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2025 वर्ष का 332 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल **तिथि** अष्टमी 00.16 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 02.50 बजे रात्र को समाप्त। **योग** व्याघात 11.05 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 12.29 बजे तदनन्तर बव 00.16 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 7.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 21° 18' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872542 **जूलियन दिन** 2461007.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 06 **विशेष** मासिक दुर्गाष्टमी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	07.48 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मकर	09.54 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	कुंभ	11.40 बजे से
बुध	तुला में	मीन	13.13 बजे से
गुरु	कर्क में	मेष	14.43 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	वृष	16.23 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	18.22 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	20.35 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	22.51 बजे से
राहुकाल		कन्या	01.03 बजे से
10.30 से		तुला	03.14 बजे से
12.00 बजे तक		वृश्चिक	05.28 ब.से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: अहंकार का दमन

गुरु नानक ने अपने भ्रमण के दौरान एक गांव में डेरा लगाया। वहां उन्होंने ग्रामवासियों को समानता व भाईचारे का पाठ पढ़ाया। गांव में एक धनी जमींदार था। उसने गुरु नानक को अपने यहां भोजन करने का निमंत्रण भेजा। गुरुजी ने उसके संदेशवाहक से कहा, 'भाई, मैं किसी के घर जाकर भोजन नहीं करता। कोई भक्त मुझे जो रूखा-सूखा भेज दे वही मेरे लिए पर्याप्त रहता है और हां, आज के भोजन के लिए मैं एक भक्त को स्वीकृति दे चुका हूं।' संदेशवाहक ने जब सारी बात जमींदार को बताई तो वह क्रोध से तिलमिला उठा। उसने सोचा, 'मैं जमींदार हूं। मेरे रहते गुरुजी किसी और का भोजन कैसे स्वीकार कर सकते हैं।' उसने तुरंत अपनी पत्नी से कहा कि वह स्वादिष्ट पकवान तैयार करे। जब भोजन तैयार हो गया तो वह खुद भोजन लेकर गुरुजी के पास पहुंचा। संयोग से तभी वह निर्धन व्यक्ति मोटी-मोटी रोटियां और चटनी लेकर पहुंचा, जिसे नानक ने भोजन लाने की स्वीकृति दी थी। गुरु नानक ने निर्धन व्यक्ति का खाना लिया और प्रेम से खाने लगे। जमींदार ने इसे अपना अपमान समझा। वह बोला, 'गुरुजी, आप मेरे स्वादिष्ट भोजन को स्वीकार कीजिए। इसकी रूखी-सूखी रोटियों में क्या रखा है?' इस पर गुरु नानक ने मुस्कराते हुए कहा, 'इन सूखी रोटियों में प्रेम और स्नेह का मीठापन है।' इस पर जमींदार बोला, 'मेरी पूरियां भी बेहद नरम और मीठी हैं।' गुरु नानक ने कहा, 'नहीं प्यारे भाई, तुम्हारी पूरियों में क्रोध और अहंकार की कड़वाहट है। इन्हें मैं नहीं खा सकता।' यह सुनकर जमींदार का अहंकार चूर-चूर हो गया।

फिल्म वर्ग पहेली - 7037

1		2	■	3	■	4	5		6
	■	7				■		■	
8	9		■		■	10		11	
■		■	12	■	13		■		■
14	■	15		16	■	17		■	18
19	20		■	21	22		■	23	
■		■	24			■	25		■
26	■	27		■	28	29	■	30	31
	■	■	32	33	■	34		■	
35			■	36			■	37	

बायें से दायें:-

१. अशोककुमार, नूतन, धर्मेन्द्र की 'ओ जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
४. गोविंदा, शिल्पा शेट्टी की 'स्पॉप दैट मेरी मर्जी' गीत वाली फिल्म-४
७. 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की फिल्म-३
८. फिल्म 'कभी कभीण' में ऋषिकपूर के साथ किस की जोड़ी थी-३
१०. १९७१ में आई अमिताभ, योगिता बाली का एक फिल्म-४
१३. 'कभी शाम ढले' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१७. 'शादी के लिये रजामंद' गीत वाली फिल्म-२
१९. सैफ अली, काजोल की फिल्म-३
२१. अनिलधवन, नीतू सिंह की 'तेरी गलियों में ना' गीतवाली फिल्म-३
२३. 'तु मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-२
२४. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
२५. अनिलकपूर, माधुरी की 'खत लिखना है' गीतवाली फिल्म-२
२७. राजीव, डिम्पल की फिल्म-२
२८. संजयदत्त, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की फिल्म-२
३०. 'तसवीर तेरी दिल में' गीत वाली देवआनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
३२. फिल्म 'हम तो मुहब्बत करेगा' में बॉबी देओल के किरदार का नाम-२
३४. 'देखें भी तो क्या' गीत वाली फिल्म-२
३५. 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३६. दिलीपकुमार, वैजयंतीमाला की 'तेरे हुस्न की क्या' गीत वाली फिल्म-३
३७. फिल्म 'अलग-अलग' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तेरे नैना मेरे नेनों की' गीत वाली फिल्म-३
२. फिल्म 'खुदगर्ज' में नायिका कौन थी-३
३. अनिलकपूर, माधुरी नम्रता की फिल्म-३
५. 'सैंया दिल में आना रे' गीतवाली फिल्म-३
६. फिल्म 'बारूद' में अक्षय की नायिका-३
९. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
१०. 'जरा तसवीर से तू' गीत वाली फिल्म-४
११. 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन के किरदार का क्या नाम था-२
१२. फिल्म 'चोर मचाए शोर' में नायक-२
१४. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत वाली फिल्म-२
१६. सुनील शेट्टी, सोनाली की 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
२०. 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२३. फिल्म 'निकाह' की नायिका-३
२४. राज कपूर, नर्गिस की 'दम भर जो उधर' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'जब ना माना दिल' गीत वाली कमल सदाना, काजोल की फिल्म-३
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'मेरा पिया' गीत वाली माधुरी की फिल्म-३
३३. विक्रम, लक्ष्मी की 'दिल क्या करे जब किसी को' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7036

अ	नि	ता	■	जो	र	■	बे	ना	म
नु	■	रा	का	■	वी	र	ता	■	म
म	र्द	■	श	बा	ना	■	ब	बी	ता
लि	■	ता	■	बू	■	सु	■	ना	■
क	भी	क	भी	■	सु	हा	ग	रा	त
■	गी	त	■	चि	रा	ग	■	य	■
गो	रा	■	शा	■	ग	■	चि	■	ह
■	त	क	दी	र	■	इं	त	का	म
ज	■	री	■	त	ब्बू	■	चो	■	रा
या	रा	ना	■	न	■	अ	र	बा	ज

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7346

★☆☆☆☆ सरल

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7345 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

शब्द पहेली - 8561

बाएँ से दाएँ

1. भगवान, ईश्वर,रब-7
6. रुपये का सोलहवां भाग-2
7. मध्यप्रदेश का एक भाग-3
8. मूल्य,कीमत,दर-2
10. जी,इच्छा,चित-2
11. नलका,टोंटी-2
13. बारीक,सूक्ष्म-3
14. रेखा,लाइन-3
15. रग,नाड़ी-2
17. अधिकार -2
18. वध,कत्ल,मर्डर-2
20. दौड़ने वाला,धावक (अंग्रेजी-3)
21. एक आंख वाला-2
22. निंदा करना,प्रतिष्ठा खंडित करना-4,3

ऊपर से नीचे

2. निर्माण,बनाना-3
3. एक संगीतकार-4
4. गाड़ी चलानेवाला-4
5. नखरा-2
6. आरामदेय-5
9. इच्छा पूरी करना-2,3
10. चिंतन-3
12. उत्साह,जिज्ञासा-3
16. हद,सीमा,बार्डर-4
17. हमेशा,सदैव-4
19. बलिदान,परित्याग, विरक्ति-2
21. नास्तिक (उर्दू-2)

शब्द पहेली-8560 का हल

स	ही	■	का	■	म	■	ह	क
ला	■	सा	या	■	य	श	■	हा
म	त	ली	■	सां	■	क	ल	र
■	ल	■	च	प	ल	■	ह	■
घ	ब	रा	ना	■	च	प	ल	ता
■	गा	■	ब	हा	र	■	हा	■
भ	र	म	■	मि	■	प	ना	ह
ला	■	द	ल	■	क	द	■	बे
ई	ख	■	म्हा	■	ली	■	डा	ली

Jagrutidaur.com, Bangalore

खाद्य विभाग की छापेमारी के डर से नगर की अधिकांश होटलें रही बंद

खाद्य विभाग ने जांच कर शिवराज होटल को किया सील

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी नगर की अधिकांश होटल, जलपान गृह 27 नवंबर को बंद पाये गये जिसके पीछे कारण बताया जा रहा था 27 नवंबर को खाद्य विभाग की टीम के द्वारा लांजी नगर में संचालित होटलो, रेस्टॉरेंट, ज्रलपान गृह आदि का निरीक्षण किया जाने वाला शायद जिसके डर से प्रतिष्ठान के मालिको के द्वारा अपने अपने प्रतिष्ठान बंद कर दिये गये थे। जब 27 नवंबर को खाद्य विभाग की टीम लांजी पंहुची तो उन्हे अधिकांश होटले बंद मिली।

स्वच्छता, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता तथा लाईसेंस संबधी जांच जारी

बतादे कि लांजी पंहुची खाद्य सुरक्षा अधिकारी टीम जिसमें खाद्य सुरक्षा अधिकारी वाजिद मुहिद, योगेश डोंगरी, गीता टांडेकर सहित अन्य दल जो कि नायब तहसीलदार संजय बारस्कर की उपस्थिती में नगर की होटलों, रेस्टॉरेंट, जलपान गृह का निरीक्षण किया गया। जिसमें मुख्य रूप से जांच का विषय था होटलो में स्वच्छता के मानकों का उल्लंघन, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता में कमी और लाइसेंस संबधी खामियॉ। खाद्य सुरक्षा दल के द्वारा होटलों के रर्साईघर, खाद्य भंडारण कक्ष, बासी और अनकवर खाद्य पदार्थ, कर्मचारियो के द्वारा स्वच्छता मानकों पर ध्यान दिया जा रहा है या नही, एक्सपायरी डेट की पैक्ड सामग्री सहित रसोईघरो की पूर्णत- साफ सफाई, बिल्कुल भी गंदगी ना होना ऐसे अनेको विषयो को लेकर जांच की जा रही है।

शिवराज होटल पर सीलबंद की कार्यवाही- योगेश डोंगरे

खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेश डोंगरे ने जानकारी में बताया कि कलेक्टर महोदय के द्वारा आदेशित जिले की सभी तहसीलों में विशेष अभियान के तहत होटल, रेस्टॉरेंट, जलपान गृह इनकी स्वच्छता की जांच की जा रही जहां भी गंदगियॉ पाई जा रही है उन प्रतिष्ठानों को बंद कर उनके प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत कियें जा रहे है। इसी कार्यवाही के तहत जब हम 27 नवंबर को लांजी पंहुचे तो यहां के मुख्य चौराहा पर स्थित बिकानेर होटल, जयकारा, शीतल उपहार गृह, नैवेद्यम होटल बंद पाई गई। पुछने पर ज्ञात हुआ कि इनके द्वारा जिले में कार्यवाही को देखते हुये स्वत- संज्ञान मे लेकर होटलों में सुधार कार्य करवाया जा रहा है किन्तु इन प्रतिष्ठानों के खुलने के पश्चात पुन- निरीक्षण किया जायेगा। इसी कड़ी में शिवराज होटल के द्वारा दुकान संचालित की जा रही थी जब इस होटल की जांच की गई तो इनके रसाई घर में गंदगी, अस्वच्छता पाई गई है। तथा कोई सुधार कार्य भी इनके द्वारा नही किया गया है जिसके तारतम्य में इस दुकान पर कार्यवाही कर प्रतिष्ठान सील किया जा रहा है तथा प्रकरण तैयार कर न्यायालय में पेश किया जायेगा। इसी कड़ी में खाद्य सामग्री के भी नमुने लिये जा रहे है यदि खाद्य सामग्री में गुणवत्ताहिन पाया गया तो उस संबध में भी न्यायालयीन प्रक्रिया के तहत कार्यवाही की जावेगी। सील बंद कार्यवाही के दौरान उक्त खाद्य सुरक्षा अधिकारी गणों के साथ नायब तहसीलदार संजय बारस्कर उपस्थित रहे जिनके दिशा निर्देश के आधार पर उक्त कार्यवाही की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी के द्वारा बताया गया कि उक्त कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

कार्यवाही के पूर्व ही संचालको ने किये प्रतिष्ठान बंद

लांजी नगर के मुख्य चौक चौराहो में स्थित बिकानेर होटल, शीलत उपहार गृह, जयकारा होटल, नैवेद्यम होटल, लक्ष्मी बिकानेर, न्यू अभिनंदन सहित अन्य होटल, जलपान गृह 27 नवंबर को बंद दिखाई दिये। इस संबध में जब जानकारी ली गई तो ज्ञात हुआ कि बालाघाट से खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम आने वाली जिसको लेकर यह प्रतिष्ठान बंद किये गये है। यह विचारनीय प्रश्न है कि खाद्य सुरक्षा दलों के जांच कार्यवाही की जानकारी इन तक कैसे पंहुची की 27 नवंबर को ही जांच अधिकारी लांजी पंहुचकर कार्यवाही करने वाले है। हालांकि जिले में चल रही कार्यवाही का अंदेशा पूर्व से बना हुआ है जिसको लेकर संचालक सतर्क है लेकिन यही सतर्कता वे अपने अपने प्रतिष्ठानों में स्वच्छता, गुणवत्ता मानक मापदण्डों, नियमों पर बरते तो इन्हे इस प्रकार अपने प्रतिष्ठान बंद करने की आवश्यकता नही पड़ेगी। लेकिन इन प्रतिष्ठानों में कुछ तो खामियॉ होगी जो कि इनके द्वारा कार्यवाही के डर से पूर्व से ही प्रतिष्ठान बंद किये गये हे। खाद्य विभाग को चाहिये कि रोजाना इन प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही की जाये।

यूनिवर्सल ज्ञानदीप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया संविधान दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद बालाघाट के जिला समन्वयक सुशील बर्मन के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था यूनिवर्सल ज्ञानदीप शिक्षण एवं जन कल्याण समिति लांजी तथा यूनिवर्सल कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट लांजी के संयुक्त तत्वावधान में संविधान दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जन अभियान परिषद विकासखंड लांजी के समन्वयक संतोष नगपुरे तथा विशिष्ट अतिथि श्रीमती रेखा आसटकर एवं देवेंद्र क्षीरसागर की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा भारत माता एवं संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि संतोष नगपुरे ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय संविधान 26 नवंबर 1949 को अंगीकार किया गया था और 26 जनवरी 1950 से पूरे देश में लागू हुआ। संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव आंबेडकर की 125वीं जयंती वर्ष में वर्ष 2015 से भारत सरकार ने 26 नवंबर को प्रतिवर्ष संविधान दिवस卐 के रूप में मनाने की घोषणा की थी। इससे पूर्व इसे राष्ट्रीय कानून दिवस कहा जाता था। उन्होंने कहा कि संविधान हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की आत्मा है और इसमें सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार एवं न्याय की गारंटी दी गई है। छोटे-बड़े,

अमीर-गरीब सभी के लिए एक ही कानून है। हमें गर्व है कि हमारा संविधान विश्व का सबसे विस्तृत लिखित संविधान है। इस अवसर पर संस्था में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया तथा अपने विचार व्यक्त किए। बच्चों ने संविधान के मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों और डॉ. आंबेडकर के योगदान पर भाषण दिए, जिससे सभागार तालियों से गूंज उठा। अंत में संस्था संचालक रमेश आसटकर ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया। कार्यक्रम में संस्था के सभी स्टाफ सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दिव्यांग जन कल्याण संघ में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 76वाँ संविधान दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। दिव्यांग जन कल्याण संघ के कार्यालय में 26 नवंबर को 76वाँ संविधान दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता एवं देश के महापुरुषों के छायाचित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद संघ की संरक्षक श्रीमती परमिला देवीचरण ठाकरे ने कार्यालय प्रांगण में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया। इस अवसर पर संघ के उपाध्यक्ष वीरेंद्र ठाकरे ने संविधान की उद्देशिका का वाचन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघ के अध्यक्ष तन्मय जगदीश मिश्रा ने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर सहित सभी संविधान निर्माताओं को नमन करते हुए हमें यह याद रखना चाहिए कि संविधान हमें अधिकार तो देता है, लेकिन भारतीय नागरिक होने के नाते हमारे कर्तव्य भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। केवल अधिकारों और कर्तव्यों के बीच संतुलन

बनाकर ही हम अपने महान भारत को और अधिक सशक्त बना सकते हैं। कार्यक्रम में अध्यक्ष तन्मय जगदीश मिश्रा, उपाध्यक्ष वीरेंद्र ठाकरे, सचिव रूपेश कुमार कुथे, कोषाध्यक्ष कु. सुनीता बिसेन, संयुक्त सचिव सुश्री अनीता उईके, शिकायत अधिकारी कु. पारुल ठाकरे, श्रीमती प्रमिला बाई पारधी, सलिता ठाकरे, राजकुमार बेदरे, जगदीश मिश्रा सहित संघ के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नंदोरा के मदर्स प्राइड कान्वेंट स्कूल में मनाया गया संविधान दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। वनांचल क्षेत्र के ग्राम नंदोरा स्थित मदर्स प्राइड कान्वेंट स्कूल में 26 नवंबर 2025 को

बड़े उत्साह के साथ संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल संचालक प्रतिक देवगढ़े, संदीप बोरकर एवं प्रधान अध्यापिका श्रीमती कल्पना सोनवाने ने भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर नन्हे बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। संविधान विषयक निबंध प्रतियोगिता में कक्षा 4 के नितेश ठाकरे पिता अरुण ठाकरे प्रथम, कक्षा 5 के कुंदन ठाकरे पिता सुनिल ठाकरे द्वितीय तथा वरुण कावरे पिता रहेशलाल कावरे तृतीय रहे। भाषण एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता में सलिमा शेख, अंतरा दांदरे, शिवम दांदरे, कार्तिक बिहोने, यशस्वी वाहाने, शुभम मातरे एवं सूर्यांश मंदरेले ने प्रभावशाली प्रस्तुति दी। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भी छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्कूल के शिक्षक सुरेंद्र लाड़ेकर तथा शिक्षिकाएं श्रीमती पूनम मंडलवार, सोनी आचरे, महेश्वरी मातरे, नाजिया हुसैन, सुजाता बाबड़े, ज्योति बाबड़े, मासुम नरताम, चंद्रकला मातरे, महिमा चौधरी, खुन्नी बाबड़े, मिनाक्षी मजगांवकर, ममता बोरकर, अनुसुइया बाहे, दुर्गेश्वरी बाहे, प्रेमलता मेश्राम, आरती पांचे एवं श्रुति मानकर ने बच्चों को संविधान का इतिहास, उसकी अनिवार्यता, पालन एवं महत्ता पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा संविधान की प्रस्तावना (उद्देशिका) के सामूहिक पाठन के साथ हुआ।

बोनकट्टा में किसानों ने किया आंदोलन

विधायक के आश्वासन के बाद आंदोलन स्थगित, अधिकारियों को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। कटंगी। दो राज्यों की सीमा को जोड़ने वाले ग्राम बोनकट्टा के बाजार चौक में गुरुवार को पठार संघर्ष समिति और राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के आह्वान पर किसानों की विशाल बैठक बुलाई गई। इस बैठक को किसान आंदोलन का नाम दिया गया। बैठक सह आंदोलन में पठार अंचल के ग्रामीण इलाकों के गन्ना और धान उत्पादक किसानों के साथ तिरोड़ी तहसील क्षेत्र के कुछेक गांवों के किसानों ने हिस्सा लिया। दरअसल, गत दिवस 30 अक्टूबर को जिला मुख्यालय बालाघाट में जिला जल उपयोगिता समिति की एक बैठक हुई। इस बैठक में लघु, मध्यम और वृहद सिंचाई परियोजनाओं में पानी की उपलब्धता के आधार पर रबी के सीजन में लगने वाली धान की फसल को पानी ना दिए जाने का फैसला लिया गया। बैठक में तय किया गया कि रबी के सीजन में लगने वाली प्रमुख फसल गेहूं, चना, उड़द, सूरजमुखी और कुसुम को ही पानी आंवटित किया जाएगा। समिति के इस फैसले का गन्ना और धान उत्पादक किसान विरोध कर रहे थे। किसानों ने बैठक के जरिए जिला जल उपयोगिता समिति के फैसला का विरोध करते हुए फैसले को वापस लेने की मांग की। इसके अलावा किसानों ने फीडर सेपरेशन के तहत 10 घंटे मिलने वाली बिजली का अलग-अलग विभाजन कर सप्लाई किए जाने का भी विरोध किया। किसानों ने बताया कि कृषि कार्य के लिए लगातार 10 घंटे बिजली दिए जाने की बजाए विभाजन कर बिजली दी जा रही है. जिससे ठीक तरह से फसल की सिंचाई नहीं हो पाती। कृषि कार्य के लिए बिजली की सप्लाई ऐसे की जा रही है जैसे

किसी प्यासे व्यक्ति को एक गिलास पानी होने पर भी आधा गिलास ही पानी पीने दिया जाए। इस बैठक में किसान गर्जना संगठन के पदाधिकारियों ने भी हिस्सा लिया और 28 नवंबर को कटंगी में होने वाले आंदोलन में किसानों से शामिल होने की अपील की। जिला पंचायत सदस्य प्रकाश उके, ईश्वरी प्रसाद बिसेन, मिनेश राज तुरकर, महेश बोरकर, सरपंच महकेपार युवचंद सोनवाने, मुलकराज आंनद, चेतन लाल कटरे, धनसिंह पटले, दिनेश कुमार गजभिए, धुरन लाल नगपुरे, सुखदेव हांडगे, लक्ष्मी चंद घोनमोड़े, गुलाब पुष्पतोड़े, धीरेन्द्र सोनवाने, हीरालाल देशमुख, सुरेन्द्र मुंगुसमारे, जयेश हांडगे, दामोदर लोधी जैसे प्रमुख चेहरों ने आंदोलन का नेतृत्व किया।

बोनकट्टा में सांकेतिक तौर पर हुए किसान आंदोलन के दौरान किसानों ने क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी को भी आंदोलन स्थल पर आमंत्रित किया था किंतु विधायक आवश्यक कार्य के चलते इस आंदोलन में शामिल नहीं हो पाए। ऐसे में राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के जिला अध्यक्ष खोवेंद्र तुरकर ने दूरभाष पर ही उनसे संपर्क किया और विधायक ने दूरभाष पर ही किसानों को संबोधित करते हुए यह भरोसा दिया कि किसानों की जो मांग है उसे पूरा किया जाएगा। विधायक ने कहा कि रबी के सीजन में गन्ना और धान उत्पादक किसानों को भी सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। विधायक ने भरोसा दिया है कि जैसे ही किसानों को सिंचाई के लिए पानी की आवश्यकता पड़ेगी वैसे ही राजीव सागर बांध से नहरों में पानी छोड़ा जाएगा। इसके अलावा जो बिजली कृषि कार्य के लिए अलग-अलग वक्त में दी जा रही है उसमें शीघ्र ही परिवर्तन करवाकर एक साथ 10 घंटे की बिजली प्रदान की जाएगी ताकि किसानों को फसलों की सिंचाई में किसी भी प्रकार की कोई परेशानी ना आए। विधायक के आश्वासन के बाद पठार संघर्ष समिति और राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के पदाधिकारी ने किसानों से चर्चा कर अभी के लिए आंदोलन को स्थगित कर दिया है। इसके साथ ही नायब तहसीलदार और कनिष्ठ अभियंता बिजली विभाग से विधायक द्वारा कही गई बातों को पूरा करने का भरोसा लिया गया। किसानों ने विधायक और अफसरों की बातों को अपने फोन पर रिकॉर्ड किया है। ताकि समय पर उनकी मांग पूरी नहीं होने पर वह फिर से आंदोलन कर सके।

पठार संघर्ष समिति संयोजक आंजनबिहरी सरपंच दीपक पुष्पतोड़े ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि एक तरफ तो राजीव सागर बांध का पानी लिफ्ट एरिगेशन के तहत नहलेसरा जलाशय तक पहुचांने का दावा किया जाता है। मगर, वहीं दूसरी तरफ अनाप-शनाप फैसले लेकर पठार अंचल के किसानों की कमर तोड़ने का काम किया जा रहा है जिसे बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विधायक ने किसानों की समस्याओं का निराकरण करने का आश्वासन दिया है जिसका पठार संघर्ष समिति और किसान सम्मान करते है। अगर, किसानों को मांग अनुरुप पानी नहीं मिला तो फिर सड़क पर उतरकर आंदोलन करने के लिए बाध्य होगें। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के जिलाध्यक्ष खोवेन्द्र तुरकर ने भी साफ कर दिया है कि विधायक के आश्वासन का सम्मान करते हुए यह आंदोलन स्थगित किया गया है लेकिन मांग पूरी नहीं हुई तो फिर किसान सड़क पर उतरेगा।

भिमोडी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 76वाँ संविधान दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, जिला बालाघाट के मार्गदर्शन में विकासखंड लांजी के सेक्टर क्रमांक-5 (लांजी) अंतर्गत ग्राम भिमोडी में 76वाँ संविधान दिवस धूमधाम से मनाया गया। ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति भिमोडी के अध्यक्ष अशोक अस्तने की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत सचिव यशवंतराव बापुरे ने भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात् श्री बापुरे ने सभी उपस्थित ग्रामवासियों को संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विकासखंड समन्वयक संतोष नगपुरे, नवांकुर संस्था यूनिवर्सल ज्ञानदीप शिक्षण एवं जनकल्याण समिति लांजी के कार्यक्रम समन्वयक रमेश आसटकर सहित ग्राम के गणमान्य नागरिक आर. धारणे, नरेंद्र शेण्डे, श्रीमती प्रेमेश्वरी अस्तने, श्रीमती मनिषा घोरमारे, श्रीमती प्रतिमा नागदेवे, श्रीमती भागरता धारणे एवं श्रीमती अम्बिका मुरकुटे आदि उपस्थित रहे। ग्राम पंचायत भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों, महिलाओं एवं ग्रामवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा संविधान के मूल्यों व कर्तव्यों के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। जिला समन्वयक सुशील बर्मन के कुशल मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था द्वारा संचालित यह कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्र में संविधान जागरूकता का एक सराहनीय प्रयास रहा।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

पुलिस ने की वॉटर कैनन की तेज बौछार, हलका बल प्रयोग भी किया

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ऑफिस का घेराव करने निकले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोका

भोपाल। एमपी यूथ कांग्रेस के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया के शपथ ग्रहण समारोह में प्रदेशभर से भोपाल आए युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सडक़ों पर उतरकर एसआईआर के विरोध किया। वे जुलूस की शक्ल में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ऑफिस का घेराव करने निकले, तो पुलिस ने व्यापमं चौराहे पर बैरिकेटिंग कर उन्हें रोक दिया। आगे बढऩे को लेकर पुलिस और युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच टकराव भी हुआ। कार्यकर्ता बैरिकेट पर चढक़र आगे बढऩे का प्रयास करने लगे तो पुलिस ने वॉटर कैनन से पानी की तेज बौछार फेककर उन्हें रोक दिया। इस बीच पुलिस और कार्यकर्ताओं में नोकझोंक भी हुई। प्रदर्शन में युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानु चिब, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और युवा कांग्रेस के पदाधिकारी मौजूद रहे। जब कार्यकर्ता आगे बढऩे से नहीं माने, तो पुलिस ने हलका बल प्रयोग भी किया। हालांकि इनमें किसी को चोट नहीं आई है। इससे कार्यकर्ताओं का आक्रोश और बढ़ गया और वे बैरिकेटिंग को तोडऩे का प्रयास करने लगे।

यश घनघोरिया ने कहा डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान को संविधान सभा में पेश किया था, तब कहा था कि अब राजा का बेटा रानी के पेट से नहीं लोकतंत्र के वोट से पैदा नहीं होगा। आज आपका वोट खतरे में है। हमारे नेता राहुल गांधी पूरे देश में जाकर संविधान की खूबसूरती को बचाने का काम कर रहे हैं। लोकतंत्र को बचाने का काम कर रहे हैं। वे वोट चोरी के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। भाजपा आज सारे हथकंडे अपना रही है। इलेक्शन कमीशन भाजपा का दलाल बनकर काम कर रहा है। सभी इस लड़ाई को प्रत्येक गली-कूचे, प्रत्येक विधानसभा तक लेकर जाएं। ये सुनिश्चित करें कि एसआईआर में अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें। ताकि उसके वोट का अधिकार न छीना जाए। इतिहास गवाह है दुनिया में युवा के कारण ही क्रांति आई है। यहां उपस्थित युवा हर परिस्थिति को बदलने का माद्दा रखते हैं। सभी युवा शपथ लेते हैं कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाएंगे।

यह आम वोटर की लड़ाई

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार बोले- ये सिर्फ कांग्रेस की लड़ाई नहीं है। आम वोटर की लड़ाई है, जिसकी आवाज को बंद किया जा रहा है। कुणाल कामरा अपना शो चलाता है वह कमेंट करता है तो उसके पूरे स्टूडियो को खत्म कर दिया जाता है। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानु बोले-जब हमें आजादी मिली, तभी पाकिस्तान को भी मिली और आज हम कहां हैं और पाकिस्तान कहां है। इसका एक ही कारण था। कांग्रेस ने देश के लोकतंत्र को कमजोर नहीं होने दिया और नरेंद्र मोदी देश के लोकतंत्र को कमजोर करके सबसे बड़ा देश द्रोह कर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा- विधानसभा में जब (नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार) बोलते हैं और 10 दिन विधानसभा चलती है तो मोहन यादव डर के मारे एक दिन आते हैं। उमंग जी का डर, विधायकों का डर, कांग्रेस के फौजियों का डर है मोहन यादव शुरू दिन आएंगे और भाषण देने वाले दिन आएंगे। सामना नहीं कर पाएंगे।

कार्यकर्ताओं को किया गिरफ्तार

जब युवा कांग्रेस कार्यकर्ता रोकने से भी नहीं रुक रहे थे, तो पुलिस ने बस बुलाई और उनकी गिरफ्तारी शुरू कर दी। कुछ कार्यकर्ताओं को पुलिस ने पकडक़र बस में बैठाया, तो कई कार्यकर्ता गिरफ्तारी देते हुए खुद ही बस के ऊपर चढ़ गए। बस में तादात से ज्यादा कार्यकर्ताओं के भर जाने से बस एक तरफ झुक गई। जिसके पलटने की आशंका के चलते पुलिस ने कार्यकर्ताओं को बाहर निकाला। वहीं युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के लिए प्रिंटेड टीशर्ट बांटी जा रही हैं। इन टीशर्ट पर लिखा है वोट चोर, गद्दी छोड़। बीजेपी-ईसीआई द्वारा प्रस्तुत महाराष्ट्र, बिहार, हरियाणा। मोदी-ज्ञानेश की फिर हेराफेरी मप्र युवा कांग्रेस। इन टीशर्ट को बांटने के दौरान पीसीसी के सामने छीना झपटी हुई।

सरकार के फैसले के खिलाफ हड़ताल पर जनसंपर्क अफसर

- राप्रसे के अफसर जायसवाल की रिलीविंग रुकी, आदेश निरस्त कराने पर अड़े

भोपाल। जनसंपर्क मुख्यालय के अफसरों ने गुरुवार को मोहन सरकार के द्वारा जनसंपर्क में पदस्थ किए गए राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी के खिलाफ बगावत कर काम बंद हड़ताल कर दी है। डायरेक्ट्रेट के बाहर नारेबाजी कर काम बंद कर चुके जनसंपर्क के अधिकारियों ने कहा है कि जब तक सरकार अपने फैसले को वापस नहीं लेगी तब तक काम बंद रखा जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने बुधवार को जनसंपर्क विभाग में दो नई पदस्थापना के आदेश जारी किए थे। पहला आदेश जनसंपर्क आयुक्त रह चुके अनुपम राजन को विभाग का अपर मुख्य सचिव बनाए जाने का अतिरिक्त प्रभार संबंधी था तो दूसरा आदेश राज्य प्रशासनिक सेवा के 2012 बैच के अधिकारी गणेश जायसवाल की पदस्थापना का था। उपसचिव जीएडी कार्मिक अर्चना सोलंकी द्वारा जारी आदेश में गणेश जायसवाल जो अभी नर्मदापुरम संभाग में उपायुक्त राजस्व के पद पर हैं उन्हें जनसंपर्क संचालनालय में अपर संचालक के पद पर पदस्थ किया गया है। इस आदेश के बाद जनसंपर्क अधिकारी कर्मचारी विरोध में आ गए और आज सुबह से काम बंद कर दिया है। इनका कहना है कि विरोध के चलते सरकार ने गणेश जायसवाल की रिलीविंग रोक दी है, लेकिन अभी आदेश निरस्त नहीं हुआ है। इसलिए जब तक राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी जायसवाल की रिलीविंग नहीं रुकती है तब तक काम बंद हड़ताल जारी रहेगी। हड़ताल कर रहे अफसरों-कर्मचारियों ने कर्मचारी अधिकारी एकता जिंदाबाद के नारे भी लगाए। सरकार की आंख नाक कान के रूप में काम करने वाले इस विभाग के अफसरों की हड़ताल इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि विभाग के मंत्री खुद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव हैं। विरोध के पीछे मुख्य वजह जनसंपर्क विभाग में दूसरे विभाग का दखल रोकना है। अभी इस विभाग में आईएएस अफसरों के अलावा दूसरे विभागों के अधिकारी पदस्थ नहीं हैं। जायसवाल की पोस्टिंग से जनसंपर्क विभाग के अधिकारी का ही अधिकार छिनेगा, इसलिए यह विरोध हो रहा है।

भोपाल में बड़ी कार्रवाई, डेढ़ करोड़ की अवैध शराब जब्त

भोपाल। राजधानी पुलिस ने नए साल से पहले बड़ी कार्रवाई करते हुए मंगलवार देर रात अवैध शराब से भरा एक ट्रक पकड़ा। ट्रक से कुल 1200 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की गई है, जिसकी कीमत करीब 1 करोड़ 20 लाख रुपए बताई जा रही है। शराब को भोपाल से इंदौर और वहां से आगे गुजरात भेजने की तैयारी थी।

जानकारी के अनुसार, खजूरी थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक बड़ा ट्रक अवैध रूप से शराब लेकर इंदौर की दिशा में जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने थाने के सामने नाकाबंदी की। तडक़े 3:00 से 4:00 बजे के बीच ट्रक को रोकने का प्रयास किया तो ड्राइवर ने पुलिस को चकमा देकर भागने की कोशिश की, लेकिन स्टॉपर लगाकर उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में ड्राइवर कोई वैध दस्तावेज दिखाने में असफल रहा। ड्राइवर का कहना है कि उसे भोपाल के बैरागढ़ क्षेत्र में माल भरवाया गया था और इंदौर में एक व्यक्ति माल रिसीव करने वाला था। कंटेनर में शराब को प्लास्टिक दाना दिखाकर भेजा जा रहा था। पुलिस ने प्रथमदृष्टया कागज भी फर्जी पाए हैं।

आगे की जांच आबकारी विभाग करेगा

सब इंस्पेक्टर संतराम खन्ना के अनुसार, यह अब तक की साल 2025 की सबसे बड़ी कार्रवाई है। पूरी जब्ती कर ट्रक और ड्राइवर को थाने लाया गया है। शराब जब्ती की सूचना आबकारी विभाग को दे दी गई है, जो अब आगे की विधिक कार्रवाई करेगा।

विधानसभा सत्र के दौरान 5 किमी के दायरे में जुलूस-प्रदर्शन पर रोक

- भारी वाहनों की भी रहेगी नो एंट्री

-1 से 5 दिसंबर तक सुबह 6 बजे से रात 12 बजे तक प्रभावी रहेगा आदेश

भोपाल(ईएमएस)। मध्यप्रदेश विधानसभा के सप्तम सत्र आगामी एक से पांच दिसंबर तक चलने वाले के दौरान सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्र ने प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। विधानसभा और आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न संगठनों द्वारा संभावित प्रदर्शन, जुलूस और विरोध गतिविधियों की आशंका को देखते हुए यह कदम उठाया गया है, ताकि सत्र के दौरान कोई व्यवधान न उत्पन्न हो। आदेश के अनुसार, विधानसभा भवन से पांच किलोमीटर की परिधि में किसी भी सार्वजनिक स्थान पर पांच या इससे अधिक व्यक्ति एकत्रित नहीं हो सकेंगे। किसी भी प्रकार का जुलूस, प्रदर्शन, रैली या सभा पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगी। इसके अलावा कोई भी व्यक्ति लाठी, डंडा, चाकू, पत्थर, हथियार या आग्नेयास्त्र लेकर सार्वजनिक स्थान पर नहीं चलेगा। विधानसभा सत्र के दौरान भारी वाहन—जैसे ट्रक, ट्रैक्टर-ट्रॉली, डंपर—और धीमी गति से चलने वाले वाहनों का प्रवेश भी पूरी तरह वर्जित रहेगा, ताकि यातायात व्यवस्था बाधित न हो। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि प्रतिबंधित क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का आंदोलन, धरना, पुतला दहन या विरोध कार्यक्रम नहीं किया जाएगा। हालांकि, विवाह समारोह, बारात और शवयात्रा को इससे छूट प्रदान की गई है। आदेश ड्यूटी पर नियुक्त सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा। प्रतिबंध एक से पांच दिसंबर तक प्रतिदिन सुबह 6 बजे से रात 12 बजे तक प्रभावी रहेगा और विधानसभा सत्र स्थगित होने पर समाप्त हो जाएगा। तय मार्गों में रोशनपुरा, बोर्ड ऑफिस, राजभवन, पुराने विधानसभा क्षेत्र, 74 बंगला, एमपी नगर, टीटी नगर, तलैया, जहांगीराबाद और आसपास की सड़कें शामिल हैं। आदेश का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की जाएगी।

पहचान छिपाकर दो बच्चो की मॉ से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 10 साल की जेल

भोपाल। राजधानी के एमपी नगर थाना इलाके में साल 2022 में अपनी पहचान छिपाकर महिला से नजदीकियां बढ़ाकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को सुनवाई पूरी होने के बाद विशेष न्यायाधीश ने उसे दोषी करार देते हुए 10 साल के कठोर कारावास से दण्डित किये जाने का फैसला सुनाया है। आरोपी अकरम ने खुद को अमर कुशवाहा बताकर महिला को झांसे में लिया था। दुष्कर्म के बाद आरोपी ने उसे अपनी असली पहचान बताकर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाना शुरु कर दिया था।

यह था मामला

जानकारी के मुताबिक पिपलानी क्षेत्र में रहने वाली 43 महिला ने पुलिस से की गई शिकायत मे बताया था, की वो विवाहत है, ओर उसके दो बच्चे भी है। उसका पति काम के चलते शहर से बाहर रहता है। वो बच्चों के रहते हुए सिलाई का काम करती है। घटना से करीब दो महीने पहले उसने अपने घर की पुताई करानी थी। इस दौरान उसने गलती से अनजान नंबर पर कॉल कर दिया। दूसरी और से बात कर रहे युवक ने अपना अमर कुशवाह बताया। महिला को उसका व्यवहार काफी अच्छा लगा, जिसके चलते महिला की उससे बातचीत होने लगी। फोन पर बातचीत होने के दौरान उनकी खासी दोस्ती हो गई, और वो दोनो व्हाट्सएप पर चेटिंग करने लगे। महिला ने आगे बताया की चैटिंग के दौरान वो दोनों एक दूसरे को फोटो भी भेजते थे, और खुद को अमर कुशवाह बताने वाला युवक उसे अपने तिलक लगी फोटो भेजी थी। बाद में आरोपी ने उसे मिलने के लिये एमपी नगर बुलाया, महिला के आने पर वो उसे कान्हा होटल में लेकर गया और उसे शादी करने की बात कहते हुए उसके साथ शारीरिक संबंध बना डाले। इस दौरान महिला की नजर आरोपी के पर्स पर पड़ी उसने कोतूहल वश जब उसका पर्स देखा तो उसमें उसे आधार कार्ड मिला। आधार कार्ड में युवक का नाम अमर नही अकरम लिखा था। महिला ने जब जमकर उसका विरोध किया तब उसने बताया की उसका सही नाम अकरम है। इसके बाद आरोपी उस पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाने लगा था। साथ ही किसी को बताने पर उसने बच्चो को नुकसान पहुचांने की धमकी दी। परेशान पीड़ीता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़, बलात्कार, जान से मारने की धमकी और मध्य प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जॉच के बाद चालान कोर्ट में पेश किया था।

कोर्ट ने माना धोखे में रखकर किया दुष्कर्म

अभियोजन की दलीलो और गवाहो के आधार पर कोर्ट में साबित हुआ की आरोपी ने शुरुआत से ही महिला को धोखे में रखकर अपराध की योजना बनाई थी। इसी आधार पर अकरम को 10 साल के कठोर कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई।

स्कूलों में बनेंगे वेस्टर्न टॉयलेट, लगेगी सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन

सरकारी स्कूलों में दिव्यागों की सुविधाओं का खास ख्याल

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अब दिव्यांगों को शौचालय में समस्या नहीं होगी। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों में वेस्टर्न टॉयलेट लगवाने का निर्णय लिया है। खास बात यह है कि इन टॉयलेट में सेंसर लगे होंगे, जिससे दिव्यांगों को फ्लश चलाने समेत अन्य मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। दिव्यांग छात्र और छात्राओं के लिए अलग-अलग वेस्टर्न टॉयलेट बनाए जाएंगे।

वेस्टर्न शौचालय के साथ जिन स्कूलों में दिव्यांग बच्चे पढ़ रहे हैं। वहां इनके लिए प्रमुखता से रैंप तैयार कराए जाएंगे। इन विद्यालयों में बालिकाओं के लिए विशेष व्यवस्था होगी। प्रत्येक शौचालय में सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन होगी। जिससे छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता आसानी से पैड उपलब्ध कराए जा सकें। छात्राओं की पढ़ाई में व्यवधान न हो और वो स्कूल में असहज महसूस न करें।

राजधानी के 30 स्कूलों से हुई शुरुआत

स्कूल शिक्षा विभाग ने पहले चरण में भोपाल जिले में दिव्यांग बच्चों की संख्या वाले 30 ऐसे स्कूलों में वेस्टर्न टॉयलेट लगाने के लिए चिंहित किया गया है। यहां दिव्यांग बच्चों की सुविधाओं और सफाई को देखते हुए वेस्टर्न टॉयलेट का निर्माण शुरू किया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों का दावा है कि चिंहित स्कूलों में वेस्टर्न टॉयलेट बनाने का काम तेजी से चल रहा है, अगले शैक्षणिक सत्र से पहले इन टॉयलेट का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा।

ऑडिट रिपोर्ट सार्वजनिक करने और सीबीआई जांच की मांग

आरजीपीवी में वित्तीय अनियमितताओं का मामला गर्माया

भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में पिछले पाँच वर्षों के वित्तीय लेन-देन को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर विश्वविद्यालय की वर्ष 2019-20 से 2023-24 तक की ऑडिट रिपोर्ट सार्वजनिक करने और अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग की गई है। ज्ञापन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा सौंपा गया है। ऑडिट रिपोर्ट सार्वजनिक न होने से पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं और वित्तीय लेन-देन में बड़े पैमाने पर आरोप सामने आए हैं।

ज्ञापन में जो प्रमुख मुद्दे उठाए गए हैं उनमें छात्रों से जुड़े कोष के दुरुपयोग की आशंका हैं। बिना अधिकृत आदेश के भारी वित्तीय लेन-देन किया गया है। कई बैंक खातों और एफडी के रिकॉर्ड में गंभीर विसंगतियां हैं। एफडी समय से पहले तुड़वाने और राशि के स्थानांतरण का पूरा रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। बैंक द्वारा पेनल्टी काटे जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई है। 100 करोड़ रुपए से अधिक के कॉरपस फंड के उपलब्ध न होने का आरोप और वित्तीय लेन-देन पर इंटरनल कंट्रोल और एसओपी जैसी व्यवस्था प्रभावी नहीं रही। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की मांग है कि पांच वर्षों की ऑडिट रिपोर्ट तुरंत सार्वजनिक की जाए। सभी आर्थिक अनियमितताओं की सीबीआई से विस्तृत जांच कराई जाए। विश्वविद्यालय में धारा 54 लागू कर प्रशासनिक प्रबंधन राज्य शासन के अधीन किया जाए। संचालन सुचारू रखने के लिए विश्वविद्यालय को तीन क्षेत्रों में विभाजित करने का सुझाव भी दिया गया है। ज्ञापन देने वालों ने चेतावनी दी है कि यदि चार दिनों में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो वे आंदोलन का रुख अपनाएंगे। अखिलभारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांत मंत्री केतन चतुर्वेदी ने कहा कि लगातार सामने आ रहे आर्थिक और अकादमिक विवादों को देखते हुए आवश्यक है कि सरकार ऑडिट रिपोर्ट सार्वजनिक कर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करे। कार्रवाई न होने पर उग्र कदम उठाए जाएंगे।

वीआईटी विवि में अव्यवस्था को लेकर फूटा आक्रोश, की तोडफोड

भोपाल। प्रदेश के वीआईटी विश्वविद्यालय सीहोर में पीलिया और खाद्य-पेयजल जनित बीमारियां फैलने के बाद हालात तेजी से खराब हो रहे हैं। यहां अध्ययनरत 100 से अधिक छात्र बीमार हो गए हैं। इन छात्रों में से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। ऐसे छात्रों को भोपाल, आष्टा तथा सीहोर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। आरोप है कि छात्रावासों में दूषित पानी, खराब भोजन, और लंबे समय से चली आ रही अव्यवस्था इसकी बड़ी वजह है। इसके साथ राजनीति भी गरमा गई है। मंगलवार रात छात्रों का गुस्सा ज्वालामुखी बनकर फूटा। छात्रों ने एकत्र होकर कॉलेज परिसर को रणभूमि में बदल दिया। विरोध इतना उग्र हुआ कि कॉलेज की बस, दो चारपहिया वाहन और एंबुलेंस को आग लगा दी गई, साथ ही हॉस्टल की खिड़कियों के शीशे, आरओ प्लांट और कई अन्य हिस्सों में भी भारी तोड़फोड़ की गई। विवाद गहराने और बीमारी फैलने के बाद अचानक विश्वविद्यालय ने 30 नवंबर तक अवकाश घोषित कर दिया, जिसे छात्र जिम्मेदारी से बचने का प्रयास बता रहे हैं। जिसके बाद कांग्रेस, एनएसयूआई और एबीवीपी तीनों एक सुर में प्रबंधन व सरकार पर लापरवाही के आरोप लगा रहे हैं। मामला अब स्वास्थ्य संकट से बढ़कर प्रशासनिक जवाबदेही और सुरक्षा का बड़ा मुद्दा बन गया है। प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने घटना को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि वीआईटी में पीलिया का प्रकोप तेजी से फैल रहा है। सैकड़ों छात्र अस्पतालों में भर्ती हैं। यह केवल संस्थान नहीं, सरकार और सिस्टम की भी घोर लापरवाही है। सिंघार ने भोजन, पेयजल और मेडिकल सुविधाओं की कमी को गंभीर अपराध बताते हुए कहा कि मोटी फीस लेने वाले संस्थान छात्रों की मूलभूत सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है, लेकिन कांग्रेस उनके अधिकारों और न्याय की लड़ाई लड़ती रहेगी। वीआईटी में अव्यवस्था को लेकर एबीवीपी ने भी कड़ा विरोध जताया।

जांच पैनल 3 दिन में सौंपेंगी रिपोर्ट

वीआईटी विवि सीहोर मामले की जांच के लिए मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय रेगुलेटरी कमीशन ने तीन सदस्यीय जांच पैनल गठित किया है। पैनल से तीन दिन में जांच रिपोर्ट देने को कहा गया है। समिति व्हीआईटी यूनिवर्सिटी में जाकर प्रबंधन, विद्यार्थियों और संबंधित पक्षों से चर्चा कर पूरे मामले की विस्तृत पड़ताल करेगी। जांच पूरी होने पर समिति को तीन दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट आयोग के समक्ष प्रस्तुत करनी होगी। आयोग द्वारा जांरी आदेश में शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्यक महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अशोक शिवानी समिति की अध्यक्षता करेंगे। इसके अलावा दो सदस्य शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय, भोपाल के प्राचार्य प्रो. संजय दीक्षित, शासकीय गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल के प्राचार्य डॉ. लोकेंद्र दुबेबनाए

पुलिस कमिश्नर ने देर रात कई थानों का किया औचक निरीक्षण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सख्ती का असर साफ दिख रहा है। मुख्यमंत्री की फटकार के महज कुछ घंटे बाद ही भोपाल के पुलिस कमिश्नर हरीनारायणचारी मिश्र देर रात अचानक हरकत में आ गए। वे बिना किसी पूर्व सूचना के खुद गाड़ी लेकर निकल पड़े और एक-एक कर टीटी नगर, हबीबगंज और शाहपुरा थाने पहुँच गए।

थानों में तैनात पुलिसकर्मी और अधिकारी उस वक्त हक्के-बक्के रह गए जब रात के समय कमिश्नर साहब अचानक दरवाजे पर खड़े दिखे। सूत्र बता रहे हैं कि ष्टरू की मीटिंग में पुलिस व्यवस्था पर तल्ख टिप्पणी के बाद यह ताबड़तोड़ निरीक्षण हुआ है। अब देखना ये है कि यह सख्ती सिर्फ एक रात की है या भोपाल पुलिस की कार्यशैली में स्थायी बदलाव आने वाला है। बता दें कि इससे पहले रायसेन में मासूम बच्ची से रेप के बाद पुलिस प्रशासन की ढिलाई पर सीएम ने अफसरों को जमकर फटकार लगाई थी। यही नहीं बल्कि रायसेन एसपी को भी तत्काल प्रभाव से हटा दिया था। ऐसे में सीएम के एक्शन कर पुलिस महकमे में साफतौर पर देखने को मिल रहा है।

महिला कर्मचारियों की चाइल्ड केयर लीव में चलाई कैंची

नए अवकाश नियम गजट नोटिफिकेशन पर कर्मचारी अधिकारी संयुक्त मोर्चा ने जताई आपत्ति, कहा

भोपाल । मध्यप्रदेश वित्त विभाग ने नए अवकाश नियम गजट नोटिफिकेशन जारी किए है। नए नियमों पर कर्मचारी अधिकारी संयुक्त मोर्चा ने आपत्ति जताई है। मोर्चा के उपाध्यक्ष रमेश राठौर ने कहा- नए अवकाश नियम 24 नवम्बर 2025 जारी किए गए हैं जिसका नाम मध्य प्रदेश सिविल सेवा अवकाश नियम 2025 है। यह नियम दिनांक 1 जनवरी 2026 से लागू होंगे, नए नियमों में कुछ खास नहीं है। बहुत कुछ पुराने अवकाश नियम जैसा ही है।

इस नए अवकाश नियम में महिला कर्मचारियों की चाइल्ड केयर लीव (संतान पालन अवकाश) में कैंची चलाई गई है। अभी तक महिला नियमित शासकीय सेवकों को अपने 18 साल तक के बच्चों की देखभाल के लिए उनकी शिक्षा के लिए उनके स्वास्थ्य के लिए 2 साल का संतान पालन अवकाश मिलता था, जो कि साल में तीन बार ही लिया जा सकता था। अभी तक 2 साल का अवकाश लेने तक कोई वेतन कटौती का प्रावधान नहीं था।

दत्तक संतान पर भी मिलेगी छुट्टी

नए अवकाश नियमों में दत्तक संतान ग्रहण अवकाश भी शामिल किया गया है। दत्तक लिए गए बच्चे की एक साल की उम्र तक कर्मचारी अवकाश ले सकेंगे। नए नियमों में कर्मचारियों को हर वर्ष 30 दिन का अर्जित अवकाश देने का प्रावधान किया गया है। ये दो किस्तों में (6 माह पर 15-15 दिन) होगा। किसी भी कर्मचारी को एक साथ 5 साल से अधिक का लगातार अवकाश मंजूर नहीं होगा। वित्त विभाग ने साफ कर दिया है कि अवकाश मांगना कर्मचारी का अधिकार नहीं माना जाएगा। यानी अब अंतिम निर्णय स्वीकृत देने वाले अधिकारी का होगा।

अवकाश लेने पर 80 प्रतिशत वेतन ही प्राप्त होगा

उन्हें इस अवकाश के साथ पूरा वेतन भी प्राप्त होता था। जनवरी 2026 के बाद जिस महिला की 365 दिन हो जाएंगे अवकाश के यदि उसके बाद अगले 365 दिन का वह संतान पालन अवकाश चाहे एक साथ लेती हो या टुकड़ों में लेती हो का अवकाश लेने पर उसको 80 प्रतिशत वेतन ही प्राप्त होगा। इसमें एक यह नया संशोधन किया गया है। अभी तक महिला कर्मचारियों को 2 साल की संतान पालन अवकाश में पूरा वेतन मिलता था। यह अवकाश महिलाएं टुकड़ों टुकड़ों में लेती रहीं हैं।

चिकित्सा अवकाश के नियम भी सख्त

नए नियम के अनुसार मेडिकल सर्टिफिकेट अवकाश की गारंटी नहीं रहेगी। निर्णय स्वीकृति प्राधिकारी के आदेश पर निर्भर करेगा। ऐसा मामला जिसमें कर्मचारी के दोबारा कार्य ग्रहण करने की संभावना न हो अवकाश आवेदन अमान्य नहीं माना जाएगा। पूरे सेवाकाल में 180 दिन का अर्द्धवेतन अवकाश बिना मेडिकल सर्टिफिकेट भी मिल सकेगा, लेकिन यदि कर्मचारी इस दौरान इस्तीफा देता है, तो यह अवकाश अर्द्धवेतन अवकाश के समान माना जाएगा और अंतर की राशि वसूल की जाएगी।

साउथ अफ्रीका से हार के बाद पंत ने माफी मांगी, लिखा

उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे, हमें खेद है; मजबूत वापसी करेंगे

मुंबई। गुवाहाटी टेस्ट में साउथ अफ्रीका से मिली हार के बाद भारतीय स्टैंड-इन कैप्टन ऋषभ पंत ने फैंस से माफी मांगी है। 28 साल के भारतीय विकेटकीपर पंत ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया और माफी मांगी। पंत ने लिखा कि इस बात से परहेज करने का कोई मतलब नहीं है कि पिछले 2 हफ्तों में हमने अच्छा क्रिकेट नहीं खेला। हम उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके, इसके लिए हमें खेद है।

पहले से ज्यादा मजबूत होकर लौटेंगे

हम इस बात से नहीं बच सकते कि पिछले दो हफ्तों में हमने अच्छा क्रिकेट नहीं खेला। एक टीम और खिलाड़ी के तौर पर हम हमेशा बेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं और करोड़ों भारतीयों के चेहरे पर मुस्कान लाना चाहते हैं। इस बार हम उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए, इसके लिए माफी चाहता हूं। लेकिन खेल आपको सीखना, बदलना और आगे बढ़ना सिखाता है। टीम के रूप में भी और व्यक्ति के रूप में भी। भारत का प्रतिनिधित्व करना हमारे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। हमें पता है कि यह टीम क्या कर सकती है, और हम कड़ी मेहनत करेंगे। हम दोबारा खुद को रीसेट करेंगे और पहले से ज्यादा मजबूत होकर लौटेंगे।

गावस्कर ने गंभीर का बचाव किया, बोले हार के लिए कोच नहीं खिलाड़ी जिम्मेदार

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का बचाव करते हुए कहा है कि उनके ही मार्गदर्शन में चैम्पियंस ट्रॉफी और एशिया कप में जीत मिली थी। गंभीर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम को मिली हार के बाद से ही आलोचकों के निशाने पर हैं। इसका कारण है कि उसे पिछले साल न्यूजीलैंड और अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के सभी मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इन हालातों में जहां अधिकतार लोग गंभीर के विरोध में हैं और उन्हें हटाने की मांग कर रहे हैं। वहीं गावस्कर का कहना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली शर्मनाक हार के लिए कोच नहीं खिलाड़ी जिम्मेदार हैं। गावस्कर का कहना है कि आप जब हारते हैं, तभी कोच को दोष देते हैं, लेकिन जीत के लिए उसे उतना श्रेय नहीं मिलता।

गावस्कर ने कहा कि भारतीय कोच की आलोचना लोग शीघ्र करने लगते हैं पर सफलता के समय उन्हें श्रेय नहीं देते। गावस्कर ने कहा, 卐वह एक कोच हैं। कोच एक टीम तैयार कर सकता है पर मैदान पर कोच नहीं खिलाड़ियों को प्रदर्शन करना होता है। अब, जो लोग कोच से जवाबदेही की मांग कर रहे हैं तो मैं उनसे पूछता हूं कि जब भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप जीत था तो आपने क्या किया था? क्या आपने उन्हें श्रेय दिया था?

उन्होंने साथ ही कहा, क्या आपने तब ऐसा कहा था? जो आप अब उनको निकालने की मांग कर रहे हैं—क्या आपने तब कहा था कि उन्हें एक लंबा अनुबंध नहीं दिया जाना चाहिए। जब कोई टीम अच्छा नहीं करती, तभी आप कोच को भला-बुरा कहते हैं। गावस्कर के अनुसार तीनों प्रारुपों में कोचिंग करना आसान नहीं है।

हार के लिए गंभीर जिम्मेदार नहीं

चेन्नई। पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम की 2-0 से हार को निराशाजनक बताया पर कहा कि इसके लिए केवल मुख्य कोच गौतम गंभीर को ही दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। अश्विन ने गंभीर का समर्थन करते हुए कहा है कि खिलाड़ियों को जो जिम्मेदारी मिली थी उसे वे निभा नहीं पाये। ऐसे में आलोचक कोच को हार का दोषी ठहरा रहे हैं। अश्विन ने ये भी कहा कि गंभीर ने भी गलतियां की हैं पर यहां बात जिम्मेदारी लेने की आती है।

गुवाहटी टेस्ट में भारतीय टीम की हार के बाद से ही से सोशल मीडिया में लोगों ने गंभीर के खिलाफ कमेंट करते हुए कहा है कि उन्हें कोच पद से हटा दिया जाना चाहिये। इसी को लेकर। अश्विन ने कहा है कि ड्रेसिंग रूम में लिए जाने वाले फैसलों में कोच की अहम भूमिका होती है पर उन्हें अमल में लाने का काम खिलाड़ियों का होता है और इसमें वे असफल रहे। इस पूर्व स्पिनर ने कहा, हम जिम्मेदारी चाहते हैं। यह आसान है, क्योंकि भारतीय क्रिकेट में, आप जानते हैं और मैं भी जानता हूं। इसमें बहुत कुछ मिलता है और बहुत सारा पैसा भी शामिल है। बहुत से लोग यह काम करने के लिए तैयार हैं और हमेशा ऐसे लोग होंगे जो इसमें अपनी भूमिका निभाएंगे पर सच तो यह है कि एक कोच बल्ला उठाकर मैदान में खेलने नहीं जा सकता। वह केवल अपना काम कर सकता है, खिलाड़ियों से बात कर सकता है।

गंभीर की कोचिंग में खेलने वाले अश्विन ने साथ ही कहा, एक कोच क्या कर सकता है? मैं आपसे एक आसान सवाल पूछ रहा हूं। अपने को कोच की जगह रखकर देखिए। आप कह सकते हैं कि एक खिलाड़ी को निरंतरता चाहिए और उनके समय में काफी अधिक बदलाव हो रहा है ठीक है मैं इससे सहमत हूं पर खेलने और प्रदर्शन करने की स्किल खिलाड़ी की जिम्मेदारी है। एक खिलाड़ी के तौर पर आपको वही नियंत्रित करना चाहिए जो आपके बस में है। फैसला लेना कोच और कैप्टन का काम है उसे छोड़ दीजिए। अश्विन ने कहा, मैंने ज्यादा खिलाड़ियों को इतनी जिम्मेदारी लेते नहीं देखा कि वे कहें कि कोच ही परेशानी है। यह एक सही बात है। फैसला लेने वाला बेहतर हो सकता है पर मेरा मानना किसी पर व्यक्तिगत हमले नहीं होने चाहिये। हम हमेशा किसी न किसी को दोषी ठहराने का प्रयास करते हैं।

अश्विन ने कहा कि गंभीर को हटाने की मांग करना गलत है और इससे टीम बेहतर नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा, हम ऐसा क्यों कर रहे हैं? कोच एक स्पोर्ट है। टीम को संभलना करना इतना आसान नहीं हो सकता। उन्हें भी हार का दुख होता है। हमें यह समझना होगा। किसी को नौकरी से निकालना अच्छा लग सकता है, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए। मैं कभी ऐसा इंसान नहीं रहा। यह किसी को सपोर्ट करने के बारे में नहीं है गंभीर मेरा रिश्तेदार नहीं है। मैं 10 गलतियां भी गिना सकता हूं पर गलतियां सभी करते है।कभी-कभी गलतियां अधिक नुकसानदेह होती हैं।

टी20 विश्वकप फाइनल ऑस्ट्रेलिया से खेलकर जीतना चाहते हैं सूर्यकुमार

मुंबई । भारतीय टी20 क्रिकेट टीम 2026 विश्वकप में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतरेगी। सूर्यकुमार 2024 में विश्वकप विजेता भारतीय टीम में शामिल थे हालांकि तब टीम की कप्तानी रोहित शर्मा के पास थी। ऐसे में अब सूर्यकुमार अपनी कप्तानी में टीम को खिताब जिताने के इरादे से उतरेंगे। सूर्यकुमार चाहते हैं कि इस टूर्नामेंट के फाइनल में भारतीय टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से हो जिसमें उसे हराकर अहमदाबाद के मैदान पर 2023 एकदिवसीय विश्वकप की हार का बदला लिया जा सके। भारतीय टीम को 2026 टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान, अमेरिका, नीदरलैंड और नामीबिया के साथ ग्रुप ए में रखा गया, जबकि ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान के साथ ग्रुप बी में जगह मिली है।

भारत ने पिछले टी20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हराया था और इस साल चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भी उन्हें चार विकेट से हराया था पर ये अलग मैदान थे। भारतीय खिलाड़ी चाहते हैं कि ऑस्ट्रेलिया को उसी उसी मैदान पर हरायें जिसपर उसे 10 मैच जीतने के बाद फाइनल में हार मिली थी। जब सूर्या से पूछा गया कि अगले साल के टी20 विश्व कप फाइनल मुकाबले में वह किस टीम का सामना करना चाहेंगे तो सूर्यकुमार ने जवाब दिया, "अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में।" वहीं भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी सूर्या की बात का समर्थन किया, जिनकी टीम ने हाल ही के विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराने के बाद खिताब जीता था। उन्होंने कहा, "ऑस्ट्रेलिया ही एकमात्र टीम है जिसे हम हराना चाहते हैं, क्योंकि यह वह गेम है जो आपके साथ रहता है।"

गंभीर पर भड़के प्रशंसक

गुवाहाटी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम की हार के बाद से ही मुख्य कोच गौतम गंभीर प्रशंसकों के निशाने पर हैं। भारतीय टीम को इस सीरीज में 2-0 से हार का सामना करना पड़ा हैं। टीम पहले कोलकाता और फिर गुवाहाटी में हारी। इसी कारण दूसरे टेस्ट के बाद स्टेडियम में मैच देखने आए कुछ दर्शकों ने गंभीर के खिलाफ नारे भी लगाये।

प्रशंसकों के अलावा कई क्रिकेट विशेषज्ञों ने भी गंभीर के रुख पर सवाल उठाये हैं। उनके टीम चयन के तरीके पर भी हैरान जतायी है। इसके साथ ही उन्हें पद से हटाने की मांग की है। वहीं गंभीर ने टीम की हार के बाद अपनी कोचिंग में टीम को मिली पिछली सफलताओं के बारे में सबको बताया। साथह ही कहा, 'मेरे भविष्य का फैसला बीसीसीआई को करना है, लेकिन मैं वही व्यक्ति हूं जिसने इंग्लैंड में आपको अनुकूल परिणाम दिलाए और मैं चैंपियंस ट्रॉफी में भी कोच था। गलती सभी की है पर कोच होने के कारण इसकी शुरुआत मुझसे होती है।' उन्होंने कहा, 'हमें बेहतर खेल दिखाना होगा। पहली पारी में एक समय हमारा स्कोर एक विकेट पर 95 रन था, जो सात विकेट पर 122 रन हो गया। इस प्रकार का प्रदर्शन स्वीकार्य नहीं किया जा सकता है।'

डब्लयूटीसी चक्र में होगा बदलाव

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) आने वाले समय में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) चक्र में बदलाव करते हुए एक ही मैच की टेस्ट सीरीज रख सकती है। ये बदलाव जुलाई 2027 से शुरू होने वाले डब्लयूटीसी चक्र से अमल में लाया जा सकता है। अभी तक कम से कम 2 मैचों की सीरीज डब्लयूटीसी के तहत खेली जाती थी। एक मैच की सीरीज का फायदा यह होगा कि टेस्ट मैच को उन टूर में जोड़ा जा सकता है, जिनमें हाल के दिनों में आर्थिक कारणों से सिर्फ सफेद गेंद वाले मैच ही हुए होंगे। आईसीसी न्यूजीलैंड के पूर्व बैटर रोजर ट्वोस की अगवाई में एक ग्रुप के जरिए डब्लयूटीसी को नए सिरे से शुरू करने पर विचार कर रही है। इसे डब्लयूटीसी सहित इंटरनेशनल कैलेंडर के भविष्य की मैपिंग कहा जा रहा है, जो अपने चौथे चक्र में है। ट्वोस के ग्रुप ने इस महीने की शुरुआत में दुबई में आईसीसी बैठक में भी भाग लिया था और इसपर बात की थी। इस मामले में अंतिम फैसला मार्च तक आ सकता है।

अब तक डब्लयूटीसी चैंपियनशिप में एक ही लीग में नौ टीमें भाग ले रही हैं। हर टीम छह सीरीज खेलती है और कम से कम 12 मैच एक चक्र में खेलने होते हैं। अंक तालिका को को मैच जीतने के प्रतिशत के हिसाब से तैयार किया जाता है। वहीं इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के चेयरमैन रिचर्ड थॉम्पसन ने इस साल की शुरुआत में बताया था कि यह पूरी तरह से साफ है कि वर्तमान ढांचा उस तरह से काम नहीं करता जैसा उसे करना चाहिए और हमें एक नया तरीका तलाशना चाहिये।

भारतीय टीम का आभामण्डल टूट रहा - कार्तिक

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2-0 से करारी हार के बाद पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा है भारतीय टीम का आभामण्डल समाप्त होता जा रहा है। इसी कारण उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दोनो ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। कार्तिक ने कहा कि घरेलू धरती पर लगातार दूसरी सीरीज हारने से साफ है कि भारतीय क्रिकेट कठिन दौर से गुजर रहा है। इससे घरेलू धरती पर अपराजेय रहने की उसकी छवि भी टूटी है। कार्तिक ने कहा, पहले टीमें टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए भारत आने से डरती थीं पर अब उनको ऐसा नहीं लग रहा होगा। एक सात के अंतराल में भारतीय टीम दूसरी बार अपने सभी मैच हारी है। इससे साफ है कि टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए यह कठिन समय है और आगे हमें कड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। गेंदबाज और बल्लेबाज दोनो ही नहीं चल रहे हैं। दिनेश कार्तिक ने कहा, टीम में जरुरत से ज्यादा ऑलराउंडर्स शामिल किये गये हैं पर वे सफल नहीं रहे। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी ने पूरे सत्र में 14 ओवर गेंदबाजी की है। वाशिंगटन सुंदर की गेंदबाजी भी कमजोर रही। भारत के केवल दो खिलाड़ियों ने इस टेस्ट सीरीज में शतक लगाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका के सात खिलाड़ियों ने शतकीय पारी खेली। उन्होंने कहा कि नंबर 3 पर टीम के पास कोई अच्छा बल्लेबाज नहीं हैं। साथ ही पूछा है कि हमारा नंबर 3 कौन है? वाशिंगटन कोलकाता में नंबर 3 पर खेलते हैं और साई सुदर्शन गुवहाटी में नंबर 3 पर खेलते हैं। क्या इस प्रकार के बदलाव टीम भारत के लिए फायदेमंद रहेंगे या हमें और ज्यादा स्थिरता और निरंतरता की जरूरत है? अगला टेस्ट मैच सात महीने बाद है। तब तक शायद ही हम इन बातों को याद रखें।

पीएसएल से बाहर हुई मुल्तान सुल्तांस

पीसीबी से नाराज थे फ्रेंचाइजी मालिक तरीन

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट का विवादों से पुराना नाता है। अब पाक सुपर लीग (पीएसएल) टीम मुल्तान सुल्तांस के मालिक अली खान तरीन लीग से हट गये हैं। मुल्तान सुल्तांस छह टीमों की लीग में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली फ्रेंचाइजी थी, जिसने 2021 का खिताब जीता था और 2022, 2023 और 2024 सीजन में फाइनल में पहुंची। ऐसे में उसके हटने से पीएसएल की लोकप्रियता प्रभावित होगी।

तरीन ने प्रशंसकों को एक संदेश देकर अलविदा कहा है। वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और पीएसएल के अधिकारियों के कामकाज के तरीके से नाराज थे। बोर्ड ने उनके खिलाफ कार्रवाई भी की थी। उन्होंने फैंस को एक भावुक विदाई नोट में कहा, 'मुझे पता है कि मैं हर किसी को पसंद

नहीं आता और मुझे इससे कोई परेशानी नहीं है, लेकिन मैं हमेशा ईमानदार रहा हूं और मैंने हमेशा अपने मन की बात कही है।'

तरीन हमेशा ही पीसीबी के साथ विवादो में रहे। इससे पहले जब पीसीबी ने उन्हें माफी मांगने के लिए नोटिस दिया, तो उन्होंने उसे फाड़ दिया था। वहीं जब फ्रेंचाइजी के नवीनीकरण का समय आया, तो पीसीसबी ने उन्हें एक्सटेंशन नहीं दिया और न ही फ्रेंचाइजी के साथ कोई चीज साझा की। जिससे भी तरीन भड़के हुएथे।

हजारीबाग में अगले माह होगा कूच बिहार ट्रॉफी का आयोजन

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग में अगले माह घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट कूच बिहार ट्रॉफी का आयोजन होगा। ये पहली बार है जब हजारीबाग में कूच बिहार ट्रॉफी खेली जाएगी। ये टूर्नोमेंट 8 से 11 दिसंबर तक संजय सिंह क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके एलीट ग्रुप में झारखंड और केरल के बीच मुकाबला होगा। इस टूर्नामेंट के लिए तैयारियां जारी हैं। हजारीबाग जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष जायसवाल ने कहा है कि कूच बिहार ट्रॉफी की मेजबानी हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ के लिए गर्व की बात है। इससे आने वाले दिनों में दो राज्यों के खिलाड़ी हजारीबाग में क्रिकेट खेलते दिखेंगे। इससे यहां के खिलाड़ियों को उनके अनुभवों से काफी कुछ सीखने को मिलेगा।

बीसीसीआई ने साल 2025-26 सत्र के लिए 77 मैचों की जिम्मेदारी झारखंड को दी है। इन्हीं में से एक मैच हजारीबाग में होगा। जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मनीष जायसवाल ने कहा है कि यह उनके पुराने सपने के पूरे होने जैसा है। उन्होंने आगे कहा कि इससे हजारीबाग के युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर के मैचों को खेलने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही शहर भी खेल के क्षेत्र में उभरेगा। इस टूर्नोमेंट के लिए संजय सिंह क्रिकेट स्टेडियम में पांच नई टर्फ विकेट तैयार की गई है। इसके अलावा चार अभ्यास विकेट बनाए गए हैं। साइड स्क्रीन को ठीक किया गया है। पिच के दोनों ओर वीडियो विश्लेषण के लिए प्लेटफार्म तैयार किया गया है। इसके अलावा ड्रेसिंग रूम और अंपायर रूम को राष्ट्रीय मानकों के हिसाब से बेहतर बनाया गया है।

कमिंस को दूसरे और हेलवुड को तीसरे टेस्ट में उतार सकता है ऑस्ट्रेलिया - रिपोर्ट

ब्रिसबेन । यहां इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां 4 दिसंबर से शुरु हो रहे दूसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट की तैयारियां जारी है। इस सीरीज में 1-0 से आगे चल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मैच में नियमित कप्तान पैट कमिंस को उतार सकती है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार तेज गेंदबाज कमिंस के आने से मेजबान टीम का गेंदबाजी आक्रमक और मजबूत होगा। कमिंस अब फिट हैं और अभ्यास सत्र में जमकर गेंदबाजी कर रहे हैं। उन्हें दूसरे एशेज टेस्ट से पहले गुलाबी गेंद से अभ्यास करते देखा गया, जो एक दिन-रात का मैच होगा.

वहीं एक अन्य तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड भी अभ्यास सत्र में उतर गये हैं पर उनके तीसरे टेस्ट में उतरने की संभावना है। हेजलवुड को हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण पहले टेस्ट मैच से बाहर रखा गया था। हेज़लवुड को सिडनी के क्रिकेट सेंट्रल में नेट्स पर लाल गेंद से गेंदबाजी करते देखा गया। ऐसे में ब्रिस्बेन में दूसरे टेस्ट मैच के लिए उनके खेलने की संभावना कम है पर माना जा रहा है कि वह एडिलेड में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में खेलेंगे। मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने कहा कि टीम को उम्मीद है कि हेज़लवुड मौजूदा एशेज सीरीज़ के बाद के मैचों में खेलने के लिए उपलब्ध होंगे। मैकडॉनल्ड ने कहा, 卐मुझे पता है कि वह सीरीज़ के दौरान किसी न किसी समय उपलब्ध रहेंगे। हमें अभी थोड़ा सा शुरुआती पुनर्वास करना है जिससे यह तय किया जा सके कि वह सीरीज़ में कहाँ खेल सकते हैं, लेकिन हमें उम्मीद है कि वह सीरीज़ में कुछ हिस्सा लेंगे। कोच मैकडॉनल्ड ने कहा कि कमिंस का रिहैब पूरा होने के करीब हैं। मैकडॉनल्ड ने कहा कि उनकी गेंदबाजी में तीव्रता तो थी ही, गेंद की गति भी काफी अधिक थी जिससे ये अंदाज हो रहा है ।

डब्ल्यूपीएल 2026 नीलामी में दीप्ति को यूपी ने 3.2 करोड़ रुपये में खरीदा

सोफी को गुजरात ने 2 करोड़ रुपये में शामिल किया

नई दिल्ली । महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्ल्यूपीएल) 2026 के लिए यहां हुई पहली मेगा में कुल 277 खिलाड़ी शामिल हुई। इसमें 194 भारतीय और 83 विदेशी खिलाड़ी शामिल हुईं। इसमें इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन को यूपी वॉरियर्स ने 85 लाख रुपये में ज जबकि ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग को 1.90 करोड़ रुपये में लिया। दीप्ति शर्मा को यूपी ने 3.2 करोड़ रुपये में खरीदा। न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन को गुजरात जायंट्स ने 2 करोड़ रुपये में खरीदा। अमेलिया को 3 करोड़ में मुंबई इंडियंस ने अपने साथ जोड़ा। वहीं ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली को नहीं मिला खरीदार। इस मैगा नीलामी में अधिक से अधिक 73 खिलाड़ियों को ही खरीदा जा सकेगा। इसमें पांच टीमों में 50 भारतीय और 23 विदेशी खिलाड़ी के लिए ही स्लॉट है। हर फ्रेंजाइजी अपने स्क्वॉड में कम से कम 15 और ज्यादा से ज्यादा 18 प्लेयर ही शामिल कर सकती है।

इससे पहले टीमों ने कुल 17 खिलाड़ियों को रिटेन किया था, जिनमें 7 विदेशी और 3 अनकैप्ड हैं। ऐसे में टीमें अपने 2025 स्क्वॉड के खिलाड़ियों को वापस पाने के लिए राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड का इस्तेमाल कर सकती हैं। जिन फ्रेंचाइजी ने कम खिलाड़ियों को रिटेन किया, उसके पास खिलाड़ियों को खरीदने के लिए मोटी रकम है। हर टीम का पर्स 15 करोड़ रुपये, जिसमें रिटेंशन भी शामिल है। मुम्बई और दिल्ली आरटीएम इस्तेमाल नहीं कर सकेंगी क्योंकि उन्होंने पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया है

यूपी वॉरियर्स - दीप्ति शर्मा, सोफी और लैनिंग

स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा यूपी वॉरियर्स में ही रहेंगी। उन्हें यूपी ने 3.2 करोड़ में लिया है। डीसी ने दीप्ति में दिलचस्पी दिखाई लेकिन यूपी ने आरटीएम कार्ड का इस्तेमाल कर बाजी मार ली। वह महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं।

इंग्लैंड की सोफी को यूपी वॉरियर्स ने 85 लाख रुपये में खरीदा है। यूपी ने आरटीएम ऑप्शन से सोफी को खरीदा। वहीं यूपी ने ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग को 1.90 करोड़ रुपये में लिया। लैनिंग का आधारमूल्य 50 लाख था। वह पिछले तीन सीजन दिल्ली के लिए खेलीं।

मुंबई इंडियंस - अमेलिया केर

अमेलिया केर 3 करोड़ में मुंबई इंडियंस के साथ बनी रहेंगी। न्यूज़लैंड की ऑलराउंडर के लिए मुंबई और यूपी वॉरियर्स के बीच बिडिंग वॉर देखने को मिली। गुजरात जायंट्स ने तेज गेंदबाज रेणुका सिंह को 60 लाख रुपये में लिया है।

गुजरात जायंट्स - सोफी डिवाइन

न्यूजीलैंड की दिग्गज प्लेयर सोफी डिवाइन गुजरात जायंट्स का हिस्सा बन गई हैं। उन्हें जीजी ने दो करोड़ रुपये में खरीदा। दिल्ली ने 1.9 करोड़ तक की बोली लगाई लेकिन बाजी जीजी ने मारी। उनका बेस ब्राइस 50 लाख था।

वहीं 50 लाख रुपये आधार मूल्य वाली ऑस्ट्रेलिकया की दिग्गज खिलाड़ी एलिसा हीली को कोई खरीदार नहीं मिला।

संविधान दिवस पर हुए विविध कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। कटंगी। भारतीय संविधान में निहित नागरिकों के मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता लाने के लिए 26 नवंबर को संविधान दिवस बेहद धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। कटंगी के शासकीय-गैर शासकीय कार्यालयों, स्कूल, कॉलेज, व्यवहार न्यायालय से लेकर सामाजिक संगठनों और संविधान प्रेमियों ने इस मौके पर विविध प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करवाए। शाम साढ़े 06 बजे मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद और इसके पूर्व अंबेडकर अनुयाईयों ने नगर के बस स्टैण्ड के नजदीक स्थित संविधान के प्रमुख वास्तुकार डॉ बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष एक सांकेतिक कार्यक्रम का आयोजन करवाया। जहां नागरिकों के साथ संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। ग्रामीण अंचलों में भी संविधान के महत्व को समझाने के लिए कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का सिलसिला देर शाम तक जारी रहा। भारत सरकार ने डॉ बाबा साहब अंबेडकर की 125 वीं जयंती के मौके पर वर्ष 2015 में हर साल 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी। तभी से संविधान दिवस मनाया जा रहा है।

संविधान की प्रस्तावना का हुआ वाचन

शक्ति विद्या मंदिर में भी हुआ आयोजन

शक्ति विद्या मंदिर एजुकेशन ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में भी संविधान दिवस मनाया गया। जिला पंचायत सदस्य श्रीमती केसर बिसेन के मुख्य आतिथ्य, विक्रमजीत सिंह सनातन धर्म कॉलेज, कानपुर के सहायक प्राध्यापक डॉ अनिल द्विवेदी बतौर अतिथि के रूप में शामिल हुए। इन अतिथियों ने महापुरुषों के छायाचित्र का पूजन करने के बाद संविधान के निर्माण और इसकी आवश्यकताओं पर अपने विचार रखें। इस दौरान आदित्य बिसेन, सहायक प्राध्यापक उमाशंकर देशमुख, सहर जावेद, सुभाष नंदी, ओम राजपुत, एन.के.पटले सहित अन्य जन मौजूद रहे।

प्रतियोगिता का हुआ आयोजन-

संविधान दिवस पर महाविद्यालय में प्रश्न मंच और स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रश्न मंच प्रतियोगिता में आदित्य चौधरी, याचना हरदे और मुस्कान गौतम ने क्रमश पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। स्लोगन प्रतियोगिता में ममता राहंगडाले ने पहला, सोनाली चौरे ने दूसरा और तुलसी राहंगडाले ने तीसरा स्थान पाया। संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम की श्रृंखला को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में विक्रांत भिमटे, अधीर कुमार घोड़ेश्वर, अनीश बर्मन, डॉ. धीरेन्द्र कुमार चौधरी, डॉ. वैशाली भगत, डॉ. वैशाली देशमुख, डॉ. मोनिका दुबे, डॉ. राजू विश्वकर्मा, डॉ. प्रवीण पराते, डॉ. ममता घरडे, डॉ. आकांक्षा मेश्राम, डॉ. अंजुलता गोस्वामी, डॉ. प्रणीत चौरे, कुलदीप देशमुख, श्रीमती अनीता देशमुख, डॉ. रागिनी गुप्ता, श्रीमती नेहा बिसेन, सुश्री साक्षी ठाकरे, सुश्री एकता राहंगडाले, सुश्री खुशी गेडाम का विशेष योगदान रहा।

कॉलेज में मनाया गया संविधान दिवस-

नगर की उच्च शैक्षणिक संस्था राजा भोज शासकीय महाविद्यालय में विद्यार्थियों के भीतर कानूनी जागरूकता लाने के लिए भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ, स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वाधान में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। प्राचार्य अनिल कुमार शेंडे और कार्यक्रम प्रभारी डॉ. आशीष कुमार मेश्राम निर्देशन में संविधान दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जहां सर्वप्रथम माँ सरस्वती, भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया। जिसके बाद प्राचार्य द्वारा भारतीय संविधान के निर्माण पर अपने विचार रखें। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान है। संविधान देश के सभी नागरिकों में समानता, स्वतंत्रता और न्याय जैसे लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति आदर और सम्मान की भावना पैदा करता है। सहायक प्राध्यापक डॉ. कुसुमलता उईके ने संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों के बारे में जानकारी दी। सुश्री कविता अहिगारे ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला गया। श्रीमती पूजा भगत ने भारतीय संविधान की कार्यकारिणी के गठन को लेकर बहुत ही सारगर्भित तरीके से उत्कृष्ट जानकारी साझा की। डॉ. अनिल कुमार डोंगरे और दीपेन्द्र हिरकने ने भारतीय संविधान के भाग और अनुसूचियों पर विस्तृत जानकारी विद्यार्थियों के समक्ष रखी।

तिरोड़ी में भी मनाया गया संविधान दिवस-

क्षेत्र की मायॅल नगरी तिरोड़ी के दुर्गा ग्राउंड में संविधान दिवस की संध्या पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सार्वजनिक संविधान दिवस समारोह समिति के द्वारा जन-जन तक संविधान को पहुंचाने के लिए यह आयोजन करवाया गया। संविधान दिवस के मौके पर मायॅल के कर्मचारी संदीप अहिंगारे को सम्मानित किया गया। संदीप अहिगारे ने 100 परिवारों तक संविधान की पुस्तक पहुंचाई। उनके इस प्रयास की सराहना करते हुए आयोजकों ने उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम में मायॅल मैनेजर मनीष ढोके, कार्मिक प्रबंधक रितेश माने, सर्वेयर प्रबंधक एस.मानके, जनपद सदस्य ओम सिंह परते, पूर्व सरपंच आनंद बरमैया, पंच फिरोज खान, सितंबर मेश्राम, मनीष सूर्यवंशी, दिनेश कन्नौजे बतौर अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में डॉ फारूख अंसारी और पवन सिंह टेकाम ने वक्ता के रुप में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान सभी ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया और एक सुर में कहा कि संविधान हमारा राष्ट्रीय ग्रंथ है। वक्ताओं ने कहा आज का दिन उन संविधान निर्माताओं को याद करने का दिन है जिन्होंने विश्व के सबसे विशाल लोकतन्त्र के सबसे बड़े लिखित संविधान को स्वरूप दिया।

भारत-कनाडा यूरेनियम डील पर मुहर जल्द, शेख हसीना प्रत्यर्पण पर भी विचार

नई दिल्ली। भारत और कनाडा करीब ढाई दशक बाद अपने असैन्य परमाणु सहयोग को नई ऊँचाई देने जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को पुष्टि की कि दोनों देश 2.8 अरब डॉलर (लगभग 23,500 करोड़ रुपये) के यूरेनियम आपूर्ति समझौते को अंतिम रूप देने की दहलीज पर हैं। जोहान्सबर्ग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की मुलाकात में इस पर विस्तृत चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, दोनों देश असैन्य परमाणु सहयोग को और मजबूत करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। यह हमारे द्विपक्षीय रिश्तों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कनाडाई मीडिया के अनुसार, कनाडा की दिग्गज कंपनी कैमेको कॉर्प अगले 10 वर्षों तक भारत को यूरेनियम की नियमित आपूर्ति करेगी। 2008 के भारत-अमेरिका परमाणु समझौते के बाद कनाडा पहला देश था जिसने भारत के साथ असैन्य परमाणु सहयोग फिर शुरू किया था; अब यह नया समझौता उस सहयोग को और ठोस रूप देगा।

इसी प्रेस ब्रीफिंग में जायसवाल ने बताया कि रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन दिसंबर के पहले सप्ताह में भारत आ सकते हैं। 22वाँ भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन नई दिल्ली में होगा, जिसमें रक्षा, ऊर्जा और व्यापार पर अहम समझौते होने की संभावना है। तारीख की औपचारिक घोषणा जल्द की जाएगी।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण पर भी विदेश मंत्रालय ने पहली बार विस्तृत बयान दिया। जायसवाल ने कहा, बांग्लादेश सरकार के प्रत्यर्पण अनुरोध की कानूनी और न्यायिक प्रक्रिया के तहत समीक्षा की जा रही है। ढाका की विशेष अदालत ने 78 वर्षीय हसीना को पिछले साल के प्रदर्शनों में 'मानवता के खिलाफ अपराध' के लिए मौत की सजा सुनाई है। बांग्लादेश का कहना है कि पहले के अनुरोध का जवाब नहीं मिला था, लेकिन अब न्यायिक फैसला आने के बाद भारत से सकारात्मक जवाब की उम्मीद है। विदेश मंत्रालय ने दो टूक कहा कि भारत बांग्लादेश में शांति, लोकतंत्र और स्थिरता के लिए सभी पक्षों से रचनात्मक संवाद बनाए रखेगा। हसीना अगस्त 2024 से भारत में हैं। प्रत्यर्पण का अंतिम फैसला अभी लंबित है, लेकिन कानूनी प्रक्रिया तेज कर दी गई है। तीन बड़ी कूटनीतिक खबरों ने एक ही दिन में भारत की परमाणु ऊर्जा, रूस के साथ रणनीतिक साझेदारी और दक्षिण एशिया में प्रभाव को और मजबूत कर दिया है।

प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी से जुड़े ठिकानों पर कार्रवाई

जम्मू। शोपियां पुलिस के अनुसार, ज़िले में बड़े पैमाने पर छापेमारी की गई। पुलिस शोपियां ज़िले में कई जगहों पर सावधानीपूर्वक तलाशी ले रही थी, जिसमें प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) से जुड़े व्यक्तियों और परिसरों को निशाना बनाया गया, जिस पर गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत प्रतिबंध लगाया गया है। जमात-ए-इस्लामी जम्मू और कश्मीर (जेईआई) पर भारत सरकार द्वारा कई बार प्रतिबंध लगाया जा चुका है। जमात-ए-इस्लामी एक इस्लामी आंदोलन है जिसकी स्थापना 1941 में ब्रिटिश भारत में इस्लामी लेखक और सिद्धांतकार सैयद अबुल आला मौदूदी ने की थी।

दिल्ली में हवा हुई जहरीली, सीजेआई सूर्यकांत ने मॉर्निंग वॉक पर जाना छोड़ा

कहा- शाम को कम रहता है प्रदूषण, एसआईआर पर कर रहे थे सुनवाई

नई दिल्ली,। दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर खतरनाक रूप ले रहा है। खतरनाक रूप से बढ़ते प्रदूषण का असर अब आम जनजीवन पर भी पड़ने लगा है। वायु प्रदूषण का स्तर इतना बढ़ गया है, कि लोगों ने मॉर्निंग वॉक भी छोड दी है। सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने भी मॉर्निंग वॉक बंद कर दिया है। उन्होंने एक मामले की सुनवाई में खुद ही इस बात की जानकारी दी है।

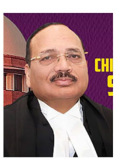

सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने बिहार एसआईआर से संबंधित याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि सुबह की सैर पर जाना बंद कर रखा है। अब कोर्ट से घर जाने के बाद अपने आवासीय परिसर में ही शाम को सैर करते हैं। उन्होंने सुबह की बजाय शाम को वॉक करने के पीछे का कारण भी बताया और कहा कि सुबह के मुकाबले शाम के समय प्रदूषण कम रहता है। बता दें बिहार में एसआईआर को लेकर दाखिल याचिकाओं पर चुनाव आयोग के वकील ने डिजिटली पेश होने की अनुमति कोर्ट से मांगी।

चुनाव आयोग के वकील राकेश द्विवेदी ने सुनवाई में अपनी सेहत का हवाला दिया और कोर्ट से सुनवाई के लिए वर्चुअली पेशी की अनुमति देने की मांग की है। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने भी कहा कि प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। साल दर साल यह बढ़ रहा है और इसके लिए कुछ भी नहीं किया जा रहा है। इन दोनों सीनियर एडवोकेट्स की चिंता से सहमति जताते हुए सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने भी कहा कि मैं भी आजकल मॉर्निंग वॉक पर नहीं जा रहा हूं, लेकिन कोशिश करता हूं कि शाम को जाऊं।

इस बीच कोर्ट को यह बताया गया कि वर्चुअल हियरिंग दोबारा लागू करने के लिए आदेश जारी किया जाए। इस पर सीजेआई ने कहा कि ऐसे ही कोई आदेश जारी नहीं किया जा सकता। इस मामले में और भी स्टेकहोल्डर यानी बार से भी बात करनी होगी। सीजेआई ने इस पर विचार करने की बात कही। सीजेआई ने कहा कि बार कुछ सुझावों के साथ सामने आए, तो उसके आधार पर हम इस मामले में कोई आदेश जारी कर सकें।

बता दें बिहार एसआईआर के मामले पर सुनवाई के दौरान सीजेआई ने मीडिया की तारीफ की और कहा कि हमें मीडिया का भी शुक्रगुजार होना चाहिए कि बिहार जिस तरह रिपोर्टिंग की गई, उससे रिमोट एरिया में भी लोगों को सभी चीजों की जानकारी होती रही। सबको पता चलता रहा कि कब-कब क्या-क्या हो रहा है और कैसे क्या करना है। ऐसे में क्या कोई उस प्रक्रिया के लिए कह सकता है कि इसके बारे में मुझे पता नहीं था?

जिला पंवार क्षत्रिय संगठन युवा प्रकोष्ठ की आवश्यक बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। मुख्यालय में जिला पंवार क्षत्रिय संगठन युवा प्रकोष्ठ की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। जिला पंवार समाज के युवा अध्यक्ष तपन राजा चौधरी ने बताया कि यह बैठक बालाघाट नगर स्थित पंवार मंगल भवन में पंवार समाज संगठन के जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन के निर्देशानुसार, जिला प्रबंध कार्यकारिणी के मार्गदर्शन एवं युवा प्रकोष्ठ के संरक्षकगणों के संरक्षण में आयोजित की गई। युवा अध्यक्ष तपन राजा चौधरी ने बताया कि यह नवनियुक्त युवा पदाधिकारियों की नियुक्ति के पश्चात प्रथम बैठक थी। इसमें जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने जिले के पंवार समाज के युवाओं को मार्गदर्शन देते हुए आगामी भविष्य में समाज हित में कार्ययोजना की जानकारी दी। इसके साथ ही सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को दायित्व पत्र वितरित किए गए। बैठक का आरंभ इष्ट देवी-देवताओं के पूजन और पंवार समाज कुलश्रेष्ठ चक्रवर्ती सम्राट राजा भोज की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ किया गया। इसके पश्चात कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन एवं मंचासीन अतिथिगण श्रीमती गायत्री बिसेन उपाध्यक्ष, श्रीमती गरिमा गौतम उपाध्यक्ष, शैलेंद्र रहांगडाले कोषाध्यक्ष, डॉ. राजेंद्र कटरे उपाध्यक्ष, अधिवक्ता अजय बिसेन संयुक्त सचिव, विवेक येडे युवा संरक्षक, दीपक रहांगडाले युवा संरक्षक, गुणेन्द्र पटले जिला संयोजक, राजा भोज फाउंडेशन, अधिवक्ता रजनीश रहांगडाले सह संयोजक, राजा भोज फाउंडेशन, अरविंद कटरे नगराध्यक्ष का स्वागत किया गया। मंचासीन अतिथियों ने समाज के युवाओं को उद्बोधन के माध्यम से मार्गदर्शन दिया। जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने सभी युवा पदाधिकारियों को नियुक्ति की बधाई दी और निर्देश दिए कि युवा प्रकोष्ठ के प्रत्येक ब्लॉक में ब्लॉक अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी, बालाघाट मुख्यालय के सभी वार्डों में वार्ड समिति, और जिले के सभी ग्रामों में ग्राम समितियों का गठन शीघ्र किया जाएगा। उन्होंने नियुक्तियों के पश्चात जिला स्तरीय युवा महासम्मेलन आयोजित करने की भी घोषणा की। विशाल बिसेन ने युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष तपन राजा चौधरी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि जिले को एक ऊर्जावान युवा अध्यक्ष मिला है और भविष्य में पंवार समाज का युवा समाज हित में सक्रिय रूप से कार्य करेगा। उन्होंने मयबोली पोवारी बोली में कहा कि समाज की बोली और संस्कृति को संरक्षित करना हमारा कर्तव्य है और इस दिशा में सभी मिलकर आगे बढ़ेंगे। आज की इस आवश्यक बैठक में जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन, महासचिव डॉ. राजेंद्र एल. कटरे, कोषाध्यक्ष शैलेंद्र राहंगडाले, उपाध्यक्ष श्रीमती गरिमा गौतम, श्रीमती गायत्री बिसेन, संयुक्त सचिव अधिवक्ता अजय बिसेन, सह-संयोजक अधिवक्ता रजनीश राहंगडाले, नगराध्यक्ष अरविंद कटरे, जिला संयोजक गुणेन्द्र पटले, युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष तपन राजा चौधरी, युवा संरक्षक विवेक येडे, दीपक रहांगडाले, पंवार समाज के कई अन्य पदाधिकारी एवं युवा उपस्थित रहे।

कर्नाटक में सीएम पर खींचतान, सिद्धारमैया ग्रुप भी कर रहा डीके का समर्थन

-कांग्रेस आलाकमान दोनों नेताओं को कर सकता है दिल्ली तलब

बेंगलुरु। कर्नाटक में सीएम बदलने की अटकलें तेज हो गई हैं। इसी बीच सीएम सिद्धारमैया ग्रुप से डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के समर्थन के सुर उठने लगे हैं। कांग्रेस नेतृत्व की ओर से सत्ता संघर्ष को लेकर अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। ऐसा माना जा रहा है कि कांग्रेस आलाकमान दोनों नेताओं को आने वाले कुछ दिनों में दिल्ली तलब कर सकता है। सिद्धारमैया के करीबी कर्नाटक के गृहमंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि वह खुद भी सीएम रेस में हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि जब कोई मुझसे सीएम की महत्वाकांक्षा के बारे में पूछता है, तो मैं बता देता हूं कि मैं भी सीएम की रेस में हूं, लेकिन अगर सत्ता में बदलाव होता है और डीके सीएम बनते हैं, तो हम उसे स्वीकार करेंगे। परमेश्वर ने कहा कि कांग्रेस आलाकमान उनके योगदान के बारे में अच्छे से जानता है। हालांकि, उन्होंने साफ कहा कि अंतिम फैसला पार्टी नेतृत्व ही करेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी मुख्यमंत्री पद के लिए योग्य उम्मीदवार होते। उन्होंने सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच किसी समझौते की जानकारी से इनकार किया।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि कांग्रेस हाईकमान 1 दिसंबर से पहले कर्नाटक पर बड़ा फैसला ले सकता है। खड़गे और राहुल गांधी की मुलाकात आने वाले एक या दो दिनों में हो सकती है। इसे लेकर कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। 1 दिसंबर से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है और पार्टी इससे पहले इस मुद्दे को सुलझाना चाहती है।

कांग्रेस सरकार के 20 नवंबर को अपने पांच साल के कार्यकाल के आधे पड़ाव पर पहुंचने के बाद सत्तारूढ़ दल के अंदर सत्ता को लेकर खींचतान तेज हो गई। राज्य में सीएम बदलने की अटकलों के बीच सत्तारूढ़ पार्टी के अंदर शक्ति संघर्ष तेज हो गया। 20 नवंबर को कांग्रेस सरकार के अपने पांच साल के कार्यकाल के ढाई साल पूरा होने के बाद यह चर्चा और तेज हो गई है, क्योंकि 2023 में सीएम सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच कथित सत्ता साझेदारी समझौते का दावा किया जा रहा है। सिद्धरमैया ने हाल ही में कहा था कि वह पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए सीएम रहेंगे और भविष्य में राज्य का बजट पेश करना जारी रखेंगे। शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि वह सीएम बदलने के मुद्दे पर सार्वजनिक तौर पर बात नहीं करना चाहते हैं, क्योंकि यह पार्टी में चार-पांच लोगों के बीच एक गुप्त समझौता है और उन्हें अपनी अंतरात्मा पर भरोसा है।

भुने चनों में कैंसर बनाने वाला केमिकल 'औरामाइन'! प्रियंका चतुर्वेदी ने सरकार को लिखा पत्र

नई दिल्ली। अब भुना चना भी सुरक्षित नहीं रहा। बाजार में बिकने वाले चमकदार पीले-भुने चनों को आकर्षक बनाने के लिए मिलावटखोर घातक इंडस्ट्रियल केमिकल 'औरामाइन' मिला रहे हैं। यह वही जहरीला रंग है जो कपड़ा, चमड़ा और कागज उद्योग में इस्तेमाल होता है, लेकिन खाने-पीने की किसी भी चीज में इसका उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है। राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा और खाद्य प्रसंस्करण मंत्री को पत्र लिखकर इस गंभीर खतरे की ओर ध्यान दिलाया है।

प्रियंका चतुर्वेदी ने मांग की है कि देशभर में तुरंत हेल्थ अलर्ट जारी हो, संदिग्ध भुने चनों की जांच हो और दोषी विक्रेताओं-निर्माताओं पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने इसे न सिर्फ फूड सेफ्टी एक्ट का उल्लंघन बताया, बल्कि लाखों भारतीयों की सेहत पर सीधा हमला करार दिया।

औरामाइन एक चटक पीला सिंथेटिक डाई है, जो पानी में आसानी से घुल जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की कैंसर रिसर्च एजेंसी(आईएआरसी) ने इसे 'संभावित कार्सिनोजन' (ग्रुप 2बी) घोषित किया हुआ है। लंबे समय तक इसका सेवन करने से लिवर, किडनी और मूत्राशय (ब्लैडर) का कैंसर होने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसके अलावा नर्वस सिस्टम को नुकसान, ऑर्गन फेल्योर और शरीर में टॉक्सिसिटी की गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

मिलावटखोर सस्ते में ज्यादा मुनाफे के लिए सादे भुने चनों पर औरामाइन का घोल छिड़क रहे हैं। इससे चने चमकदार पीले, कुरकुरे और थोड़े फूले हुए दिखते हैं, जो ग्राहकों को जल्दी आकर्षित करते हैं। खुले बाजार में यह जहरीला चना आसानी से मिल रहा है। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने वीडियो डालकर दिखाया है कि गर्म पानी में ऐसे चने डालते ही पानी पूरी तरह पीला हो जाता हैङ्क यह औरामाइन की पहचान है।

एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 22 दिनों में 7 राज्यों में 25 बीएलओ की मौत

नई दिल्ली। देश के 12 राज्यों में 51 करोड़ से अधिक मतदाताओं के घर दस्तक दे रहे 5.32 लाख से अधिक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) पर काम के दबाव का आरोप लगा रहा है। एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 22 दिनों में 7 राज्यों में 25 बीएलओ की मौत हुई है।

वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने केवल पश्चिम बंगाल में 34 लोगों की मौत का दावा कर दिया है। इन मौतों पर बंगाल, एमपी, राजस्थान, यूपी में सियासत जोरों पर हो रही है। दूसरी ओर निर्वाचन आयोग जिला और राज्यों की रिपोर्ट के इंतजार में है। चुनाव आयोग के सूत्रों का कहना है कि अब तक किसी काम के दबाव से किसी मौत की पुष्टि नहीं हुई है।

वहीं बंगाल के मंत्री अरुप बिस्वास ने कहा है कि एसआईआर के चलते राज्य में 34 लोगों ने जान दी। सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि इसका उद्देश्य पीछे के दरवाजे से एनआरसी लागू करना और डर पैदा करना है। वहीं भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि टीएमसी के दबाव में फर्जी और संदिग्ध नाम जोड़े जा रहे हैं।

पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त ओपी रावत ने बताया कि, आयोग ध्यान दे, तब थोड़ी आसानी होती है। जैसे, मध्य प्रदेश में बीएलओ को एप में कैप्चा भरना समस्या दे रहा था। उस कैप्चा को हटाने से काम आसान हो गया। बड़ी संख्या में फॉर्म अपलोड करने से सर्वर बैठ जाता है। इसतहर से फॉर्म अपलोड करने का काम रात में करके इस सुधार किया गया। टीचर्स पर स्कूलों में दिसंबर में कोर्स पूरा करने का दबाव है। डेडलाइन सिर पर है। बीएलओ अपने स्तर पर समाधान निकाल रहे हैं, जबकि यह काम सिस्टम को करना चाहिए था।

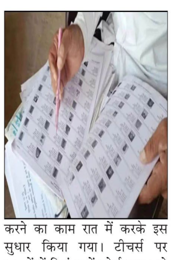

वहीं गोंडा जिले में जहर खाकर जान देने वाले बीएलओ व शिक्षक विपिन यादव के पिता सुरेश यादव ने जिला प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बेटे ने मरने से पहले फोन पर कहा था कि एसडीएम और बीडीओ मतदाता सूची से ओबीसी मतदाताओं के नाम हटाने और सामान्य वर्ग के नाम बढ़ाने का दबाव बना रहे हैं। मना करने पर निलंबन और गिरफ्तारी की धमकी दी गई थी। विपिन की पत्नी सीमा ने बताया कि अधिकारी आधार न देने वालों का नाम भी जोड़ने को कहते थे। पति बहुत दबाव में थे।

डायल 112 ने दिखाई तत्परता, आधे घंटे में गुम बच्चे को परिजन से मिलवाया

पद्मेश न्यूज ।कटंगी। नगर के सरकारी अस्पताल मैदान में भटक रहे एक 06 वर्षीय अबोध बालक को डायल 112 की तत्परता की वजह से आधे घंटे में ही उसके परिजन से मिलवाया गया। घटना बालाघाट जिले के कटंगी शहर की है। मिली जानकारी अनुसार आगरवाड़ा निवासी पूरब बिसेन से डॉयल 112 को सूचना मिली कि एक अबोध बालक सरकारी अस्पताल मैदान में भटक रहा है। सूचना मिलते ही आरक्षक मनोज पटेल और पायलेट संतोष गौतम मौके पर पहुंचे। उन्होंने बालक से चर्चा की जिसने अपना नाम शिवाय पिता संतोष पंचेश्वर निवासी ग्राम उजाडबोपली होना बताया। पुलिस ने तत्काल शिवाय के पिता के बारे में पतासाजी की उनसे संपर्क होने के बाद शिवाय के चाचा निर्दोष पंचेश्वर को शिवाय की सुर्पुदगी दी गई।

टांडा मलाजखंड एरिया के हार्डकोर नक्सली धनुष-रोनी ने बकरकट्टा में हथियार डाला

बालाघाट में सक्रिय माओवादी सीसी मेंबर रामदेर के दलम के दो और नक्सलियों ने खैरागढ़ जिले में जाकर आत्मसमर्पण किया!!

विशेष।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

कल बुधवार 26 नवंबर को फिर एक बार बालाघाट जिले में सक्रिय एमएमसी जोन के सेन्ट्रल कमेटी मेंबर रामदेर् के दलम के दो 25 वर्षीय युवा कैडर ने सीमावर्ती छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जिले में हथियार डाल दिया. यह घटना धुर माओवाद प्रभावित बीहड़ जंगल में बकरकट्टा थाने में हुई जिसे बाद में खैरागढ़ एसपी के सामने पेश कर आधिकारिक घोषणा की गयी।

दोनों नक्सली पति पत्नी हैं, दोनों की उम्र लगभग 25 वर्ष बताई गयी है

पुलिस सूत्रों के मुताबिक ईस नक्सली युगल ने छत्तीसगढ़ सरकार की बेहतर आत्मसमर्पण नीति से प्रभावित होकर यह कदम उठाया। खैरागढ़ एसपी ने बताया है कि अब दोनों शातिपूर्ण जीवन जीने की चाह रखते हैं.दोनों महिला पुरुष नक्सली माक डिवीजन और एमएमसी जोन के सक्रिय माओवादी थे।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक सरेंडर करने वालों में धनुष उर्फ मुन्ना (25) शामिल हैं, जिस पर 1.4 लाख रुपए का इनाम था, और उसकी पत्नी, रोनी उर्फ तुले (25), एक महिला नक्सली है जिस पर 6 लाख रुपए का इनाम था। दोनों माड डिवीज़न और MMC ज़ोन से जुड़े कैडर थे और लंबे समय से बालाघाट जिले में स्थित टांडा-मलाजखंड इलाके में सक्रिय थे। रोनी पहले एमएमसी ज़ोन इंचार्ज और सीसी मेंबर रामदेर के साथ पार्टी मेंबर के तौर पर काम करती थी । वहीं, धनुष कंप्यूटर, हिंदी-इंग्लिश टाइपिंग और टेक्निकल स्किल्स में माहिर था, इसलिए वह ऑर्गनाइज़ेशन में डिजिटल और डॉक्यूमेंटेशन का काम संभालता था।

नक्सलियों का रूझान मुख्यधारा की ओर बढ़ा

पुलिस के मुताबिक, यह दंपती छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के बॉर्डर पर फैली नक्सली एक्टिविटी में शामिल रहा है। इलाके में सड़क, बिजली, नेटवर्क और पीने के पानी जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर में तेज़ी से सुधार और सरकारी स्कीमों के बढ़ने से वे मेनस्ट्रीम की ओर बढ़े हैं। दोनों नक्सलियों ने हिंसा छोड़कर समाज में इज्?तदार ज़िंदगी जीने की इच्छा जताई है। पुलिस अधिकारियों ने इसे इलाके में शांति बहाल करने और नक्सलवाद को कम करने में एक बड़ी कामयाबी बताया है।

केसीजी पुलिस की लगातार सर्चिंग, सिविक एक्शन प्रोग्राम, गांवों में जागरूकता अभियान और सरकार द्वारा सड़क, बिजली, पानी व नेटवर्क जैसी सुविधाओं के विस्तार से इलाके में पुलिस पर भरोसा बढ़ा है। इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि यह दंपति हिंसा छोड़कर समाज से जुड़ने आगे आया।

माओवादी बोले- अब सम्मानजनक शांतिपूर्ण जीवन जीना चाहते हैं और दोनों ने कहा कि वे अब सम्मानजनक और शांतिपूर्ण जीवन जीना चाहते हैं। पुलिस और प्रशासन का मानना है कि यह आत्मसमर्पण क्षेत्र में शांति बहाली और नक्सल संगठन को कमजोर करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। विकास और सरकारी नीतियों का असर साफ दिख रहा है पहाड़ों और जंगलों में अब बदलाव की हवा चल रही है।

कई नक्सली वारदातों में लिप्त रहे थे हथियार डाल चुके नक्सल दंपत्ति

अधिकारिक रिपोर्ट के मुताबिक सरेंडर कर चुके नक्सली दंपति प्रतिबंधित संगठन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के माड़ डिविजन, बस्तर, और एमएमसी (मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़) जोन से जुड़े थे. दोनों फिलहाल नक्सली टांडा मलाजखंड क्षेत्र में सक्रिय थे और कई नक्सली वारदातों में लिप्त रहे थे. रामदेर् ही नी दिनों लगभग 20-25 कैडर के साथ बालाघाट तथा सीमावर्ती अन्य जिलों के जंगलों में सक्रिय है।

नई पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर नक्सली दंपति ने छोड़े हथियार

पुलिस ने बताया कि केसीजी जिले में लगातार नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा है. इस दौरान नक्सल प्रभावित गांवों में सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रमों के जरिए सरकार की नई आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत मिलने वाली सुविधाओं और लाभों की जानकारी दी जा रही है. उसी के परिणाम है कि नक्सली दंपति ने हथियार छोड़ने का निर्णय लिया।

हिंदी और अंग्रेजी टाइपिंग और कंप्यूटर साक्षर नक्सली धनुष उर्फ मुन्ना माओवादी संगठन में तकनीकी कामों को संभालता था. छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र (गोंदिया) और मध्य प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय रहा धनुष वर्तमान में टांडा मलाजखंड क्षेत्र में सक्रिय था।

संगठन के तकनीकी कामों को संभालता था कंप्यूटर साक्षर धनुष

जानकारी के अनुसार, नक्सली धनुष को हिंदी और अंग्रेजी टाइपिंग तथा कंप्यूटर का ज्ञान है, जिसकी वजह से वह संगठन में तकनीकी कामों को संभालता था. हथियार छोड़ चुके दोनों नक्सली छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र (गोंदिया) और मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय रहे थे. नक्सली दंपति के सरेंडर को क्षेत्र में शांति स्थापना में उपलब्धि माना जा रही है।

अनकही चीजें -

* रोनी रामदेर् के साथ काम करती थी कई वारदातों में शामिल थी
* धनुष कम्प्यूटर और हिन्दी अंग्रेजी टाइपिंग दक्ष था
* धनुष को संगठन के टेक्निकल और डाटा कार्य सौंपे जाते थे
* दोनों तीनो राज्यों के बॉर्डर पर फैली नक्सली घटनाओं में शामिल थे
* दोनों पर 20 लाख का ईनाम घोषित था
* दोनों मॉड डिवीजन और एमएमसी जोन से जुड़े कैडर थे
* खैरागढ़ में दोनों ने एसपी के सामने आत्मसमर्पण किया
* अब सम्मानजनक शांतिपूर्ण जीवन जीना चाहते हैं

खूंखार हिड़मा के एनकाउंटर के बाद नक्सलियों में मची खलबली

गौरतलब है नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत चलाए जा रहे ऑपरेशन में अब तक हजारों नक्सली हथियार छोड़कर सरकार की पुनर्वास से प्रभावित होकर सरेंडर कर चुके हैं. नक्सल विरोधी अभियान में खूंखार नक्सली माड़वी हिड़मा के एनकाउंटर के बाद नक्सलियों में खलबली है और नक्सली हिंसा छोड़ने को मजबूर हुए हैं।

इस तरह एमएमसी(मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़) जोन में चल रहे संयुक्त अभियान को बड़ी सफलता मिली है। टाडा-मलाजखंड एरिया में सक्रिय 20 लाख रुपये के संयुक्त इनामी नक्सली दंपती ने बुधवार को केसीजी (खैरागढ़-छुईखदान-गंडई) पुलिस अधीक्षक के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। यह दंपती प्रतिबंधित संगठन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के माड़ डिवीजन और एमएमसी जोन की गतिविधियों में लम्बे समय से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा था। दोनों छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र (गोंदिया) और मध्यप्रदेश के सीमावर्ती घने जंगलों में संचालित माओवादी वारदातों, एरिया डामिनेशन, पुलिस मूवमेंट पर निगरानी, विस्फोटक-सामग्री की ढुलाई और संगठनात्मक कार्यों में शामिल रहे थे।

कम्युनिकेशन नेटवर्क का अहम हिस्सा था धनुष

धनुष (एसीएम) संगठन के लिए तकनीकी और टाइपिंग यूनिट का प्रमुख सदस्य था। उसे हिन्दी-अंग्रेजी टाइपिंग और कंप्यूटर संचालन का ज्ञान होने के कारण एरिया कमेटी और माड़ डिवीजन की बैठकों, आदेश-पत्रों, दंडकारण्य कम्युनिकेशन नेटवर्क और संगठनात्मक पत्राचार से जुड़े कार्य सौंपे जाते थे।

जोन प्रभारी की विश्वस्त कैडर रही रोनी

वहीं रोनी, माओवादी एमएमसी जोन प्रभारी रामदेर (सीसी मेंबर) की विश्वस्त कैडर के रूप में कार्यरत थी। वह टाडा-मलाजखंड एरिया में महिला मिलिट्री डिवीजन की गतिविधियों, दवाइयों और राशन आपूर्ति, कैंप शिफ्टिंग, नए भर्ती कैडरों की निगरानी और स्थानीय जनसंपर्क इकाइयों में सक्रिय भूमिका निभाती थी। दोनों बस्तर की घनी नक्सल बेल्ट में वर्षों तक सक्रिय रहे हैं. इसके साथ ही लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की रडार पर थे।

धनुष का नाम एरिया कमेटी मेंबर (ACM) के रूप में दर्ज था. उसके पास हिंदी-इंग्लिश टाइपिंग और कंप्यूटर ऑपरेशन की अच्छी जानकारी थी. इसी तकनीकी दक्षता की वजह से वह माओवादी संगठन के लिए टेक्निकल और टाइपिंग सपोर्ट सिस्टम का जिम्मा संभालता था. माओवादी संगठन के भीतर उसे टेक्निकल हैंडलर की तरह देखा जाता था।

रोनी के सिर 6 लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था. उसका सीधा लिंक एमएमसी जोन(मध्यप्रदेश महाराष्ट्र छत्तीसगढ़) के बड़े माओवादी इंचार्ज रामदेर से था, जो सेंट्रल कमेटी का सदस्य माना जाता है. रोनी को संगठन के लिए महत्वपूर्ण मैसेंजर और इंटेल चैनल का हिस्सा बताया जाता है. उसकी भूमिका कई सिक्रेट मूवमेंट्स में सामने आई थी. दोनों ने नक्सल बनने के बाद शादी की थी।

नक्सल युगल ने स्वीकार किया कि वे राज्य सरकार की नई सरेंडर और रिहैबिलिटेशन पॉलिसी से प्रभावित हुए. उन्होंने कहा कि माओवादी जीवन में बढ़ती हिंसा, लगातार पुलिस दबाव और संगठन के भीतर कठोर व्यवहार ने उन्हें हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया. दंपति कई महीनों से जंगलों में सक्रिय ऑपरेशंस से दूर रहने की कोशिश कर रहा था।

आखिरकार खैरागढ़ जिले में पुलिस के सामने दो माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया. खैरागढ़ जिला, जो मध्य प्रदेश की सीमा से सटा है और रायपुर से करीब 100 किलोमीटर दूर है, हाल के महीनों में नक्सल गतिविधियों के लिए अहम ट्रांजिट जोन बनता जा रहा है. ऐसे में इस दंपति का सरेंडर सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ा मनोवैज्ञानिक झटका संगठन को देने जैसा माना जा रहा है।

खासतौर पर धनुष पर अकेले 14 लाख रुपए का इनाम है. वो एमएमसी स्ट्रक्चर में टेक्निकल संसाधन संभालने वाले चुनिंदा ऑपरेटिव्स में से एक था. ये कपल लंबे वक्त से माओवादियों की कई हिंसक और रणनीतिक गतिविधियों में शामिल रहा. जांच एजेंसियों को उम्मीद है कि इनके बयान आंतरिक हलचल, हथियार सप्लाई और बॉर्डर मूवमेंट के राज खोल सकते हैं।

मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ (एमएमसी) जोन में चल रहे संयुक्त माओवादी विरोधी अभियान को बुधवार को बड़ी सफलता हाथ लगी है.यह दंपती लंबे समय से भाकपा (माओवादी) के माड़ डिवीजन और एमएमसी जोन की गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा था। सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति-2025, बढ़ते विकास कार्यों और समुदाय आधारित पुलिसिंग के प्रभाव से प्रेरित होकर दोनों नक्सलियों ने मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, यह सरेंडर न केवल क्षेत्र की सुरक्षा रणनीति के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि माओवादी नेटवर्क को एक बड़ा झटका भी है।

कई वारदातों और माओवादी कैंपों से जुड़े रहे थे दोनों

धनुष और रोनी पिछले कई वर्षों से छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र (गोंदिया) और मध्यप्रदेश के बालाघाट के सीमावर्ती घने जंगलों में सक्रिय थे। दोनों एरिया डामिनेशन, सुरक्षा बलों के मूवमेंट पर निगरानी, विस्फोटक-सामग्री की ढुलाई, रणनीतिक बैठकों में भागीदारी, नए कैडरों की भर्ती और कैडरों की निगरानी जैसी महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाते थे। धनुष, संगठन का एक प्रमुख सदस्य, तकनीकी और कम्युनिकेशन यूनिट का अहम हिस्सा था। उसे हिंदी, अंग्रेजी टाइपिंग और कंप्यूटर संचालन का उत्कृष्ट ज्ञान था। इसीलिए वह माओवादी माड़ डिवीजन और एरिया कमेटी बैठकों के दस्तावेजीकरण, आदेश-पत्र, और गुप्त कम्युनिकेशन नेटवर्क (दंडकारण्य कम्युनिकेशन चैनल) को संभालने वाला प्रमुख कैडर बन गया था। दूसरी ओर, रोनी महिला माओवादी यूनिट की सक्रिय सदस्य थी और एमएमसी जोन प्रभारी रामदेर (सीसी मेंबर) की विश्वस्त कैडर थी। वह दवाइयों व राशन आपूर्ति, महिला मिलिट्री डिवीजन की गतिविधियों, कैंप शिफ्टिंग, और स्थानीय जनसंपर्क इकाइयों में बेहद प्रभावी भूमिका निभाती थी।

सुरक्षा बलों की लगातार बढ़त से कमजोर हुआ माओवादी तंत्र

सुरक्षा एजेंसियों ने हाल के महीनों में एमएमसी जोन, माड़ डिवीजन और टाडा-मलाजखंड एरिया में लगातार सफल ऑपरेशन चलाए हैं। 19 नवंबर से इस क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने एरिया डॉमिनेशन बढ़ाया है, जिसके बाद माओवादी कैडरों की गतिविधियाँ सीमित होने लगी हैं। दबाव और संसाधनों की कमी के बीच संगठन से मोहभंग बढ़ा है। पुलिस के अनुसार, सरेंडर कर चुके यह दोनों नक्सली कई वारदातों में शामिल थे और संगठन के लिए महत्वपूर्ण संसाधन और रणनीतिक भूमिका निभाते थे। इनके आत्मसमर्पण के बाद माओवादी कम्युनिकेशन, लॉजिस्टिक और भर्ती नेटवर्क पर बड़ा असर पड़ना तय है। धनुष-रोनी दंपती के आत्मसमर्पण के बाद एमएमसी जोन में माओवादी प्रभाव और कमजोर होगा। दोनों संगठन के लिए अत्यधिक विश्वस्त और प्रशिक्षित कैडर थे, जिनके बाहर आने से माओवादी रणनीति को बड़ा नुकसान पहुंचेगा। सुरक्षा एजेंसियाँ उम्मीद कर रही हैं कि इनकी वापसी से अन्य कैडरों को भी हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने की प्रेरणा मिलेगी।

सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई, गांवों में विकास कार्य, सड़क-बिजली-पानी जैसी सुविधाओं का बढ़ना और सामुदायिक पुलिसिंग के माध्यम से लोगों के मध्य लगातार संवाद इन सबके कारण ग्रामीणों का विश्वास बढ़ा है। सरकार कि योजना ने भी उन्हें प्रभावित किया है, इन्हीं प्रयासों से प्रेरित होकर नक्सली दंपति ने हिंसा छोड़कर शांति का रास्ता चुना।

बहरहाल, माओवादियों की सेन्ट्रल कमेटी मेंबर रामदेर् की टीम से दो नक्सली कैडरों के हथियार डालकर मुख्यधारा में आ जाने से अब संख्या बल भी लगातार कम होती जा रही. यह दोनों नक्सली

न्यूज गैलरी

सड़क दुर्घटना में दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के बस स्टैंड में २७ नवंबर की रात करीब ८ बजे दो मोटरसाइकिल की आपस में भिड़ंत हो गई। जिसमें सवार दोनों व्यक्ति

गंभीर रूप से घायल हो गए। इसमें एक व्यक्ति का सिविल अस्पताल में उपचार जारी है तो वहीं दूसरे को जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विनायक पिता सुरेश शेंन्द्रे वार्ड नं. ११ निवासी एवं वंश पिता मानिकराम पटले वार्ड नं. ३ निवासी अपनी अपनी मोटरसाइकिल से एक दूसरे के विपरीत दिशा की ओर आ रहे थे। इसी बीच बस स्टैंड के मध्य में दोनों मोटरसाइकिल की आपस में भिड़ंत हो गई। जिसमें जोरदार आवाज सुन आस पड़ोस के लोग दौड़े और देखें तो दोनों मोटरसाइकिल सवार जमीन पर बेशुध पड़े हुए थे। इस पर उपस्थित लोगों के द्वारा तत्काल संजीवनी १०८ को तत्काल सूचना दी गई। जिसमें पायलट इस्माइल खान के द्वारा मौके से दोनों युवकों को १०८ से सिविल अस्पताल में ले जाकर भर्ती किया गया। तो वहीं विनायक सेंद्रे की गंभीर स्थिति को देखते हुए उक्त संजीवनी १०८ से उसे प्राथमिक उपचार उपरांत जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया। इस दुर्घटना में दोनों को हाथ पैर सर सहित शरीर के विभिन्न हिस्सों में अंदरूनी और बाहरी चोटे आई है।

सोशल मीडिया पर नक्सली हिडमा को शहीद बताने वाला युवक गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक युवक द्वारा दुर्दांत नक्सली माड़वी हिडमा के समर्थन में की गई आपत्तिजनक पोस्ट ने पुलिस प्रशासन को सतर्क कर दिया। पोस्ट वायरल होने के बाद क्षेत्र के कुछ युवाओं ने इसकी शिकायत भरवेली पुलिस से की। शिकायत पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने संबंधित युवक को गिरफ्तार कर लिया है। इस पूरे प्रकरण की जानकारी नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिंह ने स्थानीय कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेस वार्ता के माध्यम से दी। उन्होंने बताया कि नक्सली गतिविधियों और उनके समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट प्रसारित करना गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। मामले को संज्ञान में लेते हुए भरवेली पुलिस ने साइबर साक्ष्यों के आधार पर आरोपी युवक की पहचान की तथा उसे हिरासत में लेकर मामला कायम कर दिया हैं।

27 नवंबर को नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिंह ने कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि थाना भरवेली में 26 नवंबर को अखिलेश पिता रामकिशोर मण्डलेकर 35 वर्ष, निवासी जागपुर मंझारा अपने साथियों मुकेश चौरे, अजय डहारे एवं आकाश सहारे के साथ उपस्थित होकर फेसबुक आईडी बिरसा ब्रिगेड भारत पर प्रसारित एक आपत्तिजनक पोस्ट के संबंध में लिखित शिकायत प्रस्तुत की। शिकायत में उल्लेख किया गया कि उक्त फेसबुक आईडी से नक्सली घटनाओं में संलिप्त दुर्दांत नक्सली माड़वी हिडमा की तस्वीर साझा कर उसे बस्तर का शेर, मास्टरमाइंड शहीद, लाल सलाम जैसे शब्दों से महिमामंडित किया गया है। यह पोस्ट समाज में गलत संदेश फैलाने वाली और नक्सली हिंसा में शहीद हुए जवानों एवं उनके परिजनों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली पाई गई। शिकायत प्राप्त होते ही थाना भरवेली पुलिस एवं साइबर सेल की संयुक्त

टीम ने तत्काल जांच प्रारंभ की। जांच में यह पुष्टि हुई कि 20 नवंबर की रात्रि लगभग 10:30 बजे फेसबुक आईडी बिरसा ब्रिगेड भारत से संबंधित पोस्ट शेयर की गई थी, जिसमें माड़वी हिडमा जो कई राज्यों में नक्सली हिंसा, सुरक्षाबलों एवं आम नागरिकों की हत्या जैसे गंभीर अपराधों में शामिल रहा था जिसकी खुले तौर पर महिमामंडन किया गया था। जांच के आधार पर थाना भरवेली पुलिस ने फेसबुक यूज़र सतेन्द्र पिता माखनलाल इनवाती 32 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 10, हीरापुर भरवेली के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 196(1) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर लिया है। प्रेस वार्ता के दौरान सीएसपी वैशाली सिंह ने सख्त लहजे में कहा कि जिले में सोशल मीडिया के माध्यम से नक्सली विचारधारा को बढ़ावा देने, नक्सलियों का समर्थन करने अथवा सुरक्षा बलों के मनोबल को प्रभावित करने वाली गतिविधियों को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में आगे भी त्वरित और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम जन से अपील की हैं कि सोशल मीडिया पर नक्सलवाद, हिंसा या गैर-कानूनी गतिविधियों का समर्थन या महिमामंडन करना दण्डनीय अपराध है। समुदायों के बीच तनाव, वैमनस्य फैलाने वाली पोस्ट साझा न करें। किसी भी संदिग्ध, भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट की जानकारी तत्काल निकटतम थाना या साइबर सेल को दें। साइबर पुलिस बालाघाट सोशल मीडिया की गतिविधियों पर सतत निगरानी रखता है कानून विरुद्ध गतिविधियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों । हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-
हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता
समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ
रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता
यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।
आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]
स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट